नई दिल्ली
रविवार, 2 जून, 2024
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष,
एकादशी वर्ष : 28, अंक : 52
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 42
न्यून. 31

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

11 टी20 विश्व कप : अमेरिका का पलड़ा भारी, कनाडा के खिलाफ मैच आज

	जनता टीवी-हरिभूमि	इंडिया टुडे माय एक्सिस	आर टीवी पीएमएआरक्यू	आर टीवी मैट्रिज	एनडीटीवी जन की बात	इंडिया न्यूज डी डायनामिक्स	न्यूज नेशन	इंडिया टीवी सीएनएक्स	एबीपी सी-वोटर	टाइम्स नाउ ईटीजी	न्यूज-24 टुडेज चाणक्य
एनडीए	353-383	361-401	359	353-368	365	371	342-378	371-401	353-383	358	400
इंडिया	152-182	131-166	154	118-133	142	125	153-169	109-139	152-182	152	107
अन्य	04-12	08-20	30	43-48	36	47	21-23	28-38	04-12	33	36

देश भर के मीडिया समूहों का एग्जिट पोल आया...इसमें रुझानों का यह 'साफ अनुमान'...एनडीए को मिली बंपर सीटें

4 जून को आएंगे फाइनल नतीजे

देश के सभी मीडिया समूहों के साथ 'जनता टीवी व हरिभूमि' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने अपनी टीम के साथ महा-एग्जिट पोल पेश किया। इसमें जो रुझान सामने आया है, उसमें एनडीए को 353 से 383 सीटों का रुझान दिखा। इंडी गठबंधन को 152 से 182 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य को 4 से 12 सीटें मिलती दिखीं।

आएंगे तो 'मोदी'...इंडी गठबंधन को नहीं मिलेगी सत्ता की 'गोदी'

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली/ हरिभूमि न्यूज ▶▶रायपुर

लोकसभा चुनाव 2024 के सातों चरण के मतदान संपन्न हो गए। 543 लोकसभा सीटों के परिणाम ईवीएम में कैद हो गए हैं। अब लोगों को बेसब्री से इस बात का इंतजार है कि देश में अगली सरकार किसकी बनने जा रही है? क्या देश में तीसरी बार 'मोदी सरकार' आने वाली है या फिर कुछ उलटफेर होगा? विपक्षी गठबंधन 'इंडिया'गठबंधन भी इस बार जीत का दावा कर रहा है।

देश में अगली सरकार किसकी बनेगी, ये तो 4 जून को ही पता चल पाएगा, लेकिन उससे पहले शनिवार को एग्जिट पोल के रुझान सामने आ गए हैं। सभी चैनलों के एग्जिट के मुताबिक फिर से मोदी सरकार आ रही है, लेकिन एनडीए 400 पार जाती नहीं दिख रही है। देश के सभी मीडिया समूहों के साथ 'जनता टीवी व हरिभूमि' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने अपनी टीम के साथ महा-एग्जिट पोल पेश किया। इसमें जो रुझान सामने आया है, उसमें एनडीए को 353 से 383 सीटों का रुझान दिखा। इंडी गठबंधन को 152 से 182 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य को 4 से 12 सीटें। यानी, साफ है कि एनडीए यानी मोदी सरकार तीसरी बार भी पूर्ण बहुमत के साथ आ रही है। पर एनडीए 400 पार के लक्ष्य से इन ▶▶शेष पेज 5 पर

इन रुझानों पर किसने- क्या कहा?

खरगे बोले- ये फर्जी एग्जिट पोल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने फर्जी करार दिया है। उन्होंने कहा कि ये भाजपा के फर्जी एग्जिट पोल हैं। ये लड़ाई जनता के मुद्दों पर है। लोकतंत्र व संविधान को सुरक्षित रखने का संघर्ष है।

लेकिन, ज्यादातर एग्जिट पोल में एनडीए 400 के आंकड़े के अंदर ही

तीन अनुमानों में दो में 401 सीटें तो दूसरे में 400 सीटों का रुझान

2019 में भाजपा ने मारी थी बाजी

लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया था। तब भाजपा ने 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, कांग्रेस की झोली में सिर्फ 52 सीटें ही आई थी। वायआरएससीपी और डीएमके को 23-23, तृणमूल कांग्रेस के खाते में 22 और शिवसेना को 18 सीटें आई थीं। वहीं जेडीयू को 16 सीटें, समाजवादी पार्टी को 5 सीटें और बीएसपी को 10 सीटें हासिल हुई थीं।

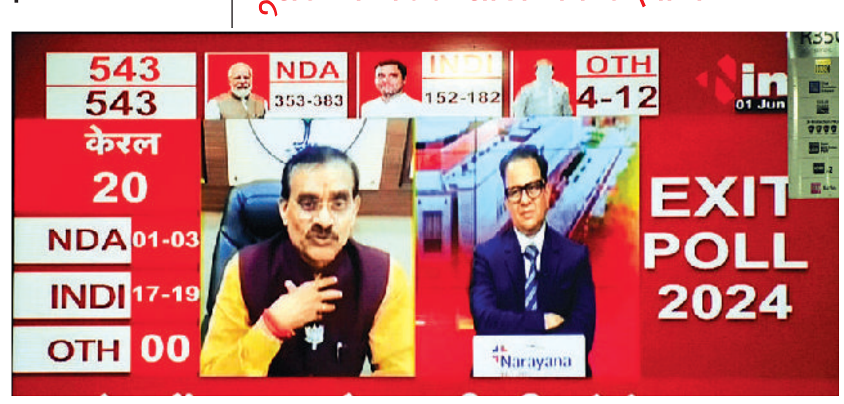

एनडीटीवी : एनडीए को 365 सीटें मिलने का अनुमान

एनडीए को ओवरऑल 358 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस की लीडरशिप वाले इंडी अलायंस को 148 सीटों का अनुमान है। जबकि अन्य को 37 सीटें मिलती दिख रही हैं।

रिपब्लिक-पीएमएआरक्यू मैट्रिज : भाजपा प्लस को 359 सीटें

भाजपा प्लस को 359 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। जबकि इंडी अलायंस के लिए 154 सीटों का अनुमान जताया गया है।

इंडिया न्यूज-डी डायनामिक्स: एनडीए को 371 सीटें

एनडीए को 371 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। इंडी अलायंस को 125 सीटें मिलने का अनुमान है।

एसएएएम-जन की बात

एनडीए को 377 सीटें। इंडी अलायंस को 151 सीटें मिलती दिख रही हैं।

टीवी9 पोलस्ट्रेट : एनडीए को 371 सीटें

एनडीए को 342 सीटें मिलती दिख रही हैं। जबकि इंडी गठबंधन को 166 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य को 35 सीटें मिल सकती हैं।

कांग्रेस : गठबंधन को 295 से अधिक सीटें आएंगी

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि हमारी 295 से अधिक सीटें आएंगी, भाजपा को 220 तथा एनडीए को कुल मिलकार 235 सीटें मिलेंगी। ये विश्वास हमें हिंदुस्तान की जनता दे रही है।

प्रशांत किशोर : भाजपा को मिलेंगी 303 सीटें

इलेक्शन स्ट्रैटजिस्ट प्रशांत किशोर ने चुनाव नतीजों से पहले पार्टियों को मिल रही सीटों का अनुमान जारी किया है। प्रशांत के मुताबिक भाजपा 303 या इससे ज्यादा सीटें जीत सकती है। प्रशांत किशोर का कहना है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन पिछली बार (2019) की तुलना में बेहतर रहेगा। पार्टी को पूर्वी और दक्षिणी हिस्से में पर्याप्त समर्थन मिला है। भाजपा ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु में अपना आधार बढ़ाया है।

लोकसभा चुनाव 2024

जनता टीवी हरिभूमि सी-वोटर का सर्वे

राज्य	एनडीए गठबंधन	इंडिया गठबंधन	अन्य
जम्मू-कश्मीर	1-2	0-1	1-2
हिमाचल प्रदेश	3-4	0-1	0
पंजाब	1-3	6-8	3-5
हरियाणा	4-6	4-6	0
दिल्ली	4-6	1-3	0
उत्तराखंड	5	0	0
उत्तर प्रदेश	62-66	15-17	0
बिहार	34-38	3-5	0
झारखंड	11-13	1-3	0
छत्तीसगढ़	10-11	0-1	0
मध्यप्रदेश	26-28	1-3	0
राजस्थान	21-23	2-4	0
गुजरात	25-26	0-1	0
महाराष्ट्र	22-26	23-25	0
गोवा	1-2	0-1	0
पश्चिम बंगाल	23-27	1-3	13-17
ओडिशा	17-19	0-2	1-3
आंध्र प्रदेश	21-25	1-4	0
तेलंगाना	7-9	7-9	1
कर्नाटक	23-25	3-5	0
केरल	1-3	17-19	0

कार्तिक ने बर्थडे पर संन्यास का ऐलान किया

मुंबई। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। कार्तिक यानी 1 जून को ही 39 साल के हुए हैं, इस मौके पर उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए रिटारमेंट अनाउंस किया। उन्होंने रिटायरमेंट नोट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो में कार्तिक के करियर के अहम पलों की फोटोज शामिल हैं। कार्तिक ने अपनी पोस्ट में लिखा- पिछले कुछ दिनों में मुझे जो स्नेह, समर्थन और प्यार मिला है, उससे मैं अभिभूत हूं। सभी फैंस का बहुत-बहुत आभार।

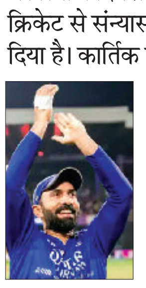

दल के नेताओं को डर, सरकार में नहीं आए तो कार्यकर्ता ढूंढे नहीं मिलेंगे

कांग्रेस पार्टी आंतरिक सर्वे से ठिठकी, 100 पार भी मुश्किल से, दावा 295 का

शिशिर सोनी ▶▶नई दिल्ली

भले ही कांग्रेसनीत इंडिया गठबंधन की शनिवार को हुई बैठक के बाद कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने 295 सीटों पर गठबंधन की जीत का दावा किया हो, मगर पार्टी का आंतरिक सर्वे उन्हें डरा रहा है। अलग चरणों के चुनावों के बाद एक के बाद एक हुए अलग अलग सर्वे को मिलाकर भी कांग्रेस पार्टी 110-125 सीटों पर जीतती हुई दिखाई दे रही है। देश के चुनावी इतिहास में कांग्रेस पार्टी सबसे कम पहली बार केवल 318 सीटों पर आम चुनाव में मैदान में थी।

भाजपा की नारा था, अब की बार 370 पार, सहयोगियों के साथ 400 पार। मतलब, कांग्रेस पार्टी 370 सीटों पर भी चुनाव नहीं लड़ी। केवल 318 सीटों पर लड़ कर अगर उनके आंतरिक गोपनीय सर्वे के मुताबिक 110-125 सीटों पर सिमट गई तो चुनाव के बाद पार्टी रणनीतिकारों को इस बात की चिंता है कि लगातार हार ▶▶शेष पेज 5 पर

हिंदी पट्टी से गायब हो रही कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी यूपी, बिहार, झारखंड से गायब होती हुई समूची हिंदी पट्टी से ही गायब हो रही है। ऐसी स्थिति बनी तो ये तय है कि विपक्षी गठबंधन का नेता किसी प्रादेशिक पार्टी का कोई नेता होगा। ममता बनर्जी उसी रणनीति के तहत अभी से दबाव की सियासत शुरू कर दिया है। इंडिया गठबंधन दलों की बैठक में कांग्रेस पार्टी के नेताओं को साथी दलों ने इस बात की नसीहत दी कि एग्जिट पोल के नतीजों पर बात करने अपने दल से प्रतिनिधि न भेज कर आखिर वे क्या संदेश देना चाहते हैं? इसका क्या सियासी फायदा होने जा रहा है? बेहतर हो कि कांग्रेस के प्रतिनिधि जाएं और अपनी बात रखें। ये पहली बार है कि कांग्रेस के आंतरिक फैसले पर राज्यों के क्षत्रप उंगली उठा रहे हैं। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व भी समझ रहा है। यही वजह है कि समूची बैठक के दौरान कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने बेहद सधे हुए अंदाज में नपेतुले शब्दों पर अपनी बातें रखीं। अपने काडर को वोटों की गिनती तक और अफसरों पर दबाव बनाये रखने के लिए 295 सीटों पर जीत का दावा ठोंक दिया।

अरुणाचल प्रदेश विस चुनाव

वोटो की 'गिनती' आज सुबह 6 बजे से शुरू होगी

सत्तारूढ़ भाजपा पहले ही 60 सदस्यीय विधानसभा में 10 सीटें निर्विरोध जीत चुकी

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए मतों की गिनती 2 जून को सुबह 6 बजे शुरू होगी। अरुणाचल प्रदेश में 19 अप्रैल को विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हुए थे। मतगणना से संबंधित जानकारी प्रसारित करने के लिए सभी मतगणना केंद्रों पर मीडिया केंद्र स्थापित किए जाएंगे। कुल 60 में से 50 विधानसभा सीटों के लिए मतों की गिनती 2 जून को राज्य के 24 केंद्रों पर होगी। सत्तारूढ़ भाजपा पहले ही 60 सदस्यीय ▶▶शेष पेज 5 पर

सातवें चरण में 57 सीटों पर 61.63% वोटिंग

पं. बंगाल में एक ही दिन में आयोग को मिली चुनाव संबंधी 1,450 शिकायतें

पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक मतदान 73.36 प्रतिशत हुआ जबकि सबसे कम बिहार में 51.92 प्रतिशत दर्ज किया गया

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण का मतदान शाम 5 बजे संपन्न हुआ। इस दौरान आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 57 सीटों पर वोटिंग हुई। सुबह 7 बजे मतदान शुरू होते ही मतदान केंद्रों पर लोगों की लंबी कतारें देखी गईं। दिन चढ़ने के साथ ही बिहार, यूपी और पंजाब के कुछ ▶▶शेष पेज 5 पर

पिछले चरणों में कैसा रहा वोटिंग प्रतिशत?

लोकसभा चुनाव के छठवें चरण की अगर बात करें तो 63.36 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं 20 मई को पांचवें चरण में वोटिंग की स्पीड काफी धीमी रही थी. पांचवें चरण में 62.2 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। वहीं चौथे चरण में मतदान का ▶▶शेष पेज 5 पर

श्री महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती बुकिंग व्यवस्था को बनाया गया और अधिक सुगम

शनिवार से व्यवस्था हुई लागू

अब हर माह की 'पहली तारीख' को महीने भर की भस्म आरती की बुकिंग जारी कर दी जाएगी

जुलाई माह की भस्म आरती के लिए 9153 श्रद्धालुओं आवेदन स्वीकृत | भस्म आरती बुकिंग की जानकारी मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶उज्जैन

श्री महाकालेश्वर मंदिर में सुप्रसिद्ध भस्म आरती की बुकिंग व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, सुगम और सुचारू बनाने के लिए उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशन में नई व्यवस्था 1 जून से लागू कर दी गई है। जिसमें पहले आओ पहले पाओ के आधार ▶▶शेष पेज 5 पर

इस तरह कर सकेंगे बुकिंग

श्रद्धालु अपनी भस्म आरती की बुकिंग के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर की वेबसाइट **www.shrimahakaleshwar.com** पर जाकर भस्म आरती के एडवांस बुकिंग के ऑप्शन पर क्लिक कर अगस्त, सितंबर और अक्टूबर माह के लिए अपनी भस्म आरती बुक कर सकते हैं। भस्म आरती बुकिंग के लिए पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। भस्म आरती बुकिंग के लिए प्राप्त रिक्वेस्ट की मॉनिटरिंग होगी। आधार नंबर/मोबाइल नंबर की जांच कर देखा जाएगा कि संबंधित द्वारा भस्म आरती बुकिंग का दुरुपयोग न हों।

15 जून को पूर्ण रूप से बंद होगी पुरानी व्यवस्था

भस्म आरती की बुकिंग की पुरानी व्यवस्था जिसमें 15 दिन पहले भस्म आरती बुक की जाती थी। इसे 15 जून तक पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि पहले पोर्टल खोलते ही 10 से 15 मिनट के अंतराल में भस्म आरती बुकिंग फुल हो जाती थी। जिससे श्रद्धालुओं को काफी असुविधा होती थी। नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु अब अपनी भस्म आरती प्लान कर सकेंगे।

आग बुझाने के लिए फायर की 15 गाड़ियों को घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी

कश्मीरी गेट मेट्रो थाना जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

कश्मीरी गेट मेट्रो थाने में शुक्रवार आधी रात भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि इसने थाना परिसर में बने डीसीपी, एसीपी ऑफिस तक को अपनी चपेट में ले लिया।

सरकारी दस्तावेज, फाइलें, एसीपी ऑफिस और एसएचओ ऑफिस का सारा सामान जलकर खाक हो गया। डीसीपी ऑफिस का सामान बचा लिया गया। आग बुझाने के लिए 15 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी। इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के मुताबिक आग देर रात 12 बजकर 45 मिनट पर लगी थी। आग की इस घटना में थाने के 15 और डीसीपी ऑफिस के 18 कमरे जल गए। गनीमत ये रही मालखाने तक आग की लपटें पहुंचने से पहले ही उसे बुझा दिया गया।

■ इंस्पेक्टर एडमिन, एसीपी और एसएचओ ऑफिस में रखी फाइलें व सामान जला

शॉट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका

शुरुआती जांच में शॉट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जाहिर की गई है। क्राइम और एफएसएल टीम ने भी मौके पर पहुंच जांच पड़ताल की। सूत्रों का कहना है कुछ मामले को लेकर विजिलेंस जांच भी चल रही थी। अब यह जांच का विषय है कि थाने में लगी आग महज एक हादसा है या फिर गहरी साजिश का हिस्सा।

थाने में नहीं था आग बुझाने वाला एक भी सिलेंडर

कश्मीरी गेट मेट्रो थाना परिसर में 40 से ज्यादा कमरे हैं, जो टिन शेड और एल्यूमिनियम के पार्टिशन से बने हैं। लगभग एक हजार गज में बने इस थाना परिसर में ही डीसीपी ऑफिस भी है। पुलिस के मुताबिक आग की शुरुआत महिला स्टाफ के कमरे से स्पार्किंग के बाद लगी। महज पांच मिनट के भीतर ही आग फैलकर गैलरी तक पहुंच गई। शोर शराबा और अफरा तफरी के बीच उस वक्त थाना परिसर में मौजूद सभी पुलिसकर्मी बिल्डिंग से बाहर निकल आए। आग के कारण पुलिस स्टेशन का रिकॉर्ड और आईओ की केस फाइलें जल गई। कॉन्फ्रेंस हॉल भी पूरी तरह जलकर खाक हो गया। लेकिन फायर कर्मियों के प्रयास से मालखाने में रखे हथियार, गोला-बारूद और रजिस्टर सुरक्षित बचा लिए गए। आग के समय थाने के बैरक में लगभग 15 से 20 पुलिसकर्मी सो रहे थे, जिन्हें फौरन उठाकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग इतनी तेजी से भड़की कि उसने डीसीपी ऑफिस को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग पर देर रात दो बजे काबू पाया गया, लेकिन कूलिंग का काम तड़के पांच बजे तक चलता रहा। पुलिस थाने में आग की खबर मिलते ही सीनियर अफसर भी मौके पर पहुंचे। आग के कारण इंस्पेक्टर एडमिन ऑफिस में रखी सारी फाइलें जलकर खाक हो गई। सूत्रों ने बताया कि दमकल विभाग को थाने में एक भी आग बुझाने वाला सिलेंडर नहीं मिला है।

प्रत्येक साधु, गुरु को सार्वजनिक भूमि पर समाधि बनाने की इजाजत दी गई तो विनाशकारी परिणाम होंगेः हाईकोर्ट

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि प्रत्येक साधु, बाबा और गुरु को सार्वजनिक भूमि पर मंदिर या समाधि स्थल बनाने और निजी लाभ के लिए इसका इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई तो इसके विनाशकारी परिणाम होंगे तथा व्यापक जनहित खतरे में पड़ जाएगा। हाईकोर्ट ने कहा कि भगवान शिव के भक्त नागा साधु को सांसारिक मामलों से पूरी तरह विरक्त जीवन जीने की दीक्षा दी जाती है और उनके नाम पर संपत्ति का अधिकार मांगना उनकी मान्यताओं एवं प्रथाओं के अनुरूप नहीं है।

न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा ने कहा कि हमारे देश में, हमें विभिन्न स्थानों पर हजारों साधु, बाबा, फकीर या गुरु मिल जाएंगे और यदि उनमें से प्रत्येक को सार्वजनिक भूमि पर मंदिर या समाधि स्थल बनाने की अनुमति दी गई और निहित स्वार्थी समूह इसका निजी लाभ के लिए उपयोग करना जारी रखें, तो इसके विनाशकारी परिणाम होंगे एवं व्यापक सार्वजनिक हित खतरे में पड़ जाएगा। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी महंत नागा बाबा शंकर गिरि द्वारा उनके उत्तराधिकारी के माध्यम से दायर याचिका खारिज करते हुए की, जिसमें जिला मजिस्ट्रेट को यहां त्रिवेणी घाट, निगमबोध घाट पर नागा बाबा भोला गिरि की समाधि की संपत्ति का सीमांकन करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि दिल्ली विशेष कानून अधिनियम के तहत निर्धारित समयसीमा (वर्ष 2006) से काफी पहले ही उसे संपत्ति पर कब्जा मिल गया था। याचिकाकर्ता की शिकायत थी कि फरवरी 2023 में दिल्ली सरकार के बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने उक्त संपत्ति के आसपास की विभिन्न झुग्गियों और अन्य भवनों को ध्वस्त कर दिया, जिसके कारण उसे समाधि ढहाये जाने का खतरा सता रहा है। अदालत ने याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि इसमें कोई दम नहीं है और याचिकाकर्ता के पास संपत्ति का उपयोग एवं कब्जा जारी रखने का कोई अधिकार, हक या हित नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि यह स्पष्ट है कि उसने जमीन पर अवैध कब्जा किया है और केवल इस तथ्य के आधार पर कि वह 30 साल या उससे अधिक समय से खेती कर रहा है, उसे संबंधित संपत्ति पर कब्जा जारी रखने के लिए कोई कानूनी अधिकार, मालिकाना अधिकार नहीं मिल जाता।

बाबा का 1996 में हो गया था निधन

अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता ने पूजनीय बाबा की समाधि के अलावा एक टिन शेड और अन्य सुविधाओं के साथ दो कमरे बनाए हैं। बाबा का 1996 में निधन हो गया था। हालांकि फिर, रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह पता चले कि उक्त स्थान किसी ऐतिहासिक महत्व का है या पूजा के लिए या श्रद्धेय दिवंगत बाबा की प्रार्थना के लिए जनता को समर्पित है।

ऑनलाइन शेयर मार्केट इंवेस्टमेंट फ्रॉड सिंडीकेट में शामिल चार जालसाज पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दक्षिणी पश्चिमी जिले की साइबर टीम ने ऑनलाइन शेयर बाजार निवेश धोखाधड़ी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। सिंडिकेट से जुड़े चार धोखेबाज गिरफ्तार किये गये हैं। आरोपी व्यक्ति विदेश से सिंडिकेट संचालित करने वाले जालसाजों के लिए बैंक खातों की व्यवस्था करते थे। ठग बैंकिंग प्रणाली और कानून प्रवर्तन एजेंसी को गुमराह करने के लिए ठगी गई राशि को क्रिप्टोकरेंसी में बदल रहे थे। इनसे 3 लाख 98 हजार रुपये नगदी, नौ स्मार्ट फोन, नौ डेबिट कार्ड और कथित खाते की दो चेक बुक बरामद हुई हैं।

इस रैकेट द्वारा शिकायतकर्ता से 29 लाख 55 हजार रुपये की ठगी निवेश के बहाने की गई थी। इस सिंडीकेट से विभिन्न राज्यों की 22 एनसीआरपी शिकायतें एमएचए पोर्टल पर लिंक पाई गई है। ठगों के पता चले खातों में दो महीने के भीतर ही लगभग 4.5 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन का पता चला है। डीसीपी रोहित मीणा के अनुसार हाल के दिनों में ऑनलाइन शेयर बाजार निवेश के बहाने साइबर अपराध का एक नया चलन सामने आया है। ऐसी ही एक ठगी सफदरजंग अस्पताल के सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर आशीष लाखोटे के साथ की गई थी। उन्हें शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 29 लाख से ज्यादा का चूना लगाया गया था। केस की जांच के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके नाम रोहित छिक्कारा, वरुण, मनीष मान और उदय मित्तल है। निरंतर पूछताछ के दौरान आरोपी वरुण और रोहित ने खुलासा किया कि वे सह-आरोपी मनीष मान के साथ कमीशन के आधार पर काम करते थे, जो धोखाधड़ी की गई राशि/भुगतान को अपने खातों में प्राप्त करते थे। मनीष मान का संबंध कजाकिस्तान में रहने वाले एक व्यक्ति से पाया गया है। आरोपी मनीष उदय मित्तल को रकम देता था और उसे यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) में बदल देता था।

महरौली : डॉक्टर की ड्रेस में महंगा सामान खरीद लगाता था चूना, धरा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

महरौली पुलिस ने एक शातिर धोखेबाज को अरेस्ट किया है। वह डॉक्टर की ड्रेस में दुकान या शोरूम में जाकर महंगे सामान खरीदता और ऑनलाइन पेमेंट का फर्जी स्क्रीन शॉट दिखाकर वहां से निकल जाता था। बाद में उस सामान को बेच कैश कर लेता। गिरफ्तार किये गये शख्स का नाम पर्यावरण कॉम्पलेक्स निवासी मिर्जा शेराज अली बेग (38) बताया गया है। एडिशनल डीसीपी अचिन गर्ग के अनुसार सतबड़ी गांव के रहने वाले शख्स ने एक शिकायत दर्ज करवाई थी। पीड़ित ने बताया एक शख्स डॉक्टर की ड्रेस में उनकी छतरपुर स्थित शॉप पर आया। उसने 1 लाख 35 हजार का मोबाइल खरीदा और एनईएफटी भुगतान का स्क्रीनशॉट दिखा वहां से चला गया। बाद में उसे पता चला कि पेमेंट तो उसके अकाउंट में आई ही नहीं। महरौली थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। सीसीटीवी कैमरे चैक किए। पुलिस को पता चला कि क्षेत्र में ऐसा की एक और मामला सामने आया है, जहां आरोपी ने 1 लाख 20 हजार का मोबाइल खरीदा और पेमेंट चैक से की। बाद में वह चैक बाउंस हो गया। दोनों ही घटनाओं में एक ही आरोपी के हाथ का अंदेशा हुआ। पुलिस कड़ी दर कड़ी जोड़ती हुई आरोपी तक पहुंच गई। पूछताछ में उसने दोनों ही मामले में शामिल होने की बात कबूल ली। उसने बताया कि दोनों मोबाइल ओखला में पुराने फोन बेचने व खरीदने वाली कंपनी को 1 लाख 60 हजार में बेच चुका है। पुलिस ने कंपनी से संपर्क कर वहां से एक मोबाइल फोन बरामद कर लिया। दूसरा मोबाइल कंपनी किसी दूसरे व्यक्ति को बेच चुकी थी।

वेलकमः बहन के प्रेम विवाह से नाराज शख्स ने किया था डबल मर्डर

देवर और सास की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

वेलकम इलाके में बहन के देवर और सास की हत्या व ननद को गंभीर रूप से घायल करने के आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपी बहन के प्रेम विवाह से नाराज था। कोर्ट इसे आजीवन कारावास की सजा भी सुना चुका था। लेकिन बाद में पैरोल लेकर फरार हो गया था। आरोपी दिलशाद (43) तीन साल से फरार था।

डीसीपी अमित गोयल के अनुसार मामला 2006 में सामने आया था। दिलशाद की बहन ने अपने घर के सामने रहने वाले एक युवक से प्रेम विवाह कर लिया था। यह बात उसके भाई को बर्दाश्त नहीं हुई। इसका बदला लेने के लिए उसी साल 27 मार्च को दिलशाद ने अपने परिवार के सदस्यों व दोस्तों के साथ मिलकर लड़के के घर पर हमला कर दिया। बहन के देवर और सास की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जबकि ननद को भी गंभीर रुप से घायल कर दिया था। केस में इसे अरेस्ट कर लिया गया था। कोर्ट ने भी दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुना दी थी, लेकिन 10 मार्च 2021 को वह पैरोल पर बाहर आया। उसे अगले महीने छह अप्रैल को सरेंडर करना था लेकिन ऐसा नहीं किया गया। पुलिस से बचने के लिए अब वह मोबाइल का इस्तेमाल भी नहीं कर रहा था। पहचान छुपाने के लिए वह आजकल सीलमपुर से भजनपुरा के बीच रात में ऑटो चलाता था। आरोपी दिलशाद यमुना विहार इलाके का रहने वाला है। वह मूल निवासी मुजफ्फरनगर का है। आठवीं कक्षा तक पढ़ा दिलशाद रिक्शों को किराए पर देता था और खुद रात को ऑटो चलाता था।

सुभाष प्लेसः बिहारी कहने पर दो पक्षों में बवाल, दर्जनभर घायल

हरिभूमि न्यूज . नई दिल्ली। सुभाष प्लेस इलाके में दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में एक दर्जन लोग घायल हो गए। झगड़ा तब शुरू हुआ जब एक पक्ष पर बिहारी और पोपट जैसे कमेंट किये गये। पुलिस ने इस घटना को लेकर दोनों पक्षों के खिलाफ क्रॉस मुकदमा दर्ज किया है। मामले को लेकर पुलिस की जांच अभी जारी है।

पुलिस के अनुसार शकूरपुर इलाके में राम शरण (60) परिवार के साथ रहते हैं। वह मधुबनी बिहार से हैं। इनका बेटा राहुल गली में बैठा हुआ था, जिसे प्यारे नाम के पड़ोसी ने बिहारी और पोपट बोल दिया। इस बात का राहुल ने विरोध जाहिर किया तो प्यारे ने उसे पीट दिया। झगड़े का पता चलने पर रामशरण और उनकी पत्नी निर्मला राहुल को बचाने आए। तभी वहां फैसल मोहसीन, गुलाब व अन्य डंडे और पाइप लेकर आ गए। इस दौरान राहुल का भाई साहिल भी वहां पहुंच गया। दोनों पक्षों में झगड़ा शुरू हो गया। रामशरण ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी, नातिन, बेटों और उन्हें डंडों और पाइप से पीटा गया। झगड़े की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने दोनों पक्ष की ओर से मिली शिकायतों पर क्रॉस मुकदमें दर्ज किए है।

परिवहन विभाग मानेगा वाहन निर्माता कंपनी का सिलेंडर टेस्टिंग प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन ने कहा कि चालकों की परेशानी व हमारी मांग को देखते हुए फैसला लिया है कि मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों द्वारा जारी सीएनजी टेस्टिंग सिलिंडर का 3 साल वाला प्रमाण पत्र मान्य करेगा। इस बारे में संगठन के अध्यक्ष किशन वर्मा ने बताया कि अब चालक फिटनेस के समय मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों द्वारा जारी सीएनजी टेस्टिंग सिलेंडर का 3 साल वैध वाला प्रमाण पत्र दिखाकर फिटनेस सेंटर से फीस कटवा सकते है। इसके लिए ऑटो टैक्सी यूनिट से लिंक लेना होगा। उन्होंने बताया कि इससे चालकों को बड़ी राहत मिलेगी।

साइबर ठगों ने व्यवसायी से नौ करोड़ रुपये ठगे

नोएडा। शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक व्यवसायी से 9.9 करोड़ रुपये ठग लिये। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अनुसार, एक महीने पहले पीड़ित को व्हॉट्सऐप समूह में जोड़ा गया था और फिर ऐप डाउनलोड करा शेयर बाजार कारोबार में फर्जी मुनाफे का लालच देकर ठगी को अंजाम दिया गया। उसने बताया कि शुक्रवार को सेक्टर-36 स्थित साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और कारोबारी के खाते में 1.62 करोड़ रुपये के लेनदेन को रोक दिया गया है। उसने बताया कि जांच जारी है। सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर अपराध पुलिस थाना) विवेक रंजन राय ने कहा कि सेक्टर-40 ब्लॉक-बी के रजत बोथरा ने पुलिस को बताया कि 28 अप्रैल को उन्हें व्हॉट्सऐप समूह पर जोड़ा गया। समूह में शेयर बाजार कारोबार के मुनाफे के बारे में बताया जाता था। उन्होंने 27 मई तक शेयर बाजार कारोबार में 9.09 करोड़ रुपये का निवेश किया। हालांकि, इसके बाद उनका (ट्रेडिंग) खाता बंद हो गया। राय ने कहा कि जब हमें शिकायत मिली तो हमने तुरंत जांच शुरू कर दी और हम उनके बैंक खाते से 1.62 करोड़ रुपये का लेन-देन रोकने में कामयाब रहे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **उदय कुमार** निवासी मकान नं. 2, राम कॉलोनी, अशोक नगर, चेन्नई–600033 ने सी.सी. सं. 15642/2021 धारा 138 एन. आई एक्ट, थाना जनकपुरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **उदय कुमार** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **उदय कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि सी.सी. सं. 15642/2021 धारा 138 एन. आई एक्ट, थाना जनकपुरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **उदय कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **05.08.2024** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री संजना कसाना
महानगर दण्डाधिकारी (एन.आई. एक्ट)
डिजिटल कोर्ट–09, दक्षिण–पश्चिम, प्रथम तल,
सी–डी विंग, द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/6543/WD/2024

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **साहिल, पुत्रः** श्री अलीम खान, **पताः** मकान नं. एफ–90, गली नं.–3, चाँद बाग, दयालपुर, दिल्ली ने **FIR No. 346/18, U/s 354 IPC, थानाः पहाड़गंज, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साहिल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साहिल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 346/18, U/s 354 IPC, थानाः पहाड़गंज, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **साहिल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.07.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री गीता
महानगर दण्डाधिकारी
कमरा नंबर 288, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6500/CD/2024
(Court Matter)

समयपुर बादली का मामला

पिकअप ड्राइवर से बंदूक की नोक पर सात लाख की लूट

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

समयपुर बादली थाना इलाके के संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में सात लाख की लूट का मामला सामने आया है। दरअसल पिकअप ड्राइवर एक कंपनी में पैसा लेकर पहुंचा था। इसी बीच गन प्वाइंट पर उससे लूट की गई। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शनिवार शाम करीब चार बजे समयपुर बादली थाने को पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। पुलिस मौके पर पहुंची जहां शिकायतकर्ता, समीर ने बताया कि वह एक पिकअप वाहन में ड्राइवर है। संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर जहांगीरपुरी बाईपास पर 'मां बालू सुंदरी ट्रेडिंग कंपनी' नाम की एक दुकान पर 7 लाख रुपये नकद देने आया था। जब वह मौके पर पहुंचा और अपने पिकअप वाहन से उतरा तो तीन लड़के अपनी बाइक से उतरे और उसके ऊपर एक बंदूक जैसी वस्तु रखी और उसे रुपयों वाला पैकेट लूट लिया। पुलिस ने आईपीसी की धारा 392/397/34 के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोर्ट ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत अर्जी पर पांच जून के लिए आदेश सुरक्षित रखा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े एक धनशोधन मामले में अंतरिम जमानत का अनुरोध करते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर किये गये आवेदन पर आज अपना आदेश पांच जून के लिए सुरक्षित रख लिया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह कहते हुए अपना आदेश सुरक्षित रख लिया कि यह आवेदन चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत के लिए (दिया गया) था न कि उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गयी अंतरिम जमानत की अवधि के विस्तार के लिए। मुख्यमंत्री को उच्चतम न्यायालय ने एक जून तक के लिए

अंतरिम जमानत दी थी। उन्हें रविवार को आत्मसमर्पण करना है। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केजरीवाल के अंतरिम जमानत आवेदन का शनिवार को विरोध किया। ईडी ने अदालत में दावा किया कि केजरीवाल ने तथ्यों को छिपाया एवं अपने स्वास्थ्य सहित कई मामलों पर गलत बयान दिये। उसकी ओर पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में कहा कि केजरीवाल ने शुक्रवार को भ्रामक दावा किया कि वह दो जून को आत्मसमर्पण करेंगे। केजरीवाल ने स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत की अवधि एक सप्ताह बढ़ाने का अनुरोध किया है। उनके वकील ने अदालत में कहा कि अरविंद केजरीवाल बीमार हैं और उन्हें उपचार की जरूरत है। इसपर ईडी ने कहा कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अपनी अंतरिम जमानत की पूरी अवधि में प्रचार किया और अब वह अचानक दावा कर रहे हैं कि वह बीमार हैं। उसने अदालत से कहा कि यदि किसी चिकित्सकीय परीक्षण की जरूरत होगी तो वह जेल के अंदर कराया जाएगा तथा आवश्यकता होने पर केजरीवाल को एम्स या अन्य अस्पताल में ले जाया जाएगा।

प्रचार के बाद सीएम को आज जेल वापस जाने के आदेश का करना चाहिए पालन : सचदेवा

नई दिल्ली। अगर मुख्यमंत्री केजरीवाल को कानून या जनभावनाओं का कोई सम्मान है तो उन्हे सुप्रीम कोर्ट के 11 मई के जमानत आदेश में निर्दिष्ट प्रचार के बाद 2 जून 2024 को जेल वापस जाने के आदेश का पालन करना चाहिए। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को उक्त बयान जारी कर यह बातें कही है। उन्होंने कहा है कि यह दुखद है कि अरविंद केजरीवाल जिन्होंने पिछले 20 दिनों में जमानत मिलने के बाद स्वास्थ्य की सर्वोत्तम स्थिति में प्रचार किया है, वह अब गंभीर रूप से बीमार होने की बात कह कर चिकित्सा जमानत मांग रहे हैं और यह चौंकाने वाली बात है कि अरविंद केजरीवाल जो रोजाना व्यापक रूप से प्रचार करते रहे वह अब न्यायालय और सामान्य जनता के सामने बीमार होने का दावा कर रहे हैं।

एक दिन में हो जाएंगी सीएम की सभी जांच, एक हफ्ते की छूट की नहीं है जरूरत : गोयल

पूर्व केन्द्रीय मंत्री व पूर्व दिल्ली भाजपा अध्यक्ष विजय गोयल ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि शनिवार वे अपने बंगाली मार्किट स्थित घर से मेडिकल वैन लेकर उनके सिविल लाइंस निवास के लिए निकले, किंतु रास्ते में पुलिस ने उनको रोक लिया। गोयल ने कहा कि उन्होंने डॉक्टरों से बात कर ली थी और ये सारी मेडिकल जांच एक ही दिन में आसानी से हो जाती हैं, उसके लिए एक हफ्ते की छूट की आवश्यकता नहीं है। 2 जून को केजरीवाल को वापिस जेल जाना है, इसलिए वो मेडिकल जांच का बहाना बना रहे हैं।

ईडी ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका का किया विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े एक धनशोधन मामले में अंतरिम जमानत का अनुरोध करते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर किये गये आवेदन का शनिवार को विरोध किया। ईडी ने विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के सामने दावा किया कि केजरीवाल ने तथ्यों को छिपाया एवं अपने स्वास्थ्य सहित कई मामलों पर गलत बयान दिये। ईडी की ओर पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में कहा कि केजरीवाल ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में भ्रामक दावा किया कि वह दो जून को आत्मसमर्पण करेंगे। अदालत आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। केजरीवाल ने स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत की अवधि एक सप्ताह बढ़ाने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री को पहले उच्चतम न्यायालय ने अंतरिम जमानत दी थी जो आज खत्म हो रही है लेकिन 'आप' संयोजक के वकील ने अदालत में कहा कि अरविंद केजरीवाल बीमार हैं और उन्हें उपचार की जरूरत है।

खबर संक्षेप

दिल्ली नगर निगम के 225 कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 225 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। दिल्ली नगर निगम के सिविक सेंटर मुख्यालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों को प्रशस्ति पत्र, पीपीओ शीट, लीव एनकैशमेंट के चेक दिए गए। निगम प्रशासन ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सभी जोन में भी सेवानिवृत कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत कर्मियों को दीर्घायु व स्वस्थ रहने की कामना की गई। सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाओं के साथ-साथ सुखमय जीवन की कामना करते हुए पौधे भी भेंट किये। शुक्रवार को इस अवसर पर निगम के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहें।

आईपी यूनिवर्सिटी ने दो प्रोग्राम में दाखिले के लिए की काउन्सलिंग की घोषणा

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी ने बीटेक (बायोटेक) और एमटेक (बायोटेक) प्रोग्राम ने दाखिले के लिए आयोजित होने वाली काउन्सलिंग की घोषणा कर दी है। इन दोनों प्रोग्राम के लिए काउन्सलिंग ऑफलाइन मोड में द्वारका कैम्पस में आयोजित की जाएगी। एम टेक (बायोटेक) की काउन्सलिंग 10 जून को और बीटेक (बायोटेक) की काउन्सलिंग 12 जून को आयोजित की जाएगी। उसी दिन दस्तावेज सत्यापन के बाद सीटों का आवंटन भी कर दिया जाएगा। बीटेक (बायोटेक) की काउन्सलिंग में इस प्रोग्राम के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा के सफल उम्मीदवार और एम टेक (बायोटेक) की काउन्सलिंग में गेट उत्तीर्ण और यूनिवर्सिटी द्वारा इस प्रोग्राम के किए आयोजित प्रवेश परीक्षा के वैसे उत्तीर्ण उम्मीदवार भाग ले सकते हैं जिन्होंने यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन पंजीकरण किया है। बीटेक (बायोटेक) में 60 सीटें और एम टेक (बायोटेक) में 30 सीटें उपलब्ध हैं। ये दोनों प्रोग्राम यूनिवर्सिटी के द्वारका कैम्पस स्थित यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में उपलब्ध हैं।

राजधानी में न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज

तेज आंधी और हल्की बूंदाबांदी से बदला मौसम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मई महीने की झुलसती लू और भीषण गर्मी के बाद जून माह के पहले दिन शनिवार को दिल्लीवालों को मामूली राहत की सौगात मिली। सुबह के समय जहां आसमान पर सूरज के तेवर बिगड़े हुए थे वहीं दोपहर बाद मौसम ने करवट लेनी शुरू की। जिसके बाद दिल्ली में धूल भरी तेज हवाएं चलने लगी और कई क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई। जिसका फायदा दिल्ली वालों को हल्की राहत के रूप में मिला। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार राजधानी में तापमान में मामूली कमी के बाद अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस मौसम के सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। आईएमडी के अनुसार न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस मौसम

के सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में सबसे ज्यादा तापमान नरेला में 46.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नरेला के अलावा शेष दिल्ली में 46 डिग्री से नीचे ही तापमान दर्ज हुआ है। बात अगर न्यूनतम तापमान की करें तो ओवरऑल दिल्ली में 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। क्षेत्रीय तापमान की बात करें तो नजफगढ़ में न्यूनतम में सबसे ज्यादा 33.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। आईएमडी ने अनुमान जताया है कि रविवार को तापमान में एक डिग्री तक की गिरावट दर्ज होने की संभावना है, जिसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। जबकि 3 जून से 7 के बीच अधिकतम तापमान 43-44 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। इस बीच झूलसती लू और भीषण गर्मी से मामूली राहत मिल सकती है।

सेंसर में गड़बड़ी के कारण मुंगेशपुर में 52.9 डिग्री सेल्सियस तापमान किया गया दर्ज : आईएमडी

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को कहा कि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के मुंगेशपुर स्थित स्वचालित मौसम विज्ञान केंद्र (एडब्ल्यूएस) द्वारा 52.9 डिग्री सेल्सियस तापमान सेंसर में गड़बड़ी के कारण दर्ज किया गया था। आईएमडी ने कहा कि मौसम संबंधी अनुमान लगाने के लिए तैनात ऐसे उपकरणों की जांच की जाएगी। मौसम विभाग ने मुंगेशपुर में स्थापित एक एडब्ल्यूएस द्वारा 29 मई को अधिकतम तापमान 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए जाने के बाद विशेषज्ञों की एक टीम वहां भेजी थी, ताकि उपकरण में किसी गड़बड़ी की जांच की जा सके। आईएमडी ने कहा कि एडब्ल्यूएस-मुंगेशपुर के तापमान सेंसर ने मानक उपकरण द्वारा बताए गए अधिकतम तापमान से लगभग तीन डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया था। ऐसा सेंसर में गड़बड़ी के कारण हुआ। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि हम एडब्ल्यूएस की जांच करेंगे, यदि कोई सुधार करने की जरूरत होगी तो उसे किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुंगेशपुर एडब्ल्यूएस के दोषपूर्ण सेंसर को कुछ दिनों में बदल दिया जाएगा।

दिल्ली ने 40 डिग्री का सबसे लंबा टॉर्चर झेला, पड़ी 5 दिन झुलसती लू की मार

नई दिल्ली। गर्मियों के इस दौर में मई महीने में दिल्ली वालों ने 40 डिग्री तापमान का लंबा टॉर्चर झेला है। वहीं राजधानी वालों को पूरे महीने में लगातार 5 दिन झुलसती लू की मार भी पड़ी है। लेकिन अब जल्द ही राजधानी में बारिश की संभावना बन रही है। इस बारे में निजी मौसम विज्ञान अनुमान कंपनी स्काईमेट वेदर का कहना है कि दिल्ली में 26 से 30 मई 2024 के बीच लगातार 5 दिनों तक गर्मी की झुलसती लहर दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। कंपनी ने कहा कि साथ ही, इस सीजन का उच्चतम तापमान और पिछले 79 सालों का सबसे अधिक तापमान 46. 8 डिग्री भी 27 मई 2024 को दर्ज किया गया था। स्काईमेट के अनुसार दिल्ली शहर ने पिछले एक दशक या उससे भी ज्यादा समय में 40 डिग्री और इससे अधिक तापमान बने रहने का का सबसे लंबा दौर दर्ज किया है। इसमें सफदरजंग बेस वेधशाला ने 13 से 30 मई 2024 के बीच 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान दर्ज किया था। वहीं 31 मई की सुबह 10.30 बजे से पहले ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका था। इस तरह दिल्ली में मई 2024 के पूरे महीने में 40 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक तापमान का सबसे लंबा दौर देखने को मिला। जानकारी अनुसार जून महीने के पहल पखवाड़े में मौसम मिला जुला रह सकता है। जबकि दूसरे पखवाड़े में राहत देखने को मिल सकती है।

बाधित जलापूर्ति होने के बावजूद डीजेबी का दावा, जल शोधन हो रहा है अधिक

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की मारामारी मची हुई है। लोगों को कई कई दिनों तक पीने का पानी नहीं मिल रहा है। जबकि कई क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को शिकायत है कि पीने का पानी अगर आता है तो वह गंदा व बदबूदार होता है। वहीं उपभोक्ताओं की शिकायतों व वास्तु स्थिति को जानते हुए भी दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) अपने संयंत्रों की तय क्षमता से ज्यादा पानी का शोधन कर रहे है। अगर डीजेबी का यह दावा सही है तो बावजूद इसके दिल्ली में पानी की कमी क्यों हो रही है। इस बारे में डीजेबी के एक आला अधिकारी ने कहा कि जल शोधन भी ज्यादा हो रहा है, और लीकेज अथवा अन्य शिकायतों को भी गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द निपटाया जा रहा है। अधिकारी की मानें तो जलापूर्ति भी सुचारू है, इसलिए परेशानी नहीं है। अधिकारी ने कहा कि गर्मी बहुत ज्यादा हो रही है, ऐसे में पानी की डिमांड बहुत बढ़ गई है। वहीं दिल्ली में पीने के पानी से ही लोग अपने वाहनों की धुलाई, पार्कों व पेड़ पौधों में सिंचाई, घरों के बाहर पानी का छिड़काव आदि डीजेबी के पानी से ही करते है। जिसके चलते भारी मात्रा में पीने का पानी व्यर्थ बर्बाद हो जाता है। ऐसे में पेयजल की कमी नहीं कही जा सकती। अधिकारी ने यह जरूर माना कि कहीं कहीं लीकेज की जानकारी देरी से मिलने की वजह से पानी बर्बाद होता है। अधिकारी ने दावा किया कि 1 जून 2024 यानी शनिवार को भी सभी संयंत्रों ने अपनी तय क्षमता 956 एमजीडी की तुलना में 995 एमजीडी पानी का शोधन हुआ। यानी सभी संयंत्रों से डीजेबी ने लगभग 39 एमजीडी पानी का अधिक शोधन किया। अधिकारी ने बताया कि इस शोधन में यमुना नदी से करीब 101 एमजीडी पानी का प्रयोग शोधन के लिए प्राप्त किया। जबकि शेष अन्य सत्रोतो से पानी प्राप्त किया।

अधिक पानी के लिए हरियाणा को निर्देश देने के अनुरोध संबंधी याचिका पर कल होगी सुनवाई

एजेंसी, नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय दिल्ली सरकार की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें हरियाणा को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह हिमाचल प्रदेश द्वारा उपलब्ध कराए गए अतिरिक्त पानी को राष्ट्रीय राजधानी के लिए जारी करे, ताकि यहां का जल संकट दूर किया जा सके। उच्चतम न्यायालय की वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति पी. के. मिश्रा और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ द्वारा मामले की सुनवाई किये जाने की संभावना है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी की याचिका में केंद्र, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित हरियाणा और कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश को पक्षकार बनाते हुए कहा गया है कि पानी की उपलब्धता जीवन के लिए बहुत आवश्यक है और यह बुनियादी मानवाधिकारों में से एक है। याचिका में कहा गया है कि पानी की उपलब्धता किसी भी व्यक्ति के बुनियादी मानवाधिकारों में से एक है। पानी न केवल जीने के लिए आवश्यक है, बल्कि पानी तक पहुंच संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा एवं गुणवत्तापूर्ण जीवन की गारंटी का एक अनिवार्य घटक भी है। इसमें कहा गया है, वर्तमान जल संकट भीषण गर्मी होने तथा पानी की निरंतर कमी के कारण और भी बदतर हो सकता है तथा यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लोगों के सम्मानजनक एवं गुणवत्तापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन है, जो पर्याप्त स्वच्छ पेयजल प्राप्त करने में असमर्थ हैं। याचिका में हरियाणा सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह वजीराबाद बैराज से तत्काल और निरंतर पानी छोड़े, जिसमें प्रतिवादी संख्या-2 (हिमाचल प्रदेश) द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए उपलब्ध कराए गए पूर्ण अधिशेष पानी को शामिल किया जाए ताकि राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट से निपटा जा सके। दिल्ली सरकार ने कहा कि उत्तर भारत, विशेषकर दिल्ली में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण नागरिकों के समक्ष पानी की भारी किल्लत की वजह से वह याचिका दायर करने के लिए बाध्य है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली में रिकॉर्ड उच्च तापमान और लू के कारण कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिसके परिणामस्वरूप शहर में पानी की मांग में असाधारण और अत्यधिक वृद्धि हुई है। दिल्ली जल संकट से जूझ रही है, जिसके कारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कई हिस्सों में बार-बार जलापूर्ति में कटौती हो रही है और आम लोगों का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय राजधानी में सभी जल शोधन संयंत्रों से भेजे जा रहे पानी को साफ करके आपूर्ति की जा रही है और मौजूदा संकट से निपटने के लिए पानी की आपूर्ति बढ़ाना जरूरी है।

हरियाणा एवं उत्तराखंड से तय कोटे से अधिक मिल रहा है दिल्ली को पानी : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली जलबोर्ड द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों से साफ है कि दिल्ली को हरियाणा एवं उत्तराखंड दोनों राज्यों से अपने आवंटित कोटे से अधिक पानी मिल रहा है। इसके अलावा दिल्ली जलबोर्ड अपनी क्षमता से 38.96 एम.जी.डी. पानी अधिक शुद्ध कर सप्लाई लाइन में डाल रहा है। दिल्ली जल बोर्ड की शुद्धिकरण क्षमता 956 एम.जी.डी. है पर वह 994.96 एम.जी.डी. पानी रोज शुद्ध कर रहा है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए उक्त बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि समझौते अनुसार दिल्ली को हरियाणा से तीन प्रमुख स्रोतों से 547 एम.जी.डी. पानी प्रतिदिन देना बनता है जबकि हरियाणा आज भी 617 एम.जी.डी. पानी दे रहा है। इस तरह उत्तराखंड भी 254 एम.जी.डी. की जगह 257 एम.जी.डी. दे रहा है यानि 3 एम.जी.डी. अतिरिक्त हर दिन। सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली में जल संकट का मूल कारण है सरकार की अव्यवस्था है।

आतिशी तुरंत हरियाणा सरकार से मांगे माफी : बिधूड़ी

दिल्ली में कम पानी की सप्लाई का झूठा आरोप लगाने के लिए दिल्ली की जल मंत्री आतिशी तुरंत हरियाणा सरकार से माफी मांगें। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को यह बयान जारी किया। उन्होंने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी जल मंत्री आतिशी दिल्ली में जल संकट पैदा करके राजनीति कर रहे हैं। वे जनता के सामने खुलेआम झूठ परोसने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन जनता ने उनका झूठ पकड़ लिया है। हरियाणा पर कम सप्लाई करने का झूठा आरोप लगाकर वे अपने ही जाल में फंस गए हैं।

एनडीएमसी ने शिकायत निवारण सुविधा शिविर में 69 शिकायतें की प्राप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए जयसिंह मार्ग स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया। एनडीएमसी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि एनडीएमसी के संबंधित अधिकारियों ने शिविर में जनता से 69 शिकायतें प्राप्त की। निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित हैं। इसके अलावा सैकड़ों स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं ने नागरिक सेवाओं के

बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया। एनडीएमसी द्वारा शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारियों ने जनता से उनकी जन शिकायतों पर आमने-सामने चर्चा की और उनका समाधान किया गया।

इंडिया गठबंधन को दिल्ली एवं देशवासियों ने दिया है नकार : सचदेवा

नई दिल्ली। भ्रष्टाचारियों के इंडिया गठबंधन को दिल्ली एवं देशवासियों ने नकार दिया है। दिल्ली वालों ने खासकर केजरीवाल के भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपना फैसला दिया है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को यह बयान जारी कर कहा है कि 2024 का चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की दस वर्षीय उपलब्धियों का चुनाव था और पूरे देश ने एक मत से फिर से मोदी सरकार को चुना है। वहीं, उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। सचदेवा ने कहा कि भाजपा के लिए जो अच्छा नतीजा शनिवार को एक्जिट पोल दिखा रहे हैं, भाजपा एवं देश के लिए उससे कहीं अच्छा नतीजा 4 जून को एक्जेट नतीजे दिखायेंगे। पंजाब में आप व कांग्रेस एक दूसरे के खिलाफ चुनाव प्रचार कर रहे थे और दिल्ली में दोस्त बने हुए थे, यह दिल्ली की जनता भली भांति जानती थी। यहीं वजह है कि उन्हें जनता ने पूरे तरीके से नकार दिया है। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि 4 जून की असल गिनती दिल्ली में भाजपा को 7-0 की विजय देगी।

दिल्ली विकास प्राधिकरण का दावाः यमुना खादर वासुदेव घाट क्षेत्र से हटाए अखाड़े व मंदिर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दावा किया है कि वासुदेव घाट क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया है। डीडीए के अनुसार यमुना बाढ़ क्षेत्र में 28 मई 2024 से 31 मई 2024 के बीच चलाए ध्वस्तीकरण अभियान में अवैध अखाड़े और मंदिर हटाए गए है। डीडीए ने जानकारी देते हुए कहा कि यमुना बाढ़ क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त करने और वासुदेव घाट क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई की गई। क्योंकि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने रिट याचिका को खारिज करते हुए माना है कि जहां से अवैध कब्जा हटाया गया है वह संबंधित भूमि डीडीए की है। जिसमें निगम बोध घाट (वासुदेव घाट परियोजना का एक हिस्सा) के पास के क्षेत्र में महंत श्री नागा बाबा भोला गिरि बनाम जिला मजिस्ट्रेट जिला मध्य नामक मामले में प्राप्त माननीय न्यायालय के दिनांक 31 मई 2024 के फैसले के अनुपालन में तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। इस अभियान में 2 पक्के ढांचे, 2 अर्ध पक्के ढांचे और एक धार्मिक संरचना (मंदिर) को भी हटाया गया है। डीडीए ने कहा कि

28 मई 2024 को डीडीए ने यमुना बाढ़ के मैदान क्षेत्र में आईएसबीटी पुल के पास तोड़फोड़ अभियान चलाया था। जो वासुदेव घाट परियोजना का भी हिस्सा था। उन्होंने बताया कि पारस राम दंगल सोसाइटी बनाम संपदा अधिकारी-चार डीडीए और एएनआर नामक मामले में माननीय न्यायालय के निर्देशानुसार कार्रवाई हुई है। यहां डीडीए ने अभियान के दौरान 2 अर्ध पक्के ढांचे, 1 धार्मिक ढांचा और 1 कुश्ती मैदान (अखाड़ा) को हटाया गया जो अवैध निर्माण के रूप में था। डीडीए ने दावा किया है कि तोड़ फोड़ की यह कार्रवाई कोर्ट के स्वीकृत दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए की गई। साइट से अनाधिकृत निर्माणों का मलबा, मलबा और सी एंड डी अपशिष्ट हटा दिया गया है।

शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों के लिए नहीं किया जा सकता बाधित

निगम छात्रों के बैंक खाते खोलने के लिए शिक्षकों को किया जा रहा परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारी गर्मी के बीच दिल्ली नगर निगम छात्रों के बैंक खाते खोलने के लिए जोनल डीसी और शिक्षा विभाग के अधिकारी शिक्षकों को परेशान कर रहे हैं। शिक्षक न्याय मंच नगर निगम ने इसका विरोध करते हुए शनिवार को कहा है कि यह अनुचित है। शिक्षका मंच का कहना है कि दिल्ली नगर निगम स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां 10 मई से पड़ गई थी, उससे पहले शिक्षकों को चुनाव ट्रेनिंग में भी जाना पड़ रहा था और साथ साथ छात्रों के बैंक खाते खुलवाने के लिए बैंकों के चक्कर काटने पड़ रहे थे। छुट्टियों के शुरू होते ही अधिकतर छात्र अपने अपने गांव चले गए और जो दिल्ली में हैं उन सभी के बैंक खाते खुलवाए जा चुके हैं जिनके आधार कार्ड नहीं थे वे भी शिक्षकों द्वारा बनवाए गए जिसके बाद बैंक खाते खुले।

अब जब जो बच्चे वर्तमान में दिल्ली में नहीं है उनके खाते खुलवाने के लिए जोनल उपायुक्त और शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा शिक्षकों को डराया धमकाया जा रहा है और अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर अपमानित किया जा रहा है। पहले से हाई कोर्ट के आदेश और नगर निगम की ऑडिट रिपोर्ट में स्पष्ट आदेशित है कि शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों के लिए बाधित नहीं किया जा सकता।

'जो बच्चे दिल्ली में हैं ही नहीं तो उनके खाते कैसे खुलवाए'

शिक्षक न्याय मंच नगर निगम का कहना है कि अभी शिक्षक चुनाव की 36 घंटे लगातार चली ड्यूटी और ट्रेनिंग से फ्री हुए हैं अभी काउंटिंग डे के लिए ड्यूटी लगाई जा रहीं है। ऐसे में जो बच्चे दिल्ली में हैं ही नहीं उनके खाते कैसे खुलवाए जा सकते हैं। यह दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश की अवमानना है। इस सब में लिप्त सभी डीसी और जोनल अधिकारियों के लिखित आदेश और उनके स्क्रीन शॉट लेकर कोर्ट में अवमानना का केस दाखिल किया जा रहा है।

ईडब्ल्यूएस छात्रों के दाखिलों की उपराज्यपाल से मांग

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ ने दिल्ली सरकार के पब्लिक स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों के दाखिले की प्रकिया की जांच की मांग दिल्ली के उपराज्यपाल से की है। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि इसके तहत हो रहे दाखिले में बड़ी खामियां है। जिसमें स्कूलों के निकट रहने वालें बच्चों का नंबर नहीं आता। जबकि उनका दूसरे स्कूलों में नंबर आता है, जो 4 से 5 किलोमीटर दूर होता है। वहीं, दिल्ली देहात व गांवों के बच्चों को उनकी जमीन पर बनें स्कूलों में प्राथमिकता नहीं मिलती। गांवों में जो गरीब व कृषि भूमि विहीन थे। उनके बच्चों को भी स्कूलों में दर दर भटकना पड़ता है। पंचायत संघ सह प्रमुख सुनील शर्मा ने कहा कि गांवों की छोटी बेटियों को भी इस प्रक्रिया के तहत नजदीक स्कूलों में दाखिला नहीं हो पाता।

खबर संक्षेप

वाहन चोरी का आरोपी काबू, ऑटो बरामद

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-85 प्रभारी की टीम ने वाहन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ईरशाद गांव मवई पीर कॉलोनी खेड़ीपुल का रहने वाला है।

आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से टी-2 कॉलोनी मवई गांव के पास से गिरफ्तार किया है। ऑटो को आरोपी की झुग्गी के पास से बरामद किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने ऑटो को उमंग गार्डन नहर पार से बेचने के लिए चोरी किया था। आरोपी कबाडी का काम करता है।

बुजुर्ग महिला ने 13वीं मंजिल से कूदकर दी जान

गाजियाबाद। इंदिरापुरम की पार्श्वनाथ मैजेस्टिक सोसाइटी में एक बुजुर्ग महिला ने 13वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। अनीता अग्रवाल 67वर्षीय यह महिला पंजाब से अपनी बेटी के पास आई थी। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र देव ने बताया कि अनिता अग्रवाल ने 13 मंजिल के टावर की छत से कूद कर अपनी अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उसकी बेटी निधि ने बताया कि वह रीढ़ की हड्डी में दर्द की वजह से तनाव में थीं। पुलिस ने उनके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कंपनी कर्मी से मारपीट जान से मारने की धमकी

गुरुग्राम । सोहना सदर थाना एरिया में रोडरेज में कंपनी कर्मी से मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित को उपचार के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। पुलिस में दी शिकायत में गांव सरमथला के विकास ने कहा कि वह एक कंपनी में काम करता है। बीती सांय साइकिल से ड्यूटी के निकला था। गांव लोहसिंघानी में चेन उतरने पर वह साइकिल की चेन को चढ़ाने लगा। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार युवक ने उसका रास्ता रोक लिया। युवक ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

साइबर अपराध के चार मुकदमों में 5 गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए साइबर अपराध के चार मुकदमों में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2,30,000/- रुपए बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों में कौशल, तरुण, हर्ष उर्फ अच्चु, विष्णु तथा कुलदीप कुमार का नाम शामिल है। कुलदीप वासी लक्ष्मीनगर मोहल्ला जिला मेरठ, आरोपी विष्णु गुजरात, आरोपी कौशल वासी गांव उत्तम नगर वेस्ट दिल्ली, आरोपी तरुण पश्चिमपुरी दिल्ली का तथा आरोपी हर्ष उर्फ अच्चु पश्चिम विहार वेस्ट दिल्ली का रहने वाला है।

प्रथम यूपी स्टेट चार दिवसीय जूनियर मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट 4 जून से

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

यूपी स्टेट चार दिवसीय जूनियर मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट होगी, जो गाजियाबाद बैडमिन्टन एसोसिएशन के तत्वाधान में महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगी। इस प्रतियोगिता में ईस्ट-जोन चैम्पियनशिप में प्रतिभाग करने वाली उप्रकी टीम का चयन किया जाएगा।

प्रथम यूपी स्टेट चार दिवसीय जूनियर मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट 4 से 7 जून, 2024 तक आयोजित होगी। प्रतियोगिता गाजियाबाद बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगी। इस प्रतियोगिता में ईस्ट-जोन चैम्पियनशिप में प्रतिभाग करने वाली उप्र की टीम का चयन किया जाएगा।

इस टूर्नामेंट में उप्र के विभिन्न जनपदों से लगभग 250 बालक व बालिका खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। गाजियाबाद के 55 बालक तथा 26 बालिका खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में भाग लेने हेतु अपनी एन्ट्री

खास बातें

- प्रतिभागियों का उत्तर प्रदेश की टीम में किया जाएगा चयन
- ढाई सौ से अधिक खिलाड़ी टूर्नामेंट में लेंगे भाग
- तकनीकी समिति करेगी संचालन

मुख्य अतिथि होंगे राज्यसभा सांसद

बैडमिंटन प्रतियोगिता नॉकआउट पर आधारित होगी एवं दूसरे जनपदों से आने वाले खिलाड़ियों के रहने और खाने की व्यवस्था गाजियाबाद बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से की जाएगी। इसमें एकल प्रतियोगिता के अलावा डबल्स और मिक्सड डबल्स के भी मैच खेले जाएंगे। बीएल बत्रा, अजय त्यागी समेत कई स्थानीय खिलाड़ी भी मौजूद रहे। जिले से 55 बालक एवं 26 बालिकाओं ने बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए आवदेन किया है।

प्रतियोगिता की प्राइज मनी एक लाख रुपए

प्रतियोगिता के आयोजक ललित जायसवाल व नरेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व राज्य सभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल होंगे तथा विशिष्ट अतिथि डॉ पीएन अरोड़ा होंगे। समारोह की अध्यक्षता गाजियाबाद बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित जायसवाल करेंगे। नाक-आउट आधार पर आयोजित इस टूर्नामेंट को उप्र बैडमिंटन एसोसिएशन की तकनीकी समिति संचालित करेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना को लेकर की विस्तृत समीक्षा

मतगणना की प्रक्रिया पर चर्चा करते हुए बैलेट पेपर की गणना पर डीसी ने किया विमर्श

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

जिला निवार्चन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने मतगणना को लेकर सहायक निर्वाचन अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मतगणना की पूर्ण प्रक्रिया की तैयारियों का जायजा लेते हुए हर बिंदू पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

जिला निवार्चन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने मतगणना को लेकर सहायक निर्वाचन अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मतगणना की पूर्ण प्रक्रिया की तैयारियों का जायजा लेते हुए हर बिंदू पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। दोपहर बाद भारत निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय स्तर पर वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मतगणना को लेकर विशेष बैठक ली। बैठक में विस्तार से मतगणना को लेकर चर्चा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने सभी दिशा-निर्देशों की पूर्ण अनुपालना के साथ सुचारू रूप से मतगणना का कार्य करवाने का भरोसा दिया।

वीडियो कान्फ्रेंस के उपरांत उन्होंने मौके पर ही लघु सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेते हुए मतगणना को लेकर विस्तार से चर्चा की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना की तैयारियों का गंभीरता से निरीक्षण किया। उन्होंने सभी सहायक निर्वाचन अधिकारियों से भी उनकी विधानसभा की मतगणना की तैयारी को लेकर रिपोर्ट ली। संतोषजनक रिपोर्ट मिलने पर उन्होंने अन्य आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की। साथ में उन्होंने मतगणना प्रक्रिया के एक-एक पहलू पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मतगणना बेहद महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे सफलतापूर्वक पूर्ण करवाने के लिए सभी तैयारियां रखें। मतगणना के लिए भारत निर्वाचन आयोग की सभी हिदायतों का अध्ययन करें और उसके अनुरूप ही आगे बढ़ें। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने सहायक निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित तौर पर अपने-अपने मतगणना केंद्रों का दौरा करते हुए सुरक्षा प्रबंधों की जांच करें। इसके अलावा भी उन्होंने अन्य जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

सफलतापूर्वक मतगणना पूर्ण करवाने सभी तैयारियां रखें

विधानसभा की मतगणना की तैयारी को लेकर रिपोर्ट ली

ये अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद शर्मा, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल, जिला परिषद के सीईओ सतबीर मान, एसडीएम शिखा आंतिल, एसडीएम अमित मान, एसडीएम त्रिलोकचंद, एचएसवीपी के एस्टेट ऑफिसर सिद्धार्थ दहिया, नगराधीश अंकित, नगर निगम के संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह, डीआरओ बिजेंद्र राणा, डीडीपीओ प्रदीप कुमार, डीआईओ लक्ष्मीनारायण मित्तल आदि अधिकारीगण मौजूद थे।

बैलेट पेपर मतगणना का कार्य आसान है पर जिम्मेदारी भरा काम

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि बैलेट पेपर मतगणना का कार्य आसान है पर बड़ी जिम्मेदारी का काम है। बैलेट पेपर मतगणना से जुड़े अधिकारीगण बहुत गंभीरता से कार्य पूरा करें। जिला निर्वाचन अधिकारी एचएसवीपी कन्वेंशन हाल में बैलेट पेपर की मतगणना करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को जरुरी निर्देश दे रहे थे। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि बैलट पेपर मतगणना से जुड़े माइक्रो आब्जर्वर, एआरओ व सुपरवाइजर (राजपत्रित अधिकारी राज्य या केंद्र सरकार/पी.एस.यू), मतगणना सहायक, मतगणना माइक्रो आब्जवर, एआरओ एक ग्रुप डी कर्मचारी, टेबल वाइज अधिकारियों/कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। बैलेट पेपर मतगणना के लिए माइक्रो आब्जर्वर, एआरओ, सुपरवाइजर, मतगणना सहायक, रिटर्निंग अधिकारी व सहायक रिटर्निंग अधिकारी और चुनाव पर्यवेक्षक की उपस्थिति में मतगणना 4 जून को होगी।

पुलिस से बचने भागता रहा आरोपी

सिर में सिलेंडर मारकर हत्या करने के मामले में गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

बजघेड़ा एरिया में लेबर कैंप में मारपीट के दौरान सिर में सिलेंडर मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पुलिस से बचने के लिए अलग अलग राज्यों में भागता रहा, जिसे बिहार से काबू कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस हिरासत रिमांड पर लिया है।

दरअसल, बीती 24 मार्च को बजघेड़ा थाना पुलिस को सूचना मिली कि स्मार्ट वर्ल्ड लेबर कैंप सेक्टर-113 में झगड़ा हो गया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो झगड़े में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचा दिया गया था। पुलिस टीम अस्पताल पहुंची तो घायल व्यक्ति के भाई ने पुलिस को बताया कि उसका चचेरा भाई लेबर कैंप सेक्टर-113, गुरुग्राम में रहते हैं। शाम को वहीं पर अन्य झुग्गी में रहने वाले एक व्यक्ति ने किसी अन्य व्यक्ति के साथ गाली गलौज व मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान इसका भाई बीच-बचाव करने लगा तो आरोपी ने इसके भाई के सिर में सिलेंडर से वार किया जिससे इसका भाई घायल हो गया। इसके बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

जिस पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को बिहार से काबू कर लिया। आरोपी की पहचान बिहार के दरभंगा निवासी 26 वर्षीय करण देव के रूप में हुई।

फिंगर प्रिंट व एफएसएल की टीमें पहुंची

गाड़ी से टक्कर मारकर सिक्योरिटी गार्ड को कुचलने वाला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर-108 स्थित एक सोसाइटी में सिक्योरिटी गार्ड को कार से टक्कर मारकर मौत के घाट उतारने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी के कब्जे से वारदात में शामिल कार को भी बरामद कर लिया गया है। ज्ञात हो कि आरोपी कार चालक वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया था। धनकोट पुलिस को वीरवार को सूचना मिली कि एक्सपरियोन हर्टसोंग गांव धर्मपुर में रोड साइड एक एक्सीडेंट में राजेंद्र नामक व्यक्ति की मौत होने पर सूचना मिली थी।

सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां पर राजेंद्र निवासी गांव धर्मपुर नामक सिक्योरिटी गार्ड मृत मिला। इस पर पुलिस की फिंगर प्रिंट व एफएसएल की टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

स्कूटी, बाइक व 1503 नकद बरामद

वाहन चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

थाना पल्ला की पुलिस टीम पुलिस चौकी नवीन नगर ने वाहन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी मनीष कुमार वासी गांव रामदासचर जिला छपरा बिहार हाल कैम्प रेलवे कालोनी पुल प्रहलादपुर दिल्ली का रहने वाला है। आरोपी को पुलिस चौकी नवीन नगर प्रभारी अमर जीत की टीम अब्दुल हुसैन, नरेंद्र व सुरेश के द्वारा आरोपी को स्कूटी सहित चुंगी रोड ईस्माइलपुर गुरुद्वारा के पास से काबू किया है। आरोपी ने स्कूटी को यमुना नदी के पास से चोरी किया था। आरोपी से 1 मोटरसाइकिल चोरी की बारमद हुआ है। जिसको आरोपी ने विनय नगर से चोरी किया था। इसके अलावा आरोपी ने एक परचून की दुकान से चोरी की वारादत को अंजाम दिया था, जिसमें आरोपी से 1503 रु बरामद हुए है। आरोपी पर शराब तस्करी के 6 मुकदमे दर्ज हैं।

मृतक की पत्नी राजकुमारी ने दी शिकायत

शराब पीने के दौरान आपस में विवाद कारपेंटर की चाकू मारकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सूर्या विहार पार्ट तीन में कारपेंटर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी मृतक के परिचित हैं। इस हमले से बचने के लिए मृतक का दोस्त अपनी दुकान में घुस गया था और शटर लगा लिया। इससे उसकी जान बच गई। हल्की चोटें ही लगी हैं।

पुलिस ने तीन नामजद सहित अन्य के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपितों की तलाश में क्राइम ब्रांच की टीमें जुट गई हैं।

पल्ला थाने से मामले के जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक की पत्नी राजकुमारी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसका 30 वर्षीय पति किशन कारपेंटर था। दोनों के एक आठ साल की बेटी व चार साल का बेटा है। किशन के दोस्त राजू ने उसे बाहर बुलाया।

पानी डाल डालकर घर में लगी आग पर पाया काबू

सिलेंडर में लगी आग से घरेलू सारा सामान जलकर हुआ राख

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद स्थित इंदिरा कॉलोनी में शुक्रवार देर रात एक घर में गैस चूल्हे पर दूध गर्म करते समय अचानक से गैस सिलेंडर में आग लग गई।

गैस सिलेंडर में लगी आग ने कुछ देर में ही भीषण रूप ले लिया। इसके चलते घर का सारा सामान जल गया। इसमें टीवी फ्रिज ,कूलर पंखा बेड, कपड़े इत्यादि सब जल गए। साथ-साथ घर में रखा खाने पीने का सारा सामान जल गया। आसपास के लोगों ने अपने घरों में बचे कुछ पानी से आग बुझाई। पड़ोसी शाह आलम ने बताया कि आग बुझाने के दौरान पड़ोसी आग पर पानी डालकर काबू पाने का प्रयास कर रहे थे कि तभी फ्रिज का कंप्रेसर फट गया और जोरदार धमाका हुआ। इसके बाद सभी जान बचाकर इधर-उधर भागे। इसके चलते आग पर कबूल नहीं पाया जा सका और घर में आग लगने के चलते घर का सारा सामान जल गया। उन्होंने कहा कि उनके पड़ोसी सुनील के घर में आग लगी। इसके चलते सारा सामान जल गया।

उनके तन पर केवल पहने कपड़े ही बचे हैं। सुनील बीपीएल परिवार से आते हैं। सुनील ने बताया कि वह रात 9 बजे ही गैस एजेंसी से सिलेंडर लेकर आए थे। उनकी पत्नी ने सिलेंडर लगाया और दूध गर्म करने के लिए गैस चूल्हे पर रखा था। कुछ मिनट के बाद गैस सिलेंडर में आग लग गई। गैस सिलेंडर में लगी आग इतनी तेजी से फैली की सब ने घर के बाहर भाग कर अपनी जान बचाई।

इंटरनेट के माध्यम से हत्यारों की हुई थी दोस्ती

प्लॉट में व्यक्ति की हत्या करने के मामले में दो को पुलिस ने किया काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

पालम विहार एरिया के एक प्लॉट में व्यक्ति की हत्या करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, पुलिस को पालम विहार के अशोक विहार फेज-3 के एक प्लॉट में एक व्यक्ति का शव मिला।

जिसके पैर व मुंह कपड़े से बंधे हुए थे। पुलिस टीम द्वारा पुलिस की सीन-ऑफ-क्राइम, एफएसएल व फिन्गरप्रिंट की टीमों द्वारा घटनास्थल पर बुलवाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया तथा आगामी कार्रवाई व मृतक की पहचान के लिए शव को मोर्चरी में रखवाया गया। जिसके बाद सेक्टर-17/18 पुलिस को एक महिला ने उसके पति के लापता होने की शिकायत दी तो मृतक की पहचान हो गई। मृतक यूपी के प्रयागराज निवासी 40 वर्षीय अजय तिवारी था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को तकनीकी अनुसंधान से मारुति कंपनी के गेट के पास से काबू किया। आरोपी की पहचान हर्ष निवासी सोहना व हिमांशु निवासी महालक्ष्मी गार्डन, राजेन्द्रा पार्क, गुरुग्राम के रूप में हुई। आरोपियों ने बताया कि अजय तिवारी से इनकी व इनके अन्य साथी की मुलाकात इंटरनेट के माध्यम से हुई थी। उन्होंने अजय तिवारी को मिलने के लिए बुलाया और झगड़ा हो गया था।

दिसंबर में प्रोक्सिमल ह्यूमरस फेक्चर के लिए असफल उपचार करवाया था

डॉ. कुलश्रेष्ठ ने कहा सर्जरी जटिल और चुनौतीपूर्ण रही

यशोदा अस्पताल के चिकित्सकों ने कृत्रिम अंग डालकर रिवर्स टोटल शोल्डर आर्थोप्लास्टी में हासिल की सफलता

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशाम्बी के ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. अखिल कुलश्रेष्ठ ने रिवर्स टोटल शोल्डर आर्थोप्लास्टी सफलतापूर्वक की। यह जटिल प्रक्रिया पूरे गाजियाबाद क्षेत्र में की गई पहली कुछ सर्जरी में से एक है, जो अस्पताल की अत्याधुनिक चिकित्सा देखभाल प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डॉ. कुलश्रेष्ठ ने बताया कि एक मरीज ने दिसंबर 2023 में एक अस्पताल में प्रोक्सिमल ह्यूमरस फेक्चर के लिए असफल उपचार करवाया था। अप्रैल 2024 में लगातार दर्द और सीमित कंधे की गतिशीलता के साथ यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल आया। डॉ. अखिल और उनकी टीम की विशेषज्ञ देखरेख में रिवर्स टोटल शोल्डर आर्थोप्लास्टी करने का निर्णय लिया गया। रिवर्स टोटल शोल्डर आर्थोप्लास्टी एक अत्यंत असामान्य और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण सर्जरी है। इस प्रक्रिया में ह्यूमरस के ऊपरी सिरे में एक कप के आकार का कृत्रिम अंग और संबंधित स्कैपुला में एक गेंद के आकार का कृत्रिम अंग डाला जाता है।

डॉ. अखिल कुलश्रेष्ठ, डॉ. सुनील शर्मा (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट), वरिष्ठ ओटी तकनीशियन रतन और पूरी ओटी टीम की मदद से सर्जरी को अत्यधिक सटीकता के साथ पूरा किया। सफल ऑपरेशन के परिणामस्वरूप, मरीज अगले ही दिन दर्द-मुक्त हो गया। निरंतर फिजियोथेरेपी के साथ, मरीज की कंधे की गतिशीलता दिन-प्रतिदिन बेहतर होती जा रही है। जिससे उसकी जीवन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

ऑपरेशन के बाद मरीज दर्द मुक्त हो गया

यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के चेयरमैन, डॉ. पीएन अरोड़ा ने कहा, यह सफल सर्जरी हमारे अस्पताल की उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाओं को अपनाने और उत्कृष्ट रोगी देखभाल प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

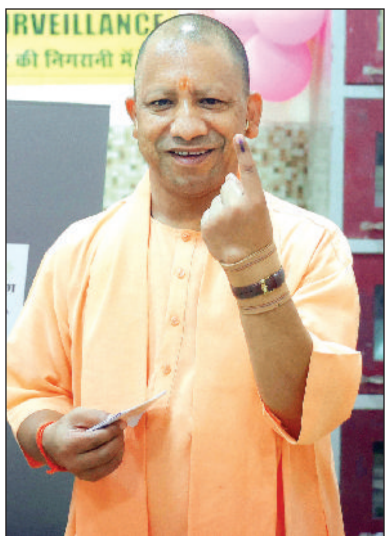
गोरखपुर में यूपी के सीएम योगी ने डाला वोट

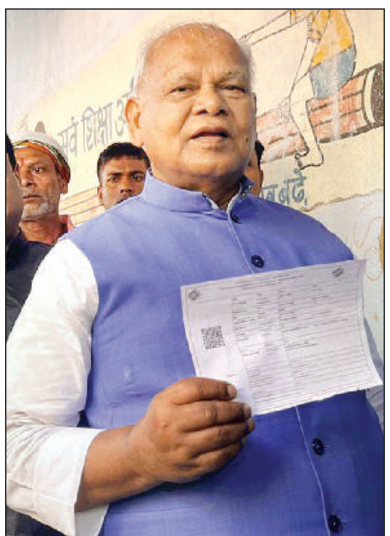
परिवार के साथ जीतनराम माझी ने वोट डाला

रविकिशन ने पत्नी संग कतार में लगकर डाला वोट

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मिर्जापुर में मतदान किया

टीएमसी प्रत्याशी शत्रुघ्न सिंह ने पटना में डाला वोट

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम ने पटना में डाला वोट

दारोगा समेत कई पुलिस वाले बेहोश, एक मतदाता की हुई मौत

यूपी में अंतिम चरण की 13 सीटों पर 54 % हुई वोटिंग, महराजगंज सबसे आगे, बांसगांव पीछे

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में यूपी की 13 सीटों पर मतदान संपन्न हो गया। इस चरण में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र पांडेय, पंकज चौधरी और अनुप्रिया पटेल, अफजाल अंसारी समेत 144 प्रत्याशियों के भाग्य ईवीएम में बंद हो गया।

प्रधानमंत्री की सीट पर दिन भर वोट निकालने की रही होड़

गाजीपुर में मुख्तार के भाई अफजाल की भाजपा से टक्कर

गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शाख दांव पर

अनिल के. अंकुर/अनूप कुमार सिंह ▶▶ लखनऊ

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में यूपी में गर्मी ने उम्मीदवारों के ही नहीं, बल्कि वोटरों के भी पसीने छुड़ाए। यहां पारा 45 डिग्री सेल्सियस पार रहा और वोटिंग परसेंटेज पिछले चुनाव के मुकाबले 5 फीसदी कम हुआ।

पूर्वांचल के सातवें चरण के चुनाव में शाम छह बजे तक तकरीबन 56 प्रतिशत वोट डाले गए। पिछले लोकसभाचुनाव के मुकाबले इस बार करीब 5 प्रतिशत कम वोट पड़ा। यूपी में भीषण गर्मी का आलम यह था कि दरोगा और मतदान कर्मचारियों के भी बेहोश होने की सूचनाएं आई हैं। बलिया में एक मतदाता की वोटर लाइन में ही मौत हो गई। बेहोश हुए पुलिस कर्मियों और वोटरों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है।

हाई प्रोफाइल चेहरों के लिए वोट

अगर देखा जाए तो आखिरी चरण के चुनाव में वाराणसी से भाजपा के उम्मीदवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद चुनाव मैदान में हैं। उनके सामने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय हैं। इनके अलावा केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, योगी के क्षेत्र गोरखपुर से भोजपुरी स्टार रवि किसन, केंद्रीय मंत्री महेन्द्र नाथ पांडेय, और गाजीपुर से मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी भी अपनी किस्मत अजमा रहे हैं।

वोटरों को डराने धमकाने का आरोप

कई लोकसभा सीटों पर मतदाताओं को भगाने की भी शिकायतें आईं और वोट मशीन ईवीएम के खराब होने की भी शिकायतें दर्ज की गईं। गाजीपुर के सांसद सपा उम्मीदवार अफजाल अंसारी के ऊपर भाजपा वोटरों को वोट डालने से रोकने और धमकाने का आरोप लगा है। वहीं गोरखपुर समेत विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों से सपा ने शाम तक 87 शिकायतें चुनाव आयोग से कीं।

इस प्रकार पड़े वोट

एक जून को हुए आखिरी चरण के मतदान मे शाम पांच बजे तक 54 फीसदी ही वोट डाले जा सके थे। सबसे ज्यादा मतदान चंदौली में हुआ। वहां 58.19 प्रतिशत वोट डाले गए। वहीं सबसे कम वोटिंग बांसगांव में हुई। वहां पर 50 प्रतिशत वोट शाम पांच बजे तक पड़े थे। प्रधानमंत्री के क्षेत्र वाराणसी में 54.58 फीसदी मतदान हुआ।

यूपी में कहां कहां हुआ मतदान

सातवें चरण में 13 लोकसभा सीटों के लिए 144 प्रत्याशी मैदान में थे। आज जहां जहां मतदान हुआ उनमें गोरखपुर, महराजगंज, वाराणसी, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर और राबर्टगंज शामिल हैं।

महराजगंज में मतदान के दौरान वीडियो बनाते हुए पकड़ा गया युवक

महराजगंज के भिटौली थाना क्षेत्र में ग्राम पंचायत पकड़ी दीक्षित के बूथ संख्या 354 पर मतदान करते हुए एक युवक वीडियो बनाते हुए पकड़ा गया है। पुलिस पकड़कर उसे भिटौली थाने में ले गई।

ईवीएम में गड़बड़ी से मतदाताओं को परेशानी

वाराणसी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र भदैनी इंपीरियल पब्लिक स्कूल में बूथ संख्या 291 की ईवीएम में काफी देर तक खराब चलती रही। जिससे लाइन में खड़े वोटरों को काफी दिक्कत होती रही।

बिहार में 5 बजे तक 48.86 % मतदान

बक्सर में सबसे ज्यादा तो नालंदा में कम मतदान

रविशंकर प्रसाद, रामकृपाल यादव, मीसा भारती, पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की किस्मत का फैसला ईवीएम में बंद

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में लोकसभा चुनाव के सातवें चरण की 8 सीटों पर सख्त सुरक्षा इंतजाम के बीच मतदान संपन्न हो गया।

भाजपा ने लालू यादव के खिलाफ चुनाव आयोग से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की है। शाम पांच बजे तक कुल वोटिंग 48.86 % हुई है।वहीं अलग-अलग सीटों की बात करें तो शाम पांच बजे तक नालन्दा में 45.19%, पटना साहिब में 45.40%, पाटलिपुत्र में 56.86 %, आरा में 46.49 %,बक्सर में 52.29%, सासाराम (सु.) में 48.86%, काराकाट में 49.16% और जहानाबाद में 50.23% मतदान हुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटनासाहिब लोकसभा सीट के मंजू देवी उच्च. विद्यालय बख्तियारपुर के बूथ पर वोट डाला। पाटलिपुत्र के वेटरनरी कॉलेज के बूथ संख्या 171 पर आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, राबड़ी देवी और रोहिणी आचार्य ने वोट डाला है। इस दौरान राबड़ी ने कहा कि इंडिया गठबंधन 400 पार पहुंच रहा है।

झारखंड में दुमका, राजमहल व गोडा में उत्साहित रहे मतदाता

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड की 3 लोकसभा सीटों दुमका, राजमहल और गोड्डा पर मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह दिखा। सातवें चरण में झारखंड की इन 3 सीटों पर डॉ. निशिकांत दुबे, सीता सोरेन, विजय

हांसदा एवं ताला मरांडी समेत 52 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। उधवा के मतदान केंद्र में कई वोटर मतदान करने से वंचित हो गए।

पेज एक का शेष

आएंगे तो 'मोदी'...

रुझानों में दूर दिख रहा है। वहीं, इंडी गठबंधन एक बड़ी लड़ाई लड़ने के बाद भी सत्ता की गोदी प्राप्त करता नहीं दिख रहा है। वैसे, ज्यादातर एग्जिट पोल में एनडीए को 370 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि विपक्षी दलों के इंडिया अलायंस को 125 से 150 सीटें मिल सकती हैं।

कांग्रेस पार्टी ...

से मायूस कार्यकर्ता तेजी से गायब होंगे। ऐसा हुआ तो पहले से ही संगठनात्मक रूप से कमजोर कांग्रेस पार्टी बेहद लचर हालत में पहुंच जाएगी। कांग्रेस की कमजोर हालत भांप कर सहयोगी दलों ने अभी से ही आंखें तरेरने शुरू कर दी हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक में न पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पहुंची, न ही उन्होंने अपनी ओर से किसी प्रतिनिधि को बैठक में शिरकत करने दिल्ली भेजा। जब कि बैठक में शरद पवार, फारुख अब्दुल्ला, तेजस्वी यादव, भगवंत मान, अरविंद केजरीवाल, कल्पना सोरेन सहित लगभग सभी साथी दलों के नेता पहुंचे थे। जो नेता नहीं आ सके उन्होंने अपना प्रतिनिधि भेजा। राजनीतिक जानकार फैजान गुलियाली कहते हैं, कांग्रेस के वो दिन काफूर होते दिख रहे हैं जब दिल्ली दरबार में उनकी हनक होती थी। इस बार के चुनाव के बाद विभिन्न राज्यों के राजनीतिक दल कांग्रेस पार्टी के सहयोगी के रूप में कांग्रेस पार्टी पर रूल करते नजर आएंगे।

वोटो की 'गिनती'...

विधानसभा में 10 सीटें निर्विरोध जीत चुकी है। सभी मतगणना केंद्रों पर तीन स्तरीय सुरक्षा बैरिकेडिंग की गई है, जिसमें राज्य में उपलब्ध केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, राज्य सशस्त्र पुलिस और राज्य सिविल पुलिस के जवान शामिल होंगे। विधानसभा सीटों पर कुल 133 उम्मीदवार तथा दो लोकसभा सीटों पर 14 उम्मीदवार चुनाव लड़े। उल्लेखनीय है कि 2019 के चुनाव में भाजपा ने लोकसभा की दोनों सीटें जीती थीं जबकि विधानसभा में पार्टी को 41 सीटें मिली थीं।

पं. बंगाल में एक...

इलाकों के मतदान केंद्रों पर सन्नाटा देखा गया। अंतिम चरण में बिहार, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में वोटिंग हुई। चुनाव आयोग को पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों से चुनाव संबंधी 1,450 शिकायतें मिली हैं। आयोग के अनुसार सुबह 11 बजे तक राजनीतिक दलों द्वारा करीब 1,450 शिकायतें दर्ज कराई गईं, जिनमें ईवीएम में गड़बड़ी, एजेंटों को मतदान केंद्रों में प्रवेश करने से रोकने और मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाए गए हैं।

पिछले चरणों में कैसा...

प्रतिशत 69.16 प्रतिशत रहा, जो 2019 के चुनाव के इसी चरण की तुलना में 3.65 प्रतिशत ज्यादा था। तीसरे चरण में करीब 65.68 प्रतिशत, दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत और वहीं आम चुनाव के पहले चरण में 66.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

अब हर माह की...

श्री महाकालेश्वर मंदिर की वेबसाइट पर 1 जुलाई से 31 जुलाई तक के लिए 9153 श्रद्धालुओं की भस्म आरती की आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही अगस्त, सितंबर और अक्टूबर की बुकिंग भी ओपन रहेगी। नई व्यवस्था के तहत अब श्रद्धालु पहले से ही अपनी भस्म आरती प्लान सकेंगे। जिसमें हर माह की एक तारीख को अगले माह की भस्म आरती की बुकिंग जारी कर दी जाएगी। जैसे कि 1 जून को अगले जुलाई माह की बुकिंग जारी की गई है। साथ ही उसके आगमी 3 माह के लिए भस्म आरती की बुकिंग ओपन रहेगी। श्रद्धालुओं को अपनी भस्म आरती बुकिंग की जानकारी उनके द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी। श्रद्धालुओं को 24 घंटे के अंदर निर्धारित शुल्क जमा कर अपने पास जनरेट करने होंगे। 24 घंटे के अंदर पास नहीं जनरेट करने पर श्रद्धालु की रिक्वेस्ट कैंसल कर दी जाएगी और वेटिंग लिस्ट की मेरिट के आधार पर श्रद्धालु की रिक्वेस्ट स्वीकार की जाएगी।

5 जून से एक सप्ताह तक विविध आयोजन

विहिम धूमधाम से मनाएगी सीएम योगी का जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या

विश्व हिन्दू महासंघ अपने संस्थापक गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के उत्तराधिकारी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाएगी। इस उपलक्ष्य में पूरे प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पांच जून से लेकर एक सप्ताह तक विविध आयोजन होंगे। इसी क्रम में अयोध्या इकाई भी छह जून को रामपथ साहबगंज स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक होगा और 11 जून को साकेत महाविद्यालय के राजा जगदंबिका प्रसाद सभागार में एक समारोह का आयोजन किया जाएगा।

यह जानकारी महासंघ के जिलाध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की रूपरेखा प्रदेश से प्राप्त निर्देश के अनुसार तय की गई है। पूरे विश्व में जहाँ-जहाँ विहिम की इकाइयां हैं, सभी अपने स्तर पर जन्मोत्सव मनाएंगी। अयोध्या समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति मौजूद रहेंगे।

पास एडिट कर मोटी रकम वसूलते थे

अयोध्या राम मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर फर्जीवाड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या

यहां राम मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर फर्जीवाड़ा करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दोनों आरोपी राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से बनाए जा रहे सुगम और आरती पास को एडिट कर श्रद्धालुओं से मोटी रकम वसूलते थे। जबकि ट्रस्ट की ओर से यह पास बिल्कुल निःशुल्क बनाए जाते हैं। 28 मई को रंगमहल बैरियर पर पास की चेकिंग के दौरान यह फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है।

राम मंदिर में श्रद्धालुओं को आसानी से दर्शन प्राप्त हो सके इसलिए ट्रस्ट की ओर से सुगम दर्शन पास की व्यवस्था की गई है। साथ ही रामलला की आरती में भी शामिल होने के लिए सीमित संख्या में पास जारी किए जाते हैं। भक्त ऑनलाइन भी पास बुक करा सकते हैं। ट्रस्ट की वेबसाइट पर जाकर पास आसानी से बुक किया जा सकता है।

सुगम और आरती पास को एडिट कर वसूल रहे थे रकम

आरोपी पहले अपनी आईडी से ट्रस्ट की वेबसाइट पर जाकर पास बुक कर लेते थे। फिर श्रद्धालुओं से पास के लिए पैसे वसूलते थे और पास को एडिट कर उन्हें दर्शन कराते थे। मामला पकड़े जाने के बाद पुलिस ने अजय कुमार मौर्या और नरेंद्र पांडेय के खिलाफ केस दर्ज किया है।

तहसील प्रशासन ने सिक्कों की बरामदगी करवाते हुए सील करवाया

मौके पर ग्रामीण पहुंच गए और दोनों हाथों से खजाना लूट ले गए

खेत में जेसीबी से हो रही थी खुदाई, इस बीच जमीन से निकला खजाना, सिक्कों से भरा मिला मटका

एजेंसी ▶▶ संतकबीरनगर

संतकबीर नगर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बेलहर थानाक्षेत्र के लोहरौली मिश्र गांव में एक खेत की जेसीबी से खुदाई के दौरान खजाना मिला है। खेत में खजाने की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। इसके बाद मौके पर ग्रामीण पहुंच गए और खजाना लूट ले गए। सूचना पर पहुंचे तहसील प्रशासन ने सिक्कों की बरामदगी करवाते हुए सील करवा दिया।

पुरातत्व विभाग से सिक्के की जांच कराई जाएगी। सिक्के पर उर्दू व फारसी भाषा में लिखे मुगल बादशाहों के नाम से इसे मुगलकालीन होने का अंदेशा जताया जा रहा है। सिक्के किस धातु के बने है इसके लिए कयासों का दौर चल रहा है। मटका भरा सिक्का मिलना पूरे दिन गांव में कौतूहल का विषय बना रहा। सभी सिक्कों को लेकर अपना-अपना नजरिया रखते नजर आए। बेलहर थानाक्षेत्र के लोहरौली मिश्र गांव में

बीते बुधवार को एक खेत की खुदाई हो रही थी। इसी दौरान जेसीबी मशीन एक मटके से जा टकराई। जेसीबी चालक ने तत्काल मशीन रोक दी। मौके पर मौजूद लोगों ने देखा कि मटका सिक्के से भरा हुआ है। सिक्के पर उर्दू, फारसी भाषा की लिखावट के साथ ही मुगल बादशाहों के नाम लिखे थे। कुछ लोग सिक्कों को कीमती जान इसे अपने घर उठा ले गए।

सिक्कों की वापसी न होने पर मुकदमा होगा दर्ज

बरामद सिक्कों को तहसील प्रशासन ने सील कर अपने कब्जे में ले लिया। इन्हें पुरातत्व विभाग को सौंपा जा रहा है। पूरे मामले की वृहद जांच पुरातत्व विभाग के द्वारा की जाएगी। बरामद सिक्कों को सील कर ट्रेजरी में जमा कराया जा रहा है। पुरातत्व विभाग को इसकी जानकारी दी गई है। पुरातत्व विभाग की जांच के बाद ही सिक्कों के बारे में स्पष्ट सही जानकारी सामने आएगी। कुछ सिक्के अभी तक बरामद नहीं हुए हैं। अगर इन सिक्कों की वापसी नहीं होती है, तो संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

अरुण कुमार, एसडीएम

हम सभी को निभाना होगा पर्यावरण रक्षा का दायित्व

पर्यावरण की दिनों-दिन बिगड़ती स्थिति और बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग किसी एक व्यक्ति, क्षेत्र या देश की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक संकट है। इसलिए इससे निपटने, इसका प्रभावी समाधान खोजने के लिए हम सभी को इस संकट की गंभीरता को समझने के साथ ही अनेक स्तरों पर सामूहिक प्रयास करने होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि ये प्रयास तभी अपेक्षित परिणाम लाएंगे और पर्यावरण संरक्षण में प्रभावी सिद्ध होंगे, जब युवा वर्ग अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इस दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाएगा।

{ आवरण कथा / दिव्यज्योति 'नंदन' }

हालांकि दुनिया में युवावस्था की कोई सर्वमान्य और सर्वस्वीकृत अंतरराष्ट्रीय परिभाषा नहीं है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र 15 से 24 वर्ष आयु के लोगों को युवाओं के रूप में संदर्भित करता है। वर्तमान में इस उम्र समूह के दुनिया भर में 1 अरब 20 करोड़ युवा हैं और साल 2030 तक इनकी संख्या 7 फीसदी बढ़कर 1 अरब 30 करोड़ हो जाएगी। युवाओं का यह लेखा-जोखा हम इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि यूनाइटेड नेशन एंवॉयर्नमेंट प्रोग्राम (यूएनईपी) के कार्यकारी निदेशक इंगर एंडर्सन का मानना है कि ये इस दौर के युवा ही हैं, जिन्हें विरासत में एक टूटा हुआ ग्रह मिला है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस कहते हैं, 'अब ग्लोबल वार्मिंग को रोकने का सारा दारोमदार युवाओं पर ही है।' गुटेरेस के शब्दों में युवाओं में असीम ऊर्जा होती है और इतिहास में मानवता जब-जब किसी संकट का शिकार हुई है, तब ये युवा ही हैं, जिन्होंने उसे संकट से निकाला है। युवाओं की असीम ऊर्जा उनके विचारों और योगदान पर निर्भर करती है। आज हर दिन ब्रह्मांड का अपना खूबसूरत ग्रह यानी धरती, विनाश के दलदल में समाती जा रही है। ग्लोबल वार्मिंग तो धरती के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। ऐसे में अब युवा ही हैं, जो इस धरती को नष्ट होने से बचा सकते हैं।

युवाओं से ही बची है उम्मीद

चाहे इंगर एंडर्सन हों या एंटोनियो गुटेरेस, वो जिस तरह से युवाओं की तरफ धरती के ग्लोबल वार्मिंग को रोकने या इसे बचाने के लिए उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं, उसका मतलब है कि लोग अब मौजूदा सरकारों, बड़ी-बड़ी बात करने वाले संगठनों पर से दुनिया की सेहत वापस लौटाने का भरोसा खो चुके हैं। इसलिए अब युवाओं की तरफ देखा जा रहा है और संयोग से युवा भी अब इस समस्या की चिंताओं से अपने आपको बहुत गहराई तक जोड़ रहे हैं।

आज के युवा हैं अधिक जागरूक

युवाओं के पास आज की इस गूगल नॉलेज वाली दुनिया में चीजों को समझने के अपने संसाधन और तौर-तरीके हैं। इसलिए आज के युवा पुरानी पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा गहराई से जानते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग दुनिया के पर्यावरण के लिए कितना बड़ा खतरा है और इससे क्या हो सकता है? युवाओं के पास पर्याप्त शिक्षा है और ग्लोबल युनिटी के लिए उनके पास इंटरनेट और सोशल मीडिया जैसा मंच भी है। यही कारण है कि आज यूरोप के 75 फीसदी नौजवान ग्लोबल वार्मिंग से चिंतित हैं। कम होती बायो डायवर्सिटी उन्हें परेशान कर रही है।

समझते हैं समस्या की गंभीरता

दुनिया का युवा वर्ग, बाकी लोगों से ज्यादा संवेदनशील इसलिए भी है, क्योंकि वही गरमाती धरती और बिगड़ते पर्यावरण से भविष्य में आने वाले संकट को समझ रहा है। यह अकारण नहीं है कि आज दुनिया भर के युवा इस संकट से जागरूक हैं और इस पर बातें करते हैं। साल 2012 से ही मौजूद ग्लोबल यूथ बायोडायवर्सिटी नेटवर्क, बायो डायवर्सिटी के नुकसान पर युवाओं की राय और इसके समाधान में युवाओं की सोच को ऑथराइज्ड रूप से व्यक्त करना शुरू कर चुका था। यह संगठन अपने विभिन्न प्रस्तावों के माध्यम से लगातार बायो डायवर्सिटी पर कन्वेंशन में योगदान देता है और जैव विविधता के संरक्षण पर आगे बढ़कर भूमिका निभाता है। प्रसिद्ध जर्नल लैंसेट में प्रकाशित एक वैश्विक सर्वेक्षण के मुताबिक ग्लोबल वार्मिंग को लेकर दुनिया के करीब 60 फीसदी युवा बहुत चिंतित हैं और 84 फीसदी युवा कम ही सही लेकिन चिंतित हैं, भले इसके लिए उनकी नींद हराम न होती हों।

लेकिन ऐसे भी अनेक युवा हैं, जो इस पूरी समस्या से बहुत भावनात्मक स्तर पर जाकर जुड़ते हैं। वे उदास हैं, चिंतित हैं, अपनी सरकारों से नाराज हैं और गुस्से से भरे हैं, कई बार वे शक्तिहीनता का भी एहसास करते हैं और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में अपनी मजबूत भूमिका निभाना चाहते हैं। ऐसा योगदान देना चाहते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन का यह भयावह दौर थमे। लेकिन यह बात भी है कि न तो एक हद से ज्यादा सरकारों को युवाओं पर भरोसा है और न ही युवा ही सरकारों पर भरोसा करते हैं।

आरंभ कर दिए हैं प्रयास

अब युवाओं का एक बड़ा हिस्सा बल्कि कहना चाहिए नाराज हिस्सा, ग्लोबल वार्मिंग के लिए किए जा रहे अपने आंदोलन के माध्यम से सरकारों के विरुद्ध मुकदमा चलाने तक की बात कहने लगा है। यहां तक कि युवा स्थानीय और वैश्विक दोनों ही स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए अपनी जीवनशैली में बदलावों और ठोस समाधानों के लिए तैयार हैं, भले इसके लिए बड़ी मात्रा में संसाधन खर्च हों। यह अकारण नहीं है कि पिछले कई बार से आधिकारिक जलवायु परिवर्तन वार्ता के दौरान दुनियाभर के मुखर युवा वार्ता स्थलों पर मौजूद रहते हैं और समानांतर आयोजन, हस्तक्षेप, कार्रवाइयां, जो भी संभव हो, सब कुछ करते हैं। ऐसा करें भी क्यों न, युवा लोग जहरीली होती हवा, मिट्टी और पानी के प्रदूषण से प्रभावित हैं। प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण पर भी युवा किसी भी दूसरे आयुवर्ग के मुकाबले ज्यादा सहयोग के लिए तैयार हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि सरकारें सक्रिय नहीं दिखती हैं। दरअसल, ऐसा होने से उनके राजकाज संचालन में उन्हें फायदा नहीं होता। सरकारें अपने हितों के लिए हर उस कदम को उठाने से पीछे हट जाती हैं, जो ग्लोबल वार्मिंग पर निर्णायक प्रहार कर सकता है। इसलिए अब पूरे दुनिया में युवाओं के बीच यह समझ बनती जा रही है कि अगर सचमुच उन्हें अपने ग्रह को बचाना है तो ग्लोबल वार्मिंग के खात्मे के लिए एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाना ही पड़ेगा, चाहे इससे किसी को नुकसान क्यों न हो। युवाओं की यह गहराती धारणा बिल्कुल सही है। *

सामूहिक प्रयत्नों से ही संवरेगा प्रकृति का वास्तविक स्वरूप

आह्वान / राजयोगी बीके निकुंज जी

मनुष्य जीवन और प्राकृतिक परिवेश एक-दूसरे से घनिष्ठतापूर्वक जुड़े हैं, इसीलिए इनमें से किसी एक की गड़बड़ी से दूसरा प्रभावित हुए बिना रह नहीं सकता। व्यवहार विज्ञानियों के मतानुसार, वर्तमान में समूचे संसार में फैले मानव समाज की व्यावहारिक गड़बड़ियों का सबसे महत्वपूर्ण कारण पर्यावरणीय असंतुलन है।

हम पहुंचा रहे प्रकृति को नुकसान: पिछले कुछ दशकों में हुई वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी सामर्थ्य ने मनुष्य को काफी ताकत दे दी है। इसी वजह से आज हम पर्वतों को हटा सकते हैं, नदियों का मार्ग बदल सकते हैं, नए सरोवरों का निर्माण कर सकते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि हम प्राकृतिक जगत में काफी फेर-बदल कर सकते हैं। लेकिन कौन-सी फेर-बदल उचित है, कौन-सी अनुचित? क्या करने से सत्परिणाम सामने आएंगे, क्या करने से दुष्परिणाम? इन सभी बातों पर सोच-विचार किए बिना ही यदि हम प्रगति के नाम पर प्रकृति के साथ छेड़खानी करते रहेंगे, उसे भरपूर नुकसान पहुंचाएंगे तो इसे मूर्खता ही कहा जाएगा, जो हम दशकों से कर रहे हैं।

हम सब समझें अपनी जिम्मेदारी: जब हम आत्माएं इस संसार में आए थे तो बिना शरीर के आए थे। तत्पश्चात मां के गर्भ से हमें शरीर मिला और फिर कुछ महीनों बाद पृथ्वी पर हमारा जीवन प्रारंभ हो गया और हमने प्रकृति के विभिन्न तत्वों का उपभोग प्रारंभ कर दिया। शरीर धारण करने पर हमारा पहला उपभोग है ऑक्सीजन, जिसको लिए बिना हम जीवित नहीं रह सकते हैं, तभी तो कहा जाता है कि ऑक्सीजन बंद यानी, जीवन समाप्त। हम सब इस वायुमंडल में कार्बनडाइऑक्साइड को बढ़ाने और ऑक्सीजन को घटाने के लिए जिम्मेदार हैं, इसका स्मरण हम सभी को रहना चाहिए।

हम निभाएं अपने दायित्व: पिछले हजारों वर्षों से, अनेक जन्म-पुनर्जन्म लेकर हम इस धरती के वायुमंडल को दूषित करते आए हैं तो क्या यह हमारा पाप कर्म नहीं है? क्या यह हम पर प्रकृति का ऋण नहीं है? क्या इस ऋण से मुक्त होने के लिए हमने आज तक कुछ किया है? क्या हमने पेड़ लगाए? यदि लगाए, तो क्या इतने पेड़ लगाए और पाल-पोसकर बड़े किए जो हमारे द्वारा फैलाए गए प्रदूषण की भरपाई कर सकें? याद रखें! इस विषय में हम किसी दूसरे की तरफ अंगुली उठाकर यह नहीं कह सकते कि इसने भी तो नहीं किया। क्या दूसरे की तरफ अंगुली उठा देने मात्र से हमारा ऋण उतर जाएगा? हम जब श्वास लेते हैं, तब तो चिंता नहीं करते कि दूसरे को भी ठीक से सांस आ रही है या नहीं। उस समय तो केवल अपने से सरोकार होता है, तो जब ऋण उतारने की बात आए तब भी तो खुद को ही देखना चाहिए न!

प्रकृति को दें भरपूर सम्मान: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है कि 'देवांभावयतानेन ते देवा भावयंतु वः' अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित और व्यवस्थित रखने से भी है। भला ऐसा क्यों? ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती और समुन्नत बनती है। अतः मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें, न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता है और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी कार्य कर रहा है।

अतः यदि हम सब मां प्रकृति के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे, उन्हें प्रदूषित नहीं करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा, पर यदि हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी ही रखेंगे, तो फिर हमें सूखा, भूकंप, बाढ़, अकाल, भू-स्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

{ जागरूकता / वीना गौतम }

मानव अस्तित्व के लिए खतरा बिगड़ता मौसम का मिजाज

इन दिनों पूरे भारत में इतनी तेज गर्मी पड़ रही है कि लगता है, मानो आसमान से आग बरस रही हो। मौसम की इस गर्माहट ने लोगों को ही नहीं, पशु-पक्षियों को भी बेचैन कर दिया है। वास्तव में मौसम के इस डरावने बदलाव ने बहुत कुछ बदल दिया है। यह हैरान करने वाला बदलाव इसी साल देखने को नहीं मिल रहा है। पिछले एक-डेढ़ दशक से यह बदलाव जारी है। समुद्री तूफानों की संख्या बढ़ती जा रही है।

पूरी दुनिया है हैरान: सिर्फ हम ही नहीं, पूरी दुनिया मौसम के बदलते मिजाज की तबाही झेल रही है। अमेरिका में पिछले एक दशक में न केवल समुद्री तूफान 30 फीसदी ज्यादा आए हैं, बल्कि ज्यादा तबाही मचाने वाले आए हैं। ब्रिटेन में बाढ़ का कहर लोगों पर आपदा बनकर टूटता है, तो चीन एक साथ सूखे और बाढ़ की चपेट में आ जाता है। मौसम का मिजाज हमेशा से ऐसा नहीं था। एक समय ऐसा था, जब ऋतुएं अपने समय पर आती थीं और मौसम भी समय पर ही बदलता था। लेकिन अब पूरी दुनिया में ऋतुओं का यह चक्र गड़बड़ा गया है। गर्मी का मौसम धरती को अब बुरी तरह से तपाने और सताने लगा है। इस मौसम के कारण अब जलस्रोत अकसर सूख जाते हैं और सूखे की मार झेल रहे किसान बस आसमान ताकते रह जाते हैं।

लगातार गर्म हो रही धरती: मौसम विज्ञानियों के अनुसार पृथ्वी की जलवायु लगातार गर्म हो रही है। पृथ्वी का तापमान पिछले सौ वर्षों के दौरान करीब 1.2 डिग्री सेंटीग्रेड तक बढ़ गया है। समूची धरती से जंगलों के सफाए हो रहे हैं, जंगल में लगने वाली आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस आग के कारण पूरे वायुमंडल में धुआं फैल रहा है। कोयले और पेट्रोलियम पदार्थों के जलने से भी वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा लगातार बढ़ रही है। पिछले तीन सौ सालों में ही वायुमंडल में कार्बनडाइऑक्साइड की मात्रा 30 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण साइबेरिया और अलास्का जैसे वन क्षेत्रों में भी आग लगने की भीषण दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण धीरे-धीरे ग्लेशियर पिघलकर सिकुड़ रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हिमालय क्षेत्र के ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। बढ़ते तापमान के कारण पिछले सौ वर्षों में दुनिया में समुद्रों का जल स्तर 10 से 25 सेंटीमीटर तक बढ़ चुका है। अगर यही हाल रहा तो समुद्रतटों पर बसे शहरों के डूबने का खतरा पैदा हो जाएगा और महासागरों में स्थित तमाम द्वीप डूब जाएंगे।

स्थितियां हो सकती हैं भयावह: वैज्ञानिकों का अनुमान है कि वर्षा पर आधारित खेती में फसलों की उपज आने वाले दशकों में आधी रह जाएगी और अकाल का साया बढ़ता चला जाएगा। तापमान बढ़ने से टुंड्रा वनों तक हरियाली के नष्ट होने की आशंका है, जिसके कारण लाखों पशु-पक्षियों का जीवन संकट में पड़ सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जानकारों को आशंका है कि 2050 तक पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों की लगभग 10 लाख से अधिक प्रजातियां नष्ट हो जाएंगी। इन सभी समस्याओं के लिए इंसान ही अनिवार्य रूप से जिम्मेदार है। इसलिए दुनिया पर मंडराते इस संकट से निजात पाने के लिए हम इंसानों को ही आगे बढ़कर समाधान निकालना होगा। *

{ दोहे / अशोक अंजुम }

गर्मी तानाशाह है

बढ़ी तपिश यूं हो रहे, सभी जीव बेचैन।
ऐसे में हड़ताल पर घर का टेबिल फैन।।
घर के भीतर आग है, घर के बाहर आग।
है 'अंजुम' चारों तरफ, यही आग का राग।।
गर्मी तानाशाह है, लू का गुंडाराज।
अब जाने कब गिर पड़े, अपने सिर पर गाज।।
पत्ता तक हिलता नहीं, पेड़ खड़े हैं मौन।
समाधिस्थ हैं संत जी, इन्हें जगाए कौन।।
घुटी-घुटी-सी कोठरी, नहीं हवा का नाम।
नई बहू के 'जेठ' ने जीना किया हराम।।
थकी-थकी-सी बावड़ी, सूखे-सूखे घाट।
राम बुझाओ प्यास को, जोह रहे हैं बाट।।
खड़ी जेठ के आंगना, नदिया मांगे नीर।
दु:शासन-सी है तपन, खींच रही है चीर।।

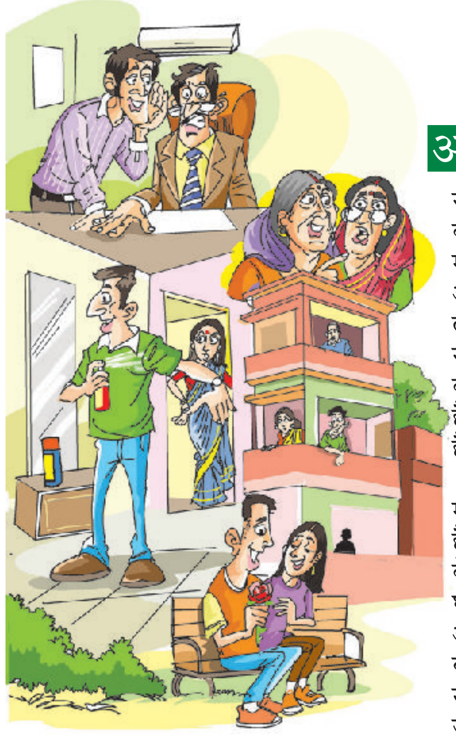

{ व्यंग्य / विनय मोघे }

सीसीटीवी

आज के जमाने में सीसीटीवी का होना जरूरी हो गया है। इसीलिए कई लोग अपने यहां सीसीटीवी लगवा रहे हैं। मेरा मानना है कि दुनिया का हर शख्स सीसीटीवी की कैद में है। आप मानो या न मानो, ऊपर वाले ने हर किसी पर अपना सीसीटीवी लगा रखा है। अब शादीशुदा लोगों की ही बात करें तो उनकी पत्नी उनका सीसीटीवी कैमरा होती है। पति कहीं भी हो, पत्नी की खोजी नजर उसे पाताल में भी नहीं छोड़ती है। पत्नी की सूक्ष्म नजर पति पर हर वक्त रहती है। पत्नी को तो सुपर सीसीटीवी कहना चाहिए।

आप कहीं भी रहते हों, झोपड़ी में या बंगले में, आप के पड़ोसी आपके सीसीटीवी कैमरे होते हैं। उनके घर के लोग वन बाय वन आप के घर के हर सदस्य पर नजर रखे होते हैं। आपके घरवालों की जो खबर आपको नहीं होती, वो आपके पड़ोसियों को होती है। आपके बेटे या बेटी का किसके साथ चक्कर चल रहा है, इसकी खबर आपसे पहले आपके पड़ोसियों को लग जाती है। किसी भी दफ्तर में बॉस के चमचे सीसीटीवी के रूप में पूरे दफ्तर में फैले होते हैं। हर पल की और हर शख्स की खबर बॉस तक पहुंचाना ही इनका मुख्य कार्य होता है। यदि इस सबसे फुर्सत मिले तो ये दफ्तर का काम करते हैं। इन सीसीटीवी चमचों पर बॉस की विशेष कृपा-दृष्टि होती है। इसके अलावा कुछ लोग दफ्तर में शौकिया तौर पर भी सीसीटीवीगिरी करते हैं। कालांतर में इनमें से कुछ अपनी इस योग्यता के बल पर बॉस के चमचों में शामिल हो जाते हैं।

भारतीय परिवारों में जब संयुक्त परिवार का चलन था, तब हर घर में कई-कई सीसीटीवी हुआ करते थे। घर के मुखिया और सास के अपने पर्सनल सीसीटीवी होते थे। जहां तक संभव हो घरों में सास खुद ही सीसीटीवी का काम अच्छे से हैंडल कर लिया करती थी। दूसरे नंबर पर ननद, घर की अच्छी सीसीटीवी हुआ करती थी। अब संयुक्त परिवार कम ही बचे हैं पर सास का सीसीटीवीपन अब भी वैसा ही है। कुछ सास की रेंज तो इतनी अच्छी होती है कि गांव में बैठे-बैठे शहर में रह रही बहू की खबर ले लेती है। अब तो आपको यकीन हो गया होगा कि आप हमेशा किसी सीसीटीवी की नजर में रहते हैं। तो जनाब थोड़ा संभल कर रहा कीजिए, क्योंकि आप भी सीसीटीवी की निगरानी में हैं। *

{ लघुकथा / यशोधरा भटनागर }

एंग्री बर्ड

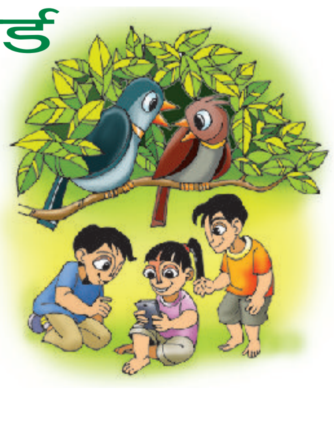

'क्यों बहन! बड़ी उदास दिख रही हो, क्या बात है?'

'कुछ नहीं सखी! समय बहुत तेजी से बदला है और बदलते समय के साथ...यह इंसान तो बिल्कुल बदल गया।'

गुलमोहर की शाखा पर, घने हरे पत्तों की छांह में बैठी चिड़ियां आपस में बतिया रही थीं। 'हां देखो न! हम इनके साथ ही इनके घरों में कितने प्यार से रहते थे।'

'हमारी कहानियां भी बच्चे कितने चाव से सुनते थे।'

'एक थी चिड़िया, एक था चिरौंटा, चिड़िया लाई चावल का दाना, चिड़ा लाया दाल का दाना। दोनों ने बनाई खिचड़ी...।'

'चींचीं! चींचीं! कहकर हमें कितना प्यार करते थे।' 'बहन इस नन्हे बच्चे को देखो। मोबाइल पर चलती अंगुलियों संग यह अपनी ही दुनिया में डूबा है, जहां सब कुछ नकली है, झूठा है, आभासी है। उसी को देख-देखकर यह हंसता है, मुस्कुराता है और उदास होता है। और इसकी संगी-साथी यह कौन-सी चिड़िया है- 'एंग्री बर्ड!' 'हमारी तो किसी बहन का नाम 'एंग्री बर्ड' नहीं है।' 'अरे, इन बच्चों की यह कौन-सी दुनिया है बहन? जिसमें न हम हैं, न ये पेड़ हैं और तो और न ये इंसान ही हैं।' दोनों चिड़ियां ऊपर से झांक-झांक कर 'अनोखी दुनिया' को चीन्हने की कोशिश कर रही थीं। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 19000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर महिलाओं के कर्तृत्व की क्षमता की प्रतीकः भागवत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर महिलाओं के कर्तृत्व की क्षमता की प्रतीक हैं। देवी अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी का यह वर्ष है।

हमारे लिए आज की स्थिति में भी उनका चरित्र आदर्श के समान है। दुर्भाग्य से उनको वैधव्य प्राप्त हुआ। लेकिन एक अकेली महिला होने के बाद भी अपने बड़े राज्य को केवल सम्भालना नहीं, बड़ा करना और केवल राज्य को बड़ा नहीं करना, तो उसको सुराज्य के नाते उसका कार्यवहन करना। राज्यकर्ता कैसा हो वह इसका आदर्श हैं। यह बात शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर सोशल मीडिया अकाउंट पर एक संदेश जारी करते हुए कही।

डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि उनके नाम के पीछे पुण्यश्लोक यह शब्द है। पुण्यश्लोक उस राज्यकर्ता को कहते हैं, जो राज्यकर्ता अपनी प्रजा को सब प्रकार के अभावों से मुक्त करता है, दुःख से मुक्त करता है। एक तरह से प्रजा के प्रति अपने कर्तव्य से उऋण हो जाता है। जिसके राज्य में प्रजा सुखी रहती है।

देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक का संदेश

जो आदर्श राज्यकर्ता हुए, उनमें से एक देवी अहिल्याबाई

सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि वास्तव में उस काल में हमारे यहां पर जो आदर्श राज्यकर्ता हुए उनमें से एक देवी अहिल्याबाई थीं। अपनी प्रजा को रोजगार मिले, इसलिए उन्होंने उद्योगों का निर्माण किया और ऐसा पक्का निर्माण किया कि महेश्वर का वस्त्र उद्योग आज भी चलता है और बहुत लोगों को रोजगार देता है। प्रजा के सभी अंगों की, जो दुर्बल थे, पिछड़े थे उन्होंने उनकी भी चिंता की। अपने राज्य की कर व्यवस्था को उन्होंने सुसंय कर दिया। किसानों की चिंता की। सब प्रकार से उनका राज्य सुराज्य था। प्रजा की माता के जैसे चिंता करने वाली राज्यकर्ता, इस नाते उनको देवी अहिल्याबाई यह विधा उसी समय प्राप्त हुआ होगा, क्योंकि अपने बचपन से हम उनका नाम सुनते हैं तो केवल अहिल्याबाई होलकर ऐसा नहीं सुनते, देवी अहिल्याबाई होलकर ऐसा सुनते हैं। तो ऐसी पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर महिलाओं के कर्तृत्व की क्षमता की प्रतीक हैं।

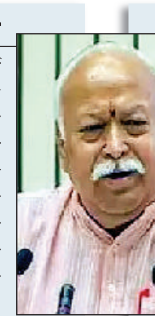

देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अकेली महिला होने के बाद भी राज्य को संभाला, उसका विस्तार भी किया

खुद को शासक नहीं माना, श्री शंकर कृपे करूण ऐसा लिखती थीं देवी अहिल्याबाई, देश में मंदिर बनवाए

मातृशक्ति कितनी सशक्त है और क्या- क्या कर सकती है, कैसे कर सकती है? इसका अनुकरण करने लायक आदर्श देवी अहिल्याबाई ने अपने जीवन से हम सब लोगों के सामने रखा है। राज्य को उन्होंने कुशलतापूर्वक चलाया। अपने देश की संस्कृति का जो आधार है, उसको पुष्ट करने के लिए देश में अनेक स्थानों पर उन्होंने मंदिर बनवाए। स्वयं राज्य करती थीं, तो भी अपने को राजा नहीं मानती थीं। श्री शंकर कृपे करूण ऐसा लिखती थीं। श्री शंकर आज्ञेकरूण-शिव भगवान की आज्ञा से राज्य चला रहीं हैं, ऐसा उनका भाव था। उन्होंने कई जगह मंदिर बनवाए, नदियों पर घाट बनवाए, धर्मशालाएं बनवाई। उन्होंने सारे भारत में यह कार्य किया।

स्वयं रानी होकर बहुत सादगी से रहती थीं

स्वयं रानी होकर बहुत सादगी से रहती थीं। इस प्रकार प्रजा का पालन, राज्य का संचालन, राज्य की सुरक्षा, देश की एकात्मता-अखंडता, सामाजिक समरसता, सुशीलता और सादगी, इनका आदर्श रखने वाली एक महिला राज्यकर्ता, आदर्श महिला इस प्रकार पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई का चित्र हमारे सामने है। आज भी हमारे लिए वो एक आदर्श है।

खबर संक्षेप

वरुण कपूर स्पेशल डीजी के पद पर पदोन्नत

भोपाल। गृह विभाग ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आरएपीटीसी इंदौर वरुण कपूर को स्पेशल डीजी के पद पर पदोन्नत किया है। कपूर की पदस्थापना यथावत रखी गई है। कपूर 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वहीं स्पेशल डीजी अनुराधा शंकर सिंह शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गईं।

छिंदवाड़ा के लिए तीन केंद्रीय प्रेक्षक नियुक्त

भोपाल। छिंदवाड़ा लोकसभा के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने काउंटिंग के लिए तीन केंद्रीय प्रेक्षकों की नियुक्ति की है। डीपी चौहान, दुशमंता कुमार बेहरा, मुनीर उल इस्लाम को केंद्रीय प्रेक्षक बनाया गया है। 125 सौसर, 126 छिंदवाड़ा में डीपी चौहान; 122 जुन्नारदेव, 123 अमरवाड़ा के लिए दुशमंता कुमार बेहरा; तथा 124 चौराई, 127 परासिया, 128 पांढुर्णा के लिए मुनीर उल इस्लाम को केंद्रीय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

700 कर्मचारियों ने ली वोट गिनने की ट्रेनिंग

भोपाल। लोकसभा चुनाव के लिए 4 जून को मतगणना होनी है। इसके लिए मतगणना से जुड़े करीब 700 अधिकारी-कर्मचारियों को शुक्रवार को समन्वय भवन और मॉडल स्कूल में ट्रेनिंग दी गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक पांडे ने बताया कि इसमें 700 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। 3 जून को इन कर्मचारियों के लिए एक ब्रीफिंग होगी, जिसमें उनके डाउट दूर किए जाएंगे। शुक्रवार को उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की कलेक्टोरेट में बैठक हुई। इस दौरान उन्हें मतगणना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि सातों विधानसभा में फोन की सुविधा रहेगी।

केसरिया हिंदू वाहिनी संत के प्रदेश सचिव बने सुरेश

भोपाल। बाग मुगालिया स्थित अरविंद विहार पुरानी बस्ती के श्री हरि बाबा रामदेव आश्रम गंगा धाम में केसरिया हिंदू वाहिनी संत प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें केसरिया हिंदू वाहिनी संत प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भैरव महाराज ने वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश परवलिया को प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव बनाया गया है, जबकि रामदेव महाराज हरिहर को प्रकोष्ठ का प्रदेश महासचिव बनाया गया है। इसके बाद बैठक में तमाम धार्मिक आयोजन को लेकर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह का शुभारंभ

देवी अहिल्याबाई होल्कर ने धर्म के भाव के साथ शासन व्यवस्था चलाने का उदाहरण किया प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई का व्यक्तित्व, जीवन और चरित्र हम सबके लिए आदर्श है। वह एक तपोनिष्ठ, धर्मनिष्ठ तथा कर्मनिष्ठ शासक, प्रशासक रही है। उनसे हम सबको प्रेरणा लेना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि धर्म के भाव के साथ शासन व्यवस्था चलाने का उन्होंने बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। वर्ष भर चलने वाले त्रिशताब्दी समारोह के दौरान पूरे देश में जगह-जगह माता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम में लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, कृष्णगोपाल, महामंडलेश्वर किरणदास बापू महाराज, महामंडलेश्वर कृष्णवंदन महाराज भी विशेष रूप से मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई हमारी आदर्श हैं। देवी अहिल्याबाई का नाम पूरे देश में रोशन है। उनका धर्म तथा राज्य व्यवस्था में विशेष महत्व है। उनका मुख्य ध्येय था कि उनकी प्रजा कभी भी अभावग्रस्त और भूखी नहीं रहे। उनके सुशासन की यशोगाथा पूरे देश में प्रसिद्ध है। देवी अहिल्याबाई के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई की ओर से शिव पूजा के क्षेत्र में किए गए कार्य आज भी पूरे देश में बेहतर उदाहरण के रूप में है। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती महाजन ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई के पुण्य प्रताप से मालवा सहित पूरा प्रदेश खुशहाल है। वे बेहतर प्रशासक और शासक रही हैं। उनमें कार्ययोजना बनाकर अमल करने की अद्भुत क्षमता थी। वे ईमानदार, धर्मनिष्ठ, राजयोगी थी। उनके जीवन से हमें सीखना चाहिए। उन्होंने मोढ़ी लिपि के संरक्षण की बात भी कही।

नारी शक्ति तथा सादगी की प्रतिमूर्ति तपस्वी महिला थी देवी अहिल्याबाई

देवी अहिल्याबाई तपोनिष्ठ, धर्मनिष्ठ तथा कर्मनिष्ठ शासक, प्रशासक रही

देवी अहिल्याबाई ने जनसेवा कर अपने जीवन को सार्थक बनाया

मुख्य वक्ता सुश्री निवेदिता भिड़े ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने जनसेवा कर अपने जीवन को सार्थक बनाया। उनका पूरा जीवन और कार्य पूरी प्रजा को सुखी रखने के लिए था। प्रजा को सुखी रखने के लिए वे अपने आप को प्रजा के प्रति उत्तरदायी मानती थी। उन्होंने हर काम ईश्वर से प्रेरित होकर किया। वे नारी शक्ति तथा सादगी की प्रतिमूर्ति, तपस्वी महिला थी। उनकी न्यायप्रियता के किस्से जग जाहिर हैं। उन्होंने जीवन में आए दुःख और कष्टों का साहसपूर्वक सामना किया। देवी अहिल्याबाई ने अपने कष्ट और संकट को जनसेवा में बाधा नहीं बनने दिया। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ ने कहा कि माता देवी अहिल्या बाई ने शिव समर्पण का भाव रखते हुए अनुकरणीय एवं आदर्श कार्य किए हैं। राष्ट्र के लिए उन्होंने हमेशा धर्म को साथ रखते हुए समर्पण के साथ कार्य किए हैं।

मुख्यमंत्री-भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश मीडिया सेंटर में महान वीरांगना देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल उपस्थित रहे।

पाल समाज ने देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती धूमधाम से मनाई

पाल समाज ने देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती धूमधाम से मनाई। श्रीकृष्ण मंदिर समिति 26-27 लाइन साउथ टीटी नगर में आयोजित जन्मोत्सव समारोह में पाल, बघेल, धनगर, नीखर व ग्वाल यादव समाज के लोग शामिल हुए। महेन्द्र सिंह बघेल अध्यक्ष श्री गोवर्धन मंदिर समिति तथा उपाध्यक्ष जयराम सिंह बघेल, शंकरलाल बघेल, सचिव रामसिया बघेल (पप्पू), भैयालाल पाल, रूपेश पाल, समय पाल, नर्मदा प्रसाद पाल, पत्रकार भानुप्रताप सिंह पाल, प्रहलाद पाल, कमल सिंह पाल, राजबहादुर पाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लोस चुनाव का परिणाम शोध का विषय बनेगा

पूरे देश में अबकी बार 400 पार की गूंज, हर तरफ भाजपा के पक्ष में माहौलः सीएम डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में सुनामी चल रही है। देश के हर हिस्से में 'अबकी बार, 400 पार' के संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने प्रदेश भर में चुनाव के दौरान किए गए जनसभाओं, रोड शो, सम्मेलनों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव व प्रदेश अध्यक्ष शर्मा प्रदेश मीडिया सेंटर में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने चुनाव शांति और सद्भावनापूर्वक संपन्न होने पर प्रदेश की जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक टीम के रूप में पार्टी ने अपनी रणनीति और कार्ययोजना पर आगे बढ़ते हुए यह चुनाव लड़ा है। भाजपा प्रदेश की सभी 29 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल करेगी। मप्र के लोकसभा चुनाव परिणाम राजनीतिक विश्लेषकों और अनुसंधानकर्ताओं के लिए अध्ययन का विषय बनेंगे। डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में चुनाव के दौरान भाजपा सहित सभी दलों ने सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में चुनाव लड़ा। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे के लिए चुनाव में बोलना अलग बात है, लेकिन व्यक्तिगत कटुता वाले किसी भी भाव को किसी भी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सामने नहीं रखा और एक स्वस्थ वातावरण में अपनी-अपनी बात कही है। उसका परिणाम है कि मप्र के चारों चरणों के चुनाव में किसी भी दल के साथ मनमुटाव नहीं रहा। मतदान में भाग लेकर लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रदेश की जनता को धन्यवाद देता हूं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि चुनाव में 21 लोकसभा संवाद केंद्रों से 1 करोड़ 64 लाख 85 हजार 560 फोन किए गए और चारों चरणों में 298 वीसी के माध्यम से कार्यकर्ताओं को जोड़ा गया। लगभग 22 हजार महिलाओं ने महिला कॉल सेंटर में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 6 देशों के राजनीतिक प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के बूथ प्रबंधन और प्रेजेंटेशन को देखा।

दस हजार से ज्यादा शक्ति केंद्रों पर नुक्कड़ सभाएंः वीडी

प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव के दौरान 12 हजार शक्ति केंद्रों में से 10 हजार 99 शक्ति केंद्रों पर पथ सभाओं (नुक्कड़ सभा) का आयोजन किया गया, जिसमें 2070 पार्टी नेताओं ने सभाएं ली और करीब 20 लाख लोग इन पथ सभाओं में शामिल हुए। 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस पर केवल एक दिन में प्रदेश के बूथों पर 2 लाख 82 हजार 242 लोगों को पार्टी ज्वॉइन कराई गई। 14 अप्रैल को बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर स्वच्छता अभियान के तहत 66 हजार 826 जगहों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मतदाता पर्ची वितरण अभियान में भी सभी 64 हजार 523 बूथों पर काम किया गया। 10 दिन 2 घंटे अभियान चलाया गया, जिसके तहत 40 हजार 866 बूथों पर कुशल रणनीति बनाने का काम किया। 6 लाख से अधिक लोगों को शामिल कर 5300 से अधिक सामाजिक बैठकें पार्टी नेतृत्व ने की।

लू की चपेट में आने से ट्रक ड्राइवर की मौत

यूपी के प्रतापगढ़ का रहने वाला था ट्रक चालक निसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

छत्तीसगढ़ समेत कांकेर जिले में भीषण गर्मी का कहर जारी है। जिले के चारामा में एक ट्रक ड्राइवर की लू की चपेट में आने से मौत हो गई है। सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे ने मामले की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी में ट्रक ड्राइवर लगातार दो दिनों से ट्रैवल कर रहा था, विशाखापटनम से चारामा डामर लेकर आने के बाद प्लांट में उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसे तत्काल चारामा के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले का रहने वाला निसार अहमद विशाखापटनम से डामर लेकर चारामा के कहाड़गोंदी गांव पहुंचा था, जहां अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो गया, जिसके बाद मजदूरों ने उसे स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड दिया।

सनातन धर्म की सीख से विश्व का परिचय करा रही हैं पद्मश्री अनुराधा पौडवाल

मुंबई । संपूर्ण विश्व इन दिनों सनातन धर्म की शिक्षाओं से ज्ञान का प्रकाश ले रहा है। इसी दिशा में हाल ही में ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में बहुसांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें लोकप्रिय भारतीय गायिका पद्मश्री अनुराधा पौडवाल ने सनातन धर्म के महान प्रकाश स्तंभ श्री आदि शंकराचार्य की शिक्षाओं पर आधारित संगीत की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम के दौरान भारत एवं बांग्लादेश के बीच एक क्रॉस-बॉर्डर म्यूजिक कोलैबोरेशन (सीमा पार संगीत सहयोग) का भी एलान किया गया। भारतीय प्लेबैक गायिका अनुराधा पौडवाल और बांग्लादेशी संगीतकार आसिफ अली ने प्रशंसकों के बीच

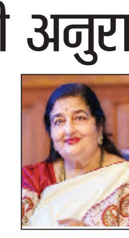

अपना एल्बम लॉन्च किया।अनुराधा पौडवाल सनातन धर्म से विश्व का परिचय करने के मिशन पर काम कर रही हैं। सनातन धर्म सभी धर्मों एवं संस्कृतियों का मूल है, जो मनुष्यता के साथ जीने की सीख देता है। यह विविधता से परिपूर्ण संसार को एक सूत्र में पिरोने का ज्ञान देता है। इस सांस्कृतिक संध्या के दौरान विभिन्न पृष्ठभूमि एवं मान्यता के लोग एकत्र हुए, जिन्हें प्रेम एवं सम्मान की भावना ने ही साथ किया था। यही सनातन धर्म की सीख है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हरी किशन, पुत्रः** स्व. श्री छज्जू राम, **पताः** डी–596 (597), जे. जे. कॉलोनी, मादीपुर, नई दिल्ली ने **FIR No. 278/16, U/s 307 IPC, थानाः पंजाबी बाग, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हरी किशन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हरी किशन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 278/16, U/s 307 IPC, थानाः पंजाबी बाग, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **हरी किशन** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.07.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ. सुरेन्द्र मोहित सिंह
अति. सत्र न्यायाधीश (एफटीसी)–01
कमरा नंबर 313, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6340/WD/2024
(Court Matter)

बस्तर से रायपुर आ रही 40 यात्रियों से भरी बस में लगी आग, जलकर खाक

रेडिएटर ओवरहीटिंग होने की वजह से बस में लगी आग, एक महिला घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बस के दरवाजे, खिड़की से कूदकर यात्रियों ने बचाई जान

रायपुर के अभनपुर में चलती बस में आग लग गई है। बताया जा रहा है कि रेडिएटर ओवरहीटिंग होने की वहज से बस में आग लग गई और बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। जानकारी के मुताबिक यह बस बस्तर से रायपुर आ रही थी, इस दौरान रायपुर के अभनपुर के पास यह भीषण हादसा हुआ है। बस में करीब 40 यात्री सवार थे, जिसमें एक महिला के घायल होने की सूचना है। बाकी सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार बस्तर से रायपुर आने के दौरान कुरुद के पास बस में तेज हीटिंग हो रही थी। इसके अलावा रेडिएटर के पास से धुआं भी निकल रहा था। बताया जा रहा है कि बस महिंद्रा कंपनी की थी। जैसे ही ड्राइवर ने बस से धुआं उठता देखा, बीस रास्ते में गाड़ी उसे ठंडा करने की कोशिश शुरू की। बताया जा रहा है कि जब बस अभनपुर के पास पहुंची तब बस में धीरे-धीरे आग फैलने लगी थी। ड्राइवर ने सूझबूझ के साथ यात्रियों और खुद की सुरक्षा की है।

यात्रियों ने बस के दरवाजे और खिड़कियों से कूद कर अपनी जान बचाई की खबर है। बताया जा रहा है कि घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। इसके बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड टीम जब तक आग पर काबू पाती बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

युवक की दबंगई, कार से कई गाड़ियों में मारी टक्कर, मालिक को भी कुचलने की कोशिश

जगदलपुर। जगदलपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के अशोका लाइफ स्टाइल धरमपुरा में बीती रात को कालोनी में रहने वाले युवक ने अपने कार से ही कालोनी में खड़े गाड़ियों को ठोकर मार क्षतिग्रस्त कर दिया, इस घटना के बाद जब कर मालिक ने उसे रोकने की कोशिश की तो उनके ऊपर भी कार चढ़ाने की कोशिश की। घटना के बाद प्रार्थियों ने मामले की शिकायत कोतवाली थाना में दर्ज कराई है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए अशोका लाइफ स्टाइल धरमपुरा में रहने वाले निकेश देवांगन व रजनीश देवांगन ने बताया कि 31 मई व 1 जून की रात करीब 12.30 बजे के लगभग कालोनी में रहने वाले युवक ने अपने कार से कालोनी में खड़े अन्य कारों को क्षतिग्रस्त करना शुरू कर दिया। तेज आवाज सुनकर कालोनी का गार्ड त्रिलोचन नाग के साथ ही अन्य लोग आ पहुंचे, जहां गाड़ियों को ठोकर मार रहे युवक को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह समझने को तैयार ही नही था। इसके अलावा जब गार्ड व अन्य कालोनी के लोगों ने युवक को रोकने की कोशिश किया तो उनके ऊपर ही कार चालक ने कार चढ़ाने की कोशिश की जिसके बाद युवक वहां से हट गए। सुबह कालोनी के लोगों ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कराने के लिए कोतवाली पहुँचे जहाँ आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल अरोड़ा उर्फ राहुल कुमार पुत्र रवि कुमार निवासी मकान नं. 3479/8, राम राखा मल के सामने, जंजगढ़, कटरा सुफैद, अमृतसर, पंजाब,** अन्य पताः **जे-32/14, मेन मार्केट, पंजाबी बाग, दिल्ली;** अन्य पताः **बंगला नं. 22, पैडर रोड, कुम्बाला हिल्स, एंटीलिया अल्टामाउंट रोड के पास, मुंबई, महाराष्ट्र** ने एफआईआर संख्या **125/2018, धारा 354/506/509/140/468/471/474 आईपीसी व 67-ए आईटी एक्ट, थाना राजौरी गार्डन, जिला पश्चिम, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल अरोड़ा उर्फ राहुल कुमार** मिल नहीं रहा/रहे हैं, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल अरोड़ा उर्फ राहुल कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रहे हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर संख्या **125/2018, धारा 354/506/509/140/468/471/474 आईपीसी व 67-ए आईटी एक्ट, थाना राजौरी गार्डन, जिला पश्चिम, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल अरोड़ा उर्फ राहुल कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.07.2024** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अकांक्षा गौतम
एल.डी. महानगर न्यायाधीश (पश्चिम)
कमरा नं. 356, तीसरी मंजिल, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6443/WD/2024
(Court Matter)

18वीं लोकसभा के लिए सभी सात चरण के मतदान पूरे हो गए हैं। अंतिम चरण के मतदान के बाद अलग अलग एजेंसियों द्वारा किए गए एग्जिट पोल के अनुमानों में केंद्र में तीसरी बार मोदी की सरकार बनने जा रही है। अंतिम परिणाम चार जून को आएगा, इससे पहले अगर इस बार के आम चुनाव के प्रचार के दौरान सत्ता पक्ष व विपक्ष की ओर से उठाए गए मुद्दों का अवलोकन करें तो, बेरोज़गारी, महंगाई, हिन्दू-मुस्लिम, राम मंदिर, मुस्लिम आरक्षण, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, जातीय जनगणना, पाकिस्तान, तुष्टिकरण आदि मुद्दे हावी रहे, लेकिन सामाजिक-आर्थिक सुधार और विकास की भावी रूपरेखा को लेकर सन्नाटा-सा छाया रहा। किसान कर्जमाफी और एमएसपी के आश्वासन भी 'सियासी' ही दिखे, क्योंकि ऐसी घोषणा वालों को भीतरी एहसास था कि उन्हें सत्ता में नहीं आना है। राजनीतिक दलों और नेताओं ने खूब आश्वासन बांटे, वादे भी परोसे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियां चर्चा में रहीं। विपक्ष के प्रवक्ता नेता आखिर तक देश को पूरी तरह आश्वस्त नहीं कर सके कि वे चुनाव जीत रहे हैं। सारांश में रोटी, कपड़ा, मकान और बुनियादी न्याय पर यह चुनाव लड़ा गया, लेकिन मुद्दों का मज़ाक भी बनता रहा। पूरे चुनाव के दौरान दलों की ओर से कोई ठोस, निश्चित 'राष्ट्रीय विज़न' पेश नहीं किया गया। आखिर नई संसद और सरकार किन मुद्दों के आधार पर देश को संचालित करेंगे। इस बार के आम चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान पक्ष व विपक्ष के दलों के वादों, मुद्दों, कटाक्षों और व्यक्तिगत हमलों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

मोदी के इर्द-गिर्द ही रहा चुनाव अभियान

विश्लेषण

सुशील राजेश

वरिष्ठ पत्रकार

दरअसल यह आम चुनाव प्रधानमंत्री मोदी का ही रहा। चुनाव या तो उनके पक्ष अथवा विरोध का रहा। प्रधानमंत्री मोदी के इर्द-गिर्द ही चुनाव केंद्रित रहा। 'मोदी है तो मुमकिन है' और 'अब की बार, 400 के पार' मानने और हुंकार भरने वालों की बड़ी संख्या रही, तो मोदी से नफरत करने वाले समूह भी अपने दुराग्रहों पर जमे रहे। चुनावी मुद्दा यह था कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे या उन्हें सत्ता के बाहर कर दिया जाएगा। यह चुनाव प्रधानमंत्री मोदी बनाम मुद्दों का रहा। विपक्ष ने मुद्दे जरूर उठाए, लेकिन उन्हें जनता तक पहुंचाने में वे नाकाम रहे। 'इंडिया' गठबंधन तो न्यूनतम कार्यक्रम तक नहीं बना पाया। गांवों तक एक भ्रामक प्रचार फैलाने में विपक्ष सफल रहा कि संविधान बदल दिया जाएगा।

अठारहवीं लोकसभा के लिए आम चुनाव सम्पन्न हो गया। करीब 60 करोड़ भारतीयों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया और नई संसद के लिए जनादेश दिया। इस बार 1.80 करोड़ नए, युवा मतदाता भी जोड़े गए। हैरानी है कि अधिकांश चुनाव के प्रति उदासीन रहे। राजनीतिक दलों और नेताओं ने खूब आश्वासन बांटे, वादे भी परोसे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियां चर्चा में रहीं। उन्हें कसौटी पर परखा जा चुका है, लेकिन जनादेश घोषित होने के बाद उनकी नई अग्निपरीक्षा होगी। चुनाव के दौरान बेरोज़गारी, महंगाई, हिन्दू-मुस्लिम, राम मंदिर, मुस्लिम आरक्षण, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, जातीय जनगणना, पाकिस्तान, तुष्टिकरण आदि ढेरों मुद्दे उठाए गए, लेकिन सामाजिक-आर्थिक सुधार और भावी रूपरेखा को लेकर सन्नाटा-सा छाया रहा। किसान कर्जमाफी और एमएसपी के आश्वासन भी 'सियासी' रहे, क्योंकि ऐसी घोषणा वालों को भीतरी एहसास था कि उन्हें सत्ता में नहीं आना है। अलबत्ता प्रधानमंत्री किसानों के लिए किए गए प्रयासों की चर्चा जरूर करते रहे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 'खटाखट' गरीबी हटाने और 'टकाटक' संसदीय सीटें जीतने की हास्यास्पद पैरोडी जरूर पेश की। इसी तर्ज पर 'फटाफट' और 'गटागट' के जरिये विपक्ष ने खुद पर ही तंज कसे, लेकिन विपक्ष के प्रवक्ता नेता आखिर तक देश को पूरी तरह आश्वस्त नहीं कर सके कि वे चुनाव जीत रहे हैं। सारांश में रोटी, कपड़ा, मकान और बुनियादी न्याय पर यह चुनाव लड़ा गया, लेकिन मुद्दों का मज़ाक बनता रहा। विपक्ष ने मतदान के तीसरे चरण से यह राग अलापना शुरू किया कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा देश का संविधान बदल देंगे और लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा, लेकिन पूरे चुनाव के दौरान कोई ठोस, निश्चित 'राष्ट्रीय विज़न' पेश नहीं किया गया। आखिर नई संसद और सरकार किन मुद्दों के आधार पर देश को संचालित करेंगे।

पक्ष अथवा विरोध

दरअसल यह आम चुनाव प्रधानमंत्री मोदी का ही रहा। चुनाव या तो उनके पक्ष अथवा विरोध का रहा। प्रधानमंत्री मोदी के इर्द-गिर्द ही चुनाव केंद्रित रहा। 'मोदी है तो मुमकिन है' और 'अब की बार, 400 के पार' मानने और हुंकार भरने वालों की बड़ी संख्या रही, तो मोदी से नफरत करने वाले समूह भी अपने दुराग्रहों पर जमे रहे। चुनावी मुद्दा यह था कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे या उन्हें सत्ता के बाहर कर दिया जाएगा। यह चुनाव प्रधानमंत्री मोदी बनाम मुद्दों का रहा। विपक्ष ने मुद्दे जरूर उठाए, लेकिन उन्हें गंभीरता से जनता तक पहुंचाने में वे नाकाम, असहाय रहे। 'इंडिया' गठबंधन तो न्यूनतम कार्यक्रम तक नहीं बना पाया। हालांकि गांवों तक एक भ्रामक प्रचार फैलाने में विपक्ष सफल रहा कि संविधान बदल दिया जाएगा। संविधान बदला गया, तो आरक्षण की व्यवस्था भी समाप्त हो जाएगी। संभवतः 2024 अंतिम चुनाव साबित होगा, क्योंकि उसके बाद संसदीय चुनाव 'एकाधिकारवाद' के तहत होंगे। ग्रामीण जनता ने इस दुष्प्रचार पर कुछ यकीन भी किया, नतीजतन प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पलटजवाब देते हुए देश को भरोसा बांटते रहे कि अब बाबा आंबेडकर भी संविधान को बदल नहीं सकते। संविधान और लोकतंत्र पर विपक्षी दुष्प्रचार हास्यास्पद और बेमानी था, क्योंकि भारत कोई 'केला गणतंत्र' नहीं है। यह चुनाव मोदी आधारित इसलिए भी रहा, क्योंकि कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के नेता प्रधानमंत्री के खिलाफ नफरत की हद तक प्रचार करते रहे, लिहाजा भाषा की मर्यादाएं भी टूटीं।

मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा

दरअसल चुनाव के दौरान मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा घोर प्रबल रहा। दूसरी ओर युवा चेहरे बेरोज़गारी को लेकर चिन्ता और आक्रोश जताते रहे, लेकिन बेरोजगारी देश का जनादेश तय नहीं कर पाई। चुनाव के शुरुआत में एक डाटा सार्वजनिक किया गया कि मोदी सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान 51.40 करोड़ रोज़गार सृजित किए। इनमें नौकरियां, स्वरोज़गार और निजी क्षेत्र में दिहाड़ीदार रोज़गार भी शामिल हैं। यह भी दावा किया गया कि 43 करोड़ से अधिक लोगों को 'मुद्रा लोन' दिए गए। जाहिर है कि वह भी रोज़गार का एक हिस्सा है। सरकार की 12 प्रमुख परियोजनाओं के तहत 19.79 करोड़ को रोज़गार दिया गया। दलील दी गई कि यदि यूपीए सरकार मनरेगा दिहाड़ी को रोज़गार मानती थी, तो मोदी सरकार के दौरान ऐसे अवसरों को रोज़गार क्यों नहीं माना जाना चाहिए? इन दावों के विपरीत देश में बेरोज़गारी का संकट बदतर होता जा रहा है। सरकार कुछ भी दावा करे, लेकिन आम चुनाव के 6 चरणों तक केरल, हरियाणा, महाराष्ट्र सरीखे सम्पन्न राज्यों से लेकर बिहार, ओडिशा, राजस्थान जैसे अपेक्षाकृत गरीब राज्यों तक बेरोज़गारी सबसे बड़ी चीख रही है। 7वें चरण के प्रचार में भी ये मसले रहे। सीएसडीएस-लोकनीति के सर्वे में यह निष्कर्ष भी सामने आया कि 29 फीसदी से अधिक लोग बेरोज़गारी को सबसे बड़ा मुद्दा मानते हैं। 'आवधिक श्रम बल सर्वे' के ताज़ा डाटा के मुताबिक, जनवरी-मार्च तिमाही में बेरोज़गारी, 15-29 साल के आयु-वर्ग में 17 फीसदी से अधिक रही है। बेशक जीडीपी दर वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 8.2 फीसदी बताई जा रही है, जो दुनिया के देशों में सर्वाधिक है, लेकिन वर्तमान कॉरपोरेटी आर्थिक मॉडल में अमीर ज्यादा अमीर हो रहे हैं और मजदूर, किसान और कामगार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है।

अल्पसंख्यक दर्जा कांग्रेस का पुराना खेल

मुस्लिम आरक्षण 2024 के चुनाव का ही मुद्दा नहीं था, बल्कि इसकी शुरुआत देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के कालखंड से हुई, जब नेहरू मुस्लिम आरक्षण का कोई प्रस्ताव पारित कराना चाहते थे। सरदार पटेल की आपत्ति और उनके आग्रह के कारण वह पारित नहीं हो पाया, लेकिन कांग्रेस सरकारों के दौरान 13,000 से अधिक स्कूलों को 'अल्पसंख्यक दर्जा' दिया गया और उनमें दलित, आदिवासी, ओबीसी के आरक्षण की व्यवस्था नहीं रखी गई। बाद में ऐसा अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी और जामिया मिल्लिया यूनिवर्सिटी आदि में लागू किया गया। कांग्रेस ने केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश में मुसलमानों को आरक्षण दिया। इसका उल्लेख 2009 के कांग्रेस घोषणा-पत्र में है। अब 2024 के चुनाव कांग्रेस इसी धार्मिक विभाजन पर लड़ना चाहती थी और देशभर में मुस्लिम आरक्षण लागू करना चाहती थी। यह दीगर है कि जीत की उसे उम्मीद नहीं थी। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी चुनाव भर मुस्लिम आरक्षण का विरोध करते रहे। उन्होंने बार-बार कहा कि जब तक मोदी जिंदा है, तब तक दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का आरक्षण छीनने नहीं देगा।' कमोबेश चुनाव में हिन्दू-मुसलमान के नाम पर ध्रुवीकरण और लामबंदी इसी मुद्दे के कारण हुई। इसमें राम मंदिर का भी योगदान अहम है, क्योंकि भाजपा काडर की टीमें कई बार घर-घर गई हैं और राम के नाम पर वोट मांगे हैं।

एक चुनाव रणनीति पर काम

भाजपा ने एक चुनाव-रणनीति पर काम किया था। वह चुनाव को प्रधानमंत्री मोदी के विशेष कार्यक्रमों से जोड़ कर लाभ लेना चाहती थी। उसके लिए अलग-अलग लाभार्थी समूह तैयार किए गए। 'मुफ्त आवास' से ही 1.18 करोड़ परिवार लाभार्थी माने गए हैं। रणनीति थी कि ऐसे प्रत्येक घर से औसतन 2 वोट जरूर हासिल किए जाएं। मोदी सरकार 80 करोड़ से अधिक गरीबों को 'मुफ्त राशन' बांटती रही है। रणनीति थी कि यदि 50 फीसदी लाभार्थी भी भाजपा को वोट देते हैं, तो 40 करोड़ वोट मिल सकते हैं, लेकिन लक्ष्य तय किया गया था कि कमोबेश 25 फीसदी ऐसे लाभार्थी जरूर वोट करें। इसी रणनीति के आधार पर प्रधानमंत्री और भाजपा नेता चुनाव के अंत तक 400 पार के लक्ष्य से पीछे नहीं हटे। दूसरी ओर कांग्रेस ने एक अंदरूनी सर्वे कराया था, जिसकी रपट 1 जून के अंतिम चरण के मतदान से पहले सामने आई है। उसमें खुद कांग्रेस 100-115 सीट जीतने की मान रही है। स्पष्ट बहुमत के आंकड़े 273 तक पहुंचने के लिए शेष संख्या कहां से आएगी? अलबत्ता राहुल गांधी अंत तक दावा करते रहे कि जीत निश्चित है। क्लीन स्वीप होगा। जीतने वाली सीटों की ऐसी लाइन लगेगी कि टकाटक, टकाटक....! और फिर मोदी जी तथा भाजपा को बाय, बाय। टाटा...! बहरहाल किस पक्ष की कितनी सीटें आएंगी, कौन बहुमत आसानी से पा कर लेगा, इसकी भविष्यवाणी नहीं हो सकती। चुनाव का 'एग्जिट पोल' देश के सामने है। यह कुछ विशेषज्ञों का अनुमान भर है, जो पूरी तरह गलत भी साबित होता रहा है। फिर भी चुनावी लहर और हवा की दिशाओं का कुछ खुलासा तो हुआ है। गंभीर सवाल है कि यदि कांग्रेस और 'इंडिया' अपनी बहुमती जीत के प्रति आश्वस्त थे, तो खासकर कांग्रेस ने एग्जिट पोल का बहिष्कार क्यों किया? बहस से क्यों भाग गई?

सवाल या संदेह नहीं

चुनाव आयोग की निष्पक्षता, ईमानदारी, तटस्थता और व्यापकता पर कोई सवाल या संदेह नहीं है। सर्वोच्च अदालत के सामने भी मामला गया था, जिसने हस्तक्षेप या आयोग का आधार बड़ा करने का कोई फैसला सुनाने से इंकार कर दिया। चुनाव आयोग लंबे मतदान कार्यक्रम पर पुनर्विचार जरूर करे। लोकसभा का कार्यकाल मई-जून तक है, तो चुनाव अप्रैल तक सम्पन्न कराए जा सकते हैं। आयोग के पास बजट और मानव-बल की कोई कमी नहीं। प्रशासन चुनाव आयोग के अधीन आ जाता है। हम इतने तकनीक सम्पन्न भी हो चुके हैं कि कम अवधि में ज्यादा बड़ा चुनाव सम्पन्न करा सकते हैं। अगले संसदीय चुनाव तक ईवीएम का भी पर्याप्त बंदोबस्त किया जा सकता है। चूंकि जलवायु-परिवर्तन के कारण मौसम भी बदल रहा है। हमने पहली बार देखा है कि तापमान 50-52 डिग्री सेल्सियस तक उछल गया है। गर्मी-लू से देशभर में करीब 60 मौतें हो चुकी हैं। मतदान भी प्रभावित हुआ है। क्या मतदान 4-5 चरण में नहीं हो सकते? क्या पहले ऐसा नहीं किया गया है? कमोबेश उन स्थितियों से आज हम ज्यादा प्रगति पर हैं। आयोग जरूर सोचे।

दिलचस्प है एग्जिट पोल का इतिहास

हकीकत

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

देश में कोई भी आम चुनाव खत्म होने के तुरंत बाद लगभग सभी टीवी चैनल एग्जिट पोल का प्रसारण करते हैं, जिनमें अनुमान लगाया जाता है कि किस पार्टी को कितनी सीटें मिलने की संभावना है और किसकी सरकार बनने जा रही है। लेकिन कई बार एग्जिट पोल जमीनी हकीकत से कोसों दूर भी नजर आते रहे हैं। पिछले कई चुनावों में एग्जिट पोल के अनुमान के विपरीत नतीजे रहे हैं। भारत में एग्जिट पोल का इतिहास ज्यादा सटीक नहीं रहा है।

एग्जिट पोल का वैज्ञानिक आधार

एग्जिट पोल वास्तव में कुछ और नहीं बल्कि वोटर का केवल रुझान ही होता है, जिसके जरिये अनुमान लगाया जाता है कि नतीजों का झुकाव किस ओर हो सकता है। एग्जिट पोल के दावों का ज्यादा वैज्ञानिक आधार नहीं माना जाता है। एग्जिट पोल में प्रायः मीडिया से आ रही खबरों, चुनाव का इतिहास और हवा के रुख का घालमेल भी शामिल रहता है। दुनियाभर में अधिकांश लोग एग्जिट पोल को विश्वसनीय नहीं मानते।

एग्जिट पोल से सटीक होते हैं पोस्ट पोल

मतदाताओं की राय जानने के लिए 'ओपिनियन पोल' और 'पोस्ट पोल' भी किए जाते हैं। एग्जिट पोल हालांकि ओपिनियन पोल का ही हिस्सा होते हैं, किन्तु ये मूल रूप से ओपिनियन पोल से अलग होते हैं। ओपिनियन पोल में मतदान करने और न करने वाले सभी प्रकार के लोग शामिल हो सकते हैं। ओपिनियन पोल के परिणामों के लिए चुनावी दृष्टि से क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों पर जनता की नब्ज टटोलने का प्रयास किया जाता है और क्षेत्रवार यह जानने की कोशिश की जाती है कि जनता किस बात से नाराज और किस बात से संतुष्ट है। इसी आधार पर ओपिनियन पोल में अनुमान लगाया जाता है कि जनता किस पार्टी या किस प्रत्याशी का चुनाव करने जा रही है। ओपिनियन पोल को ही 'प्री-पोल' भी कहा जाता है।

कब शुरू हुआ सर्वे का सिलसिला

जहां तक चुनावी सर्वेक्षणों के इतिहास की बात है तो सबसे पहले अमेरिका में चुनावी सर्वे कराया गया था, जब अमेरिकी सरकार के कामकाज पर लोगों की राय जानने के लिए जॉर्ज गैलप और क्लॉड रोबिंसन ने इस विधा को अपनाया था, जिन्हें ओपिनियन पोल सर्वे का जनक माना जाता है। चुनाव उपरांत उन्होंने पाया कि उनके द्वारा एकत्रित किए गए सैंपल तथा चुनाव परिणामों में ज्यादा अंतर नहीं था। उनका यह तरीका काफी विख्यात हुआ। इससे प्रभावित होकर ब्रिटेन तथा फ्रांस ने भी इसे अपनाया और बहुत बड़े स्तर पर ब्रिटेन में 1937 जबकि फ्रांस में 1938 में ओपिनियन पोल सर्वे कराए गए। इन देशों में भी ओपिनियन पोल के नतीजे बिल्कुल सटीक साबित हुए थे। जर्मनी, डेनमार्क, बेल्जियम तथा आयरलैंड में जहां चुनाव पूर्व सर्वे करने की पूरी छूट है, वहीं चीन, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको इत्यादि कुछ देशों में इसकी छूट तो है किन्तु कुछ शर्तों के साथ। एग्जिट पोल को लेकर माना जाता है कि इनकी शुरूआत नीदरलैंड के समाजशास्त्री तथा पूर्व राजनेता मार्सेल वॉन डैम द्वारा की गई थी, जिन्होंने पहली बार 15 फरवरी 1967 को इसका इस्तेमाल किया था और उस समय नीदरलैंड में हुए चुनाव में उनका आकलन बिल्कुल सटीक रहा था। जहां तक भारत की बात है तो हमारे यहां 1960 में ही एग्जिट पोल का खाका खींच दिया गया था। तब 'सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटीज (सीएसडीएस) द्वारा इसे तैयार किया गया था। भारत में एग्जिट पोल की शुरूआत का श्रेय इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ पब्लिक ओपिनियन के प्रमुख एरिक डी कोस्टा को दिया जाता है। शुरूआत में देश में सबसे पहले इन्हें पत्रिकाओं के माध्यम से प्रकाशित किया गया जबकि बड़े परदे पर चुनावी सर्वेक्षणों ने 1996 में उस समय दस्तक दी, जब दूरदर्शन ने सीएसडीएस को देशभर में एग्जिट पोल कराने के लिए अनुमति प्रदान की। 1998 में चुनाव पूर्व सर्वे अधिकांश टीवी चैनलों पर प्रसारित किए गए और तब ये बहुत लोकप्रिय हुए थे लेकिन कुछ राजनीतिक दलों द्वारा इन पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग पर 1999 में चुनाव आयोग द्वारा ओपिनियन पोल तथा एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जिसके बाद एक अखबार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले को निरस्त कर दिया।

मतदान के बाद ही क्यों?

एग्जिट पोल सदैव मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही दिखाए जाते हैं। मतदान खत्म होने के कम से कम आधे घंटे बाद तक एग्जिट पोल का प्रसारण नहीं किया जा सकता। इनका प्रसारण तभी हो सकता है, जब चुनावों की अंतिम दौर की वोटिंग खत्म हो चुकी हो। ऐसे में यह जान लेना जरूरी है कि आखिर एग्जिट पोल के प्रसारण-प्रकाशन की अनुमति मतदान प्रक्रिया के समापन के पश्चात ही क्यों दी जाती है? जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 की धारा 126ए के तहत मतदान के दौरान ऐसा कोई कार्य नहीं होना चाहिए, जो मतदाताओं के मनोविज्ञान पर किसी भी प्रकार का प्रभाव डाले अथवा मत देने के उनके फैसले को प्रभावित करे। यही कारण है कि मतदान से पहले या मतदान प्रक्रिया के दौरान एग्जिट पोल सार्वजनिक नहीं किए जा सकते बल्कि मतदान प्रक्रिया पूरी होने के आधे घंटे बाद ही इनका प्रकाशन या प्रसारण किया जा सकता है। अधिकांश मीडिया संस्थान कुछ प्रोफेशनल एजेंसियों के साथ मिलकर एग्जिट पोल करते हैं। ये एजेंसियां मतदान के तुरंत बाद मतदाताओं से यह जानने का प्रयास करती हैं कि उन्होंने अपने मत का प्रयोग किसके लिए किया है और इन्हीं आंकड़ों के आधार पर यह जानने का प्रयास किया जाता है कि कहां से कौन जीत रहा है। इस आधार पर किए गए सर्वेक्षण से जो व्यापक नतीजे निकाले जाते हैं, उसे ही 'एग्जिट पोल' कहा जाता है। चूंकि इस प्रकार के सर्वे मतदाताओं की एक निश्चित संख्या तक ही सीमित रहते हैं, इसलिए एग्जिट पोल के अनुमान हमेशा सही साबित नहीं होते, उत्सुकता जरूर पैदा करता है।

हमले व कटाक्ष के लिए याद रखा जाएगा

लोकसभा चुनाव प्रचार के 76 दिनों के दौरान नेताओं ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर हमला व कटाक्ष करने के लिए जिस प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल किया उसके लिए इस आम चुनाव को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इस चुनाव में 'विष गुरु', 'अनुभवी चोर', 'दो शहजादे' के अलावा 'मंगलसूत्र, मुजरा, मटन, मछली' सहित कई ऐसे शब्दों के जरिए आरोपों और प्रत्यारोपों का दौर चला, जिसने खूब सुर्खियां बटोरीं। साथ ही इन पर मीडिया के विभिन्न मंचों पर चर्चा हुई तथा इनके पक्ष व विपक्ष में तर्क भी गढ़े गए। इन वजहों से लोकसभा चुनाव की सरगर्मी पहले चरण से लेकर आखिरी चरण तक बनी रही। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'अडाणी और अंबानी से टेम्पो में नकदी' मिलने पर उनकी टिप्पणी के मद्देनजर कटाक्ष करते हुए उन्हें "टेम्पो वाले अरबपतियों" का एक "कठपुतली राजा" बताया था। मोदी ने उत्तर प्रदेश में एक चुनावी रैली में कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के लिए 'दो शहजादे' एक साथ आए हैं। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन यह राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक स्पष्ट हमला था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने चुनावी रैलियों में मोदी के भाषणों को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने जिस भाषा का इस्तेमाल किया उससे लगता है कि वह 'विश्व गुरु' नहीं बल्कि 'विष गुरु' हैं। रमेश ने अग्निपथ योजना को लेकर भाजपा पर हमला करते हुए प्रधानमंत्री को 'स्व-घोषित भगवान' करार दिया। एक टीवी साक्षात्कार के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा कि 'अनुभवी चोर' जानता है कि कैसे सफाई की जाती है। मोदी ने 'इंडिया' गठबंधन पर मुस्लिम वोट बैंक के लिए 'मुजरा' करने का आरोप लगाया और विपक्षी समूह द्वारा दलितों और पिछड़े वर्गों के आरक्षण को लूटने के प्रयासों को विफल करने का संकल्प लिया।

दंगल में किसका होगा मंगल

आंकलन

राज कुमार सिंह

राजनीतिक विश्लेषक

अठारहवीं लोकसभा के चुनाव में मतदान के बीच ही सत्तापक्ष और विपक्ष ने जिस तरह बहुमत मिल जाने के दावे किए, वह आत्मविश्वास से ज्यादा अनिश्चितता का संकेतक लगता है। पिछले साल कर्नाटक विधानसभा चुनाव बजरंग बली के नाम पर लड़े गए थे। लोकसभा चुनावों में बजरंग बली का नाम ज्यादा सुनाई नहीं पड़ा। शायद इसलिए कि उनके आराध्य श्रीराम को ही चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश की गई। अयोध्या में निर्माण और उसमें राम लला की प्राण प्रतिष्ठा ने लोकसभा चुनावों में क्या भूमिका निभाई, उसका पता भी चार जून को चल पाएगा। सात चरणों में मतदान के बीच ही चुनावों में जिस तरह मुद्दे बदले गए, उनसे भी राजनीतिक दलों की रणनीति के बजाय दिग्भ्रम का ही संकेत गया। यह दिग्भ्रम दोनों पक्षों में दिखा। दस साल के शासन को विकास का ट्रेलर मात्र बताने वाली भाजपा ने भी चुनाव में राम से लेकर पाकिस्तान तक और मटन-मछली से ले कर मंगलसूत्र तक तमाम मुद्दे आजमाये, शायद इसलिए कि आश्वस्त नहीं थी कि कौन-सा मुद्दा मतदाताओं के मन पर प्रभाव छोड़ पाएगा।

इन मुद्दों से शुरूआत

इंडिया गठबंधन के बैनर तले एकजुट कांग्रेस समेत 26 विपक्षी दलों ने चुनाव प्रचार की शुरूआत नरेंद्र मोदी सरकार के अच्छे दिन आने, हर साल दो करोड़ नौकरियां देने और विदेशों में जमा काला धन वापस लाकर हर भारतीय के खाते में 15-15 लाख देने जैसे अधूरे वादों तथा महंगाई और बेरोजगारी जैसे जनता से सीधे जुड़े मुद्दों से की थी, लेकिन वह भी बीच मतदान अरबपति मित्र, आरक्षण और संविधान जैसे मुद्दों को आजमाता नजर आया। सत्तापक्ष की तरह विपक्ष भी असमंजस का शिकार था कि पता नहीं कौन से मुद्दे मतदाता का मन मोह पाएंगे। मतदाता द्वारा अपने मन की थाह न देना उसकी और लोकतंत्र की परिपक्वता की निशानी है, लेकिन उसकी मुश्किलें और जरूरतें भी न समझ पाना राजनीति के जनता से कट जाने का प्रमाण है। जन संपर्क से रोड शो में सिमट गई राजनीति की यही सीमाएं हैं कि वह मतदाता का मन पढ़ने के बजाय मोहने का प्रयास करती है। कार्यकर्ताओं और प्रतिबद्ध समर्थकों से इतर आम मतदाता इन चुनावों में जोर-शोर से उठाए गए मुद्दों पर भी प्रतिक्रिया देता नहीं दिखा। इसी से राजनीतिक दलों की बेचैनी बढ़ी, जिसे वह चुनाव के बीच ही बहुमत मिल जाने का दावा कर छिपाने की कोशिश करते दिखे।

लहर नहीं दिखी

साफ कहें तो मतदान के बीच भी मुद्दों के बदलाव के बावजूद इन लोकसभा चुनावों में किसी दल या पक्ष की लहर नहीं दिखी। शायद 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों के मद्देनजर इन चुनावों में यही बड़ा बदलाव है। ये चुनाव मतदाता के अपने मुद्दों तथा स्थानीय समीकरणों पर ज्यादा केंद्रित दिखे। जाहिर है, हवा बना कर राजनीति करने वाले दलों-नेताओं को यह अच्छा नहीं लगा होगा, पर पांच साल में चुनाव ही तो वह अवसर है, जब मतदाता वह करते हैं, जो उन्हें अच्छा और सही लगता है। अगर मतदाताओं के मुद्दों और स्थानीय समीकरण पर इन चुनावों का आकलन करें तो कह पाना बहुत मुश्किल है कि इस चुनावी दंगल में मंगलवार को किसका मंगल होने जा रहा है। इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा सबसे बड़ा और मजबूत राजनीतिक दल है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे लोकप्रिय राजनेता। फिर भी भाजपा के लिए 370 और उसकी अगुवाई वाले राजग के लिए 400 सीटों का लक्ष्य बहुत दूर की कौड़ी लगती है। इसके बावजूद यह तय है कि भाजपा ही सबसे बड़ा दल होगी।

कारण भी बहुत स्पष्ट

अपने प्रभाव क्षेत्रों में भाजपा 2014 और 2019 में अपना लगभग सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर चुकी है। फिर उद्धव ठाकरे की शिवसेना और सुखबीर सिंह बादल के शिरोमणि अकाली दल के अलगाव के बाद राजग भी पहले जितना मजबूत नहीं रह गया है। गिनती के लिहाज से राजग का कुनबा भले ही बढ़ा हो, पर ताकत घटी है। कभी इंडिया गठबंधन के सूत्रधार रहे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड की राजग में वापसी विपक्ष के लिए बड़ा झटका था, लेकिन उसके बावजूद वहां से 40 में से 39 लोकसभी सीटें जीत लेने की खुशफहमी खुद भाजपा को भी नहीं है। कर्नाटक में सत्ता में रहते हुए 2019 में भाजपा ने समर्थित निर्दलीय समेत 28 में से 26 लोकसभा सीटें जीत ली थीं। अब वहां कांग्रेस सरकार है। राजस्थान में सरकार बना लेने के बावजूद पहले की तरह सभी 25 लोकसभा सीटें जीतने का दावा भाजपा नेता निजी बातचीत में नहीं करते। हरियाणा में सभी 10 सीटें जीत पाना इस बार संभव नहीं दिखता। सात सीटों वाली दिल्ली में भी झटका लग सकता है। जनवरी में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा और फिर अचानक जयंत चौधरी के रालोद के पाला बदल कर राजग में चले जाने से ऐसा लगा था कि भाजपा अन्य राज्यों में होने वाले नुकसान की भरपाई उत्तर प्रदेश से कर लेगी। ध्यान रहे कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से 2014 में 71 और 2019 में 62 जीती थीं, लेकिन बाद में जिस तरह मुद्दे बदलने पड़े और सपा-कांग्रेस गठबंधन ने समीकरणों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया, उससे वह भरपाई मुश्किल दिख रही है। ऐसे में सीटों के संभावित नुकसान की भरपाई की भाजपाई उम्मीदें तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और असम जैसे राज्यों पर टिक गई हैं, पर वहां भी संभावनाएं सीमित हैं। बंगाल में भाजपा की चुनौती 18 सीटें बरकरार रखना या एक-दो सीट की वृद्धि ही लगती है। अगर विपक्ष का यह दावा सही हुआ कि चुनाव उसने नहीं, जनता ने लड़ा है, तब तमाम आकलन बेमानी साबित हो सकते हैं।

सातवें और अंतिम चरण में भी बंगाल में भड़की हिंसा

जयनगर में भीड़ ने वीवीपैट व पेपर लूटे और तालाब में फेंके
आईएसएफ के कई कार्यकर्ता जख्मी, छोड़ने पड़े आंसू गैस के गोले

एजेंसी ⏭ कोलकाता

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण की वोटिंग के दौरान पश्चिम बंगाल से फिर हिंसा और लूटपाट की गई। बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त ने ट्वीट किया कि आज सुबह 6.40 बजे जयनगर संसदीय क्षेत्र में बेनीमाधवपुर एफपी स्कूल से कुछ रिजर्व ईवीएम और सेक्टर अधिकारी के पेपरों को भीड़ ने लूट लिया। बंगाल सीईओ की तरफ से ट्वीट में कहा गया कि भीड़ ने दो वीवीपैट मशीनों को तालाब में फेंक दिया।

इस मामले में सेक्टर अधिकारी ने एफआईआर दर्ज कराई है और जरूरी कार्रवाई की जा रही है। सेक्टर अधिकारी को नई ईवीएम और पेपर उपलब्ध करा दिए गए हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि स्थानीय गुंडों ने पहले यहां चुनाव आयोग की टीम को घुसने से रोका। इसके बाद विवाद भड़का तो कुछ लोगों ने वीवीपैट उठा ली और इन्हें पास के तालाब में फेंक दिया। हालांकि बाद में मतदान हुआ।

बंगाल सीईओ की तरफ से ट्वीट में कहा गया कि भीड़ ने दो वीवीपैट मशीनों को तालाब में फेंक दिया। इस मामले में सेक्टर अधिकारी ने एफआईआर दर्ज कराई है।

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि स्थानीय गुंडों ने पहले यहां चुनाव आयोग की टीम को घुसने से रोका। आईएसएफ और माकपा के समर्थकों में हाथापाई भी हुई।

उत्पातियों ने यहां पर आगजनी भी की, वाहनों में तोड़फोड़ की

भानगर के सतुलिया के पास भी हिंसा

बताया जा रहा है कि बंगाल के जादवपुर में स्थित भानगर के सतुलिया के पास भी हिंसा की घटना दर्ज की गई। यहां इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) और माकपा के समर्थकों के बीच हाथापाई भी हुई। इसमें आईएसएफ के कई कार्यकर्ताओं को चोटें आईं।

पोलिंग बूथ के बाहर भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ नारेबाजी

कोलकाता उत्तर लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार तापस रॉय के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। टीएमसी ने आरोप लगाया कि भाजपा बूथ में फर्जी वोटिंग करवा रही है। इस घटना पर तापस ने कहा कि वह इस बारे में कुछ नहीं जानते। बूथ पर पहले ही पोलिंग एजेंट मौजूद हैं।

संदेशखाली में भाजपा समर्थकों की पुलिस से झड़प

बसीरहाट। पश्चिम बंगाल में शनिवार को सातवें चरण के मतदाने के दौरान कुछ जगहों पर हिंसक घटनाएं सामने आई हैं। बसीरहाट लोकसभा के अंतर्गत संदेशखाली इलाके में पुलिस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई है। भाजपा प्रत्याशी रेखा पात्रा ने इलाके से बाहर निकलने के बाद धमाखाली में सड़क पर आ गईं। भाजपा की महिला समर्थकों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। जवाब में भाजपा समर्थित ग्रामीणों ने ईंट-पत्थर चलाने शुरू कर दिए। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस छोड़े।

इन दिग्गजों ने डाला वोट

सिक्किम के राज्यपाल ने वोट का महत्व बताया।

जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल इंक लगी अंगुली बता रहे।

भाजपाध्यक्ष नड्डा स्याही लगी अंगुली दिखाते हुए।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी किया मतदान।

मतदान के दौरान दो गुटों के बीच मारपीट

जहानाबाद में दो राउंड फायरिंग के बाद पहुंची पुलिस

जहानाबाद। लोकसभा चुनाव 2024 के आखिरी चरण में मतदान के बीच बिहार की जहानाबाद लोकसभा सीट में हिंसा की खबर है। यहां खाजपुरा गांव में बूथ नंबर 101 पर दो गुटों के बीच मारपीट हुई। बात इतनी बिगड़ गई कि दो फायरिंग भी हुई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हालात सामान्य किए। बिहार की आठ लोकसभा सीटों पर सातवें चरण में मतदान हो रहे हैं। राज्य में कुल 40 लोकसभा सीटें हैं और यहां एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच मुकाबला है। 2019 में अधिकतर सीटें भाजपा और जनता दल यूनाइटेड के गठबंधन के पास थीं। जहानाबाद में जेडीयू के चंदेश्वर चंद्रवंशी और सुरेंद्र यादव के बीच मुकाबला है।

बिहार में इन सीटों पर मतदान पूरा

लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान का सातवां और आखिरी चरण पूरा हो गया। यहां पाटलिपुत्र, पटना साहिब, नालंदा, काराकाट, बक्सर, आरा, जहानाबाद और सासाराम में मतदान हुआ। बिहार में सभी सात चरण में मतदान हुआ है। पहले चरण में 4 सीटों पर वोटिंग हुई। इसके बाद दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें चरण में पांच सीटों पर मतदान हुआ। सातवें और आठवें चरण में राज्य की आठ-आठ सीटों पर वोटिंग हुई।

वोटिंग से ठीक पहले वारदात से सनसनी

पंजाब में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता की हत्या

लोकसभा चुनाव के लिए पंजाब में मतदान हुआ। आखिरी राउंड के तहत राज्य में वोटिंग हुई। उससे ठीक पहले एक बड़ी घटना हो गई। शुक्रवार की रात को आम आदमी पार्टी के एक कार्यकर्ता की अमृतसर के अजनाला में बाइक सवार दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। आप कार्यकर्ता के अलावा 4 अन्य लोग इस वारदात में घायल भी हुए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सिब्बल ने फिर पुराना राग अलापा

पोस्टल बैलेट की काउंटिग में हो सकती है गड़बड़ी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और वकील कपिल सिब्बल ने पोस्टल बैलेट की काउंटिंग को लेकर नियमों में किए गए बदलाव पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि बदलाव की वजह से वोटों की गिनती में गड़बड़ी करना काफी सरल हो जाएगा। सिब्बल ने सवाल उठाते हुए कहा कि सभी सियासी दलों को मतगणना केंद्र पर जाकर फॉर्म 17 सी को चेक करना चाहिए कि कितने वोट पड़े हैं? इतना ही नहीं, वोटिंग से जुड़े फॉर्म की हर बात पर गौर करना चाहिए।

मतदान शुरू होने से पहले मां का निधन

बेटे बोले- पहले हम वोट डालेंगे इसके बाद करेंगे दाह संस्कार

जहानाबाद। बिहार के जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 151 अंतर्गत देव कुली गांव में एक महिला का निधन हो गया। परिजनों ने पहले मतदान करने का निर्णय लिया। उसके बाद दाह संस्कार करने की बात कही। जिला मुख्यालय से सटे देव कुली गांव निवासी मिथिलेश यादव और मनोज यादव की माता लगभग 80 साल से अधिक उम्र की थीं, उनका निधन हो गया था। निधन के कुछ ही घंटे बाद मतदान शुरू होना था।

हॉट सीट वाराणसी में गर्मी भी नहीं रोक सकी वोटरों का उत्साह, महिलाओं ने जमकर की वोटिंग

वाराणसी। जिले में लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण का मतदान शनिवार को हुआ। मतदान को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। सभी बूथों पर कतारें थीं। गर्मी की तपिश और लू के बावजूद कई केंद्रों पर महिलाओं ने बूथों पर जोश दिखाकर मतदान किया। अलग-अलग इलाकों में मतदान केंद्रों से बाहर निकलते ही कुछ महिलाओं ने हंसी ठिठोली करते हुए कहा कि जब घर में हमारी मर्जी चलती है तो वोट देने में भी चली है। आखिर हम आधी आबादी जो हैं।

खबर संक्षेप

ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले की कमी नहीं

नई दिल्ली। देश में बिजली की अत्यधिक मांग के बावजूद थर्मल

पावर प्लांट में कोयले का भंडार 45 मीट्रिक टन से अधिक है। कोयले का भंडार पिछले वर्ष की तुलना में 30 फीसदी ज्यादा है। बिजली की अत्यधिक मांग को पूरा करने के लिए थर्मल पावर प्लांट में पर्याप्त है। 19 दिन की जरूरतों के लिए कोयला का पर्याप्त भंडार है।

राजाजी पार्क में बाघिन ने दिया शावक को जन्म

हरिद्वार। राजाजी टाइगर रिजर्व में चल रहा टाइगर ट्रांसलोकेशन का

कार्य सफलता के नए आयाम गढ़ रहा है। पार्क के पश्चिमी छोर में एक बार फिर एक बाघिन नन्हें शावक के साथ नजर आई है। कुछ दिनों पूर्व इसी क्षेत्र में जिम कॉर्बेट से ट्रांसलोकेट की गई एक बाघिन ने 4 शावकों को जन्म दिया था। राजाजी प्रशासन व वन महकमा उत्साहित था।

मोदी मंत्रिमंडल को 5 जून को 'डिनर' देंगी राष्ट्रपति

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के परिणाम 4 जून को आएंगे। 5 जून

को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मोदी मंत्रिपरिषद को फेयरवेल डिनर देंगी। इस डिनर का आयोजन राष्ट्रपति भवन में रात 8 बजे किया जाएगा। वर्तमान की 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जूनको समाप्त हो रहा है। अगली सरकार 16 जून से पहले से गठित हो जाएगी। राष्ट्रपति मोदी कैबिनेट को विदाई भोज देंगी।

बैठक के बाद खरगे का दावा

गठबंधन की बनेगी सरकार जीतेंगे 295 से अधिक सीटें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इंडी गठबंधन की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन को 295 से अधिक सीटें मिलेंगी। बैठक में सपा, माकपा, भाकपा, द्रमुक, झामुमो, आप, राजद, शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (शरद पवार) के नेता शामिल हुए। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, सीएम अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान शामिल थे। ममता बेनर्जी नहीं पहुंचीं।

हम आपको हकीकत बता रहे

खरगे ने कहा कि यह लोगों का सर्वे है। लोगों ने हमारे नेताओं को यह जानकारी दी है। सरकारी सर्वे मौजूद हैं और उनके मीडिया मित्र भी आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। इसलिए हम आपको हकीकत बताना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक पार्टियों ने अपने कार्यकर्ताओं को फॉर्म 17 सी के बारे में भी निर्देश दिए हैं और कहा है कि जब तक उन्हें चुनाव का प्रमाण पत्र नहीं मिल जाता, तब तक वे मतगणना हॉल से बाहर न निकलें।

तीन दिन बाद पूरा हुआ ध्यान... मोदी ने 45 घंटे तक कन्याकुमारी में की साधना

अंतिम दिन विवेकानंद के छुए पैर

पीएम का संदेश: मैं यहां पर आकर अलौकिक 'ऊर्जा' महसूस कर रहा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विवेकानंद रॉक मेमोरियल से पहला संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि मैं अलौकिक ऊर्जा को महसूस कर रहा हूं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने यहां विवेकानंद रॉक मेमोरियल में सूर्योदय के समय 'सूर्य अर्घ्य' देने के बाद शनिवार को तीसरे और अंतिम दिन अपनी ध्यान साधना शुरू की।

प्रधानमंत्री ने एक कलश से समुद्र में सूर्य को जल अर्पित किया और माला जपी। मोदी पिछले 45 घंटे से कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान कर रहे थे। वे तीन दिन ध्यान मंडपम में ही रहे। इस ध्यान मंडपम की खास बात यह है कि यह वही स्थान है, जहां स्वामी विवेकानंद ने देश भ्रमण के बाद तीन दिनों तक ध्यान किया था। मोदी का तीन दिवसीय ध्यान पूरा हो गया है। अंतिम दिन उन्होंने विवेकानंद के पैर छुए व संत तिरुवल्लूवर की पूजा की। ध्यान के दूसरे दिन मोदी भगवा कुर्ता और गमछे में थे। गौर हो कि 2019 के चुनाव प्रचार के बाद वे केदारनाथ गए थे और साल 2014 में वे शिवाजी महाराज से संबंधित प्रतापगढ़ गए थे।

पारंपरिक दक्षिण भारतीय परिधान में कन्याकुमारी पहुंचे थे

मोदी गुरुवार को कन्याकुमारी पहुंचे थे। प्रधानमंत्री धोती पहने दक्षिण भारत की पारंपरिक पोशाक में दिखे। उन्होंने ऑफ-व्हाइट रंग का शॉल ओढ़ रखा था। कन्याकुमारी पहुंचने के बाद भगवती अम्मन मंदिर में प्रार्थना और पूजा-अर्चना की।

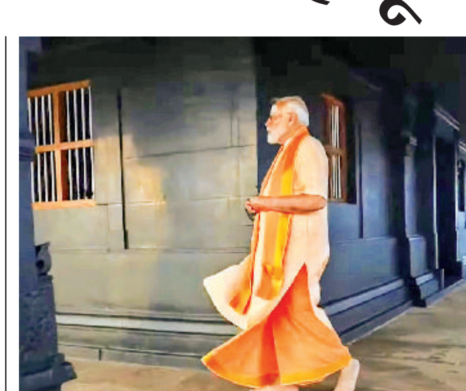

कांग्रेस ने साधा था निशाना : यह देश के पैसे की बर्बादी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक दिन पहले पीए मोदी के ध्यान पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि राजनीति में धर्म को नहीं लाना चाहिए। राजनीति और धर्म अलग-अलग विषय है। पीएम मोदी वहां कन्याकुमारी में क्या ड्रामा कर रहे हैं, वहां करीब 10 हजार लोग हैं। यह देश के पैसे की बर्बादी है। देश में आचार संहिता लागू है। इसका खर्च कौन उठाएगा? अगर आपको इतनी ही आस्था है तो आप अपने घर पर यह काम करें। अपनी जेब से खर्च उठाएं।

ध्यान और अध्यात्म ऊर्जा के स्रोत

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पीठाधीश्वर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ध्यान पर कन्याकुमारी जाने पर प्रतिक्रिया दी हैं। उन्होंने कहा कि साधना और अध्यात्म से ऊर्जा मिलती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद रॉक मेमोरियल पहुंचे थे और शनिवार तक उन्होंने वहीं पर ध्यान किया है। कालकाजी मंदिर के पीठाधीश्वर महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत ने प्रधानमंत्री के कन्याकुमारी साधना पर जाने के मुद्दे पर कहा कि प्रधानमंत्री साधना में गए हैं तो इसका लाभ उनको अवश्य होगा।

इसी साल सितंबर में ह्यूमन क्लीनिकल ट्रायल शुरू किए जाएंगे

यह ड्रग मेडिकल फील्ड में गेम चेंजर साबित हो सकता है

अब दवाओं से उगेंगे 'नए दांत', जापानी वैज्ञानिकों ने बनाई विशेष दवा,हर उम्र के लोगों को मिलेगा फायदा

क्योटो यूनिवर्सिटी एफिलिएटेड स्टार्टअप कंपनी टॉरेजेम बायोफार्मा द्वारा यह ड्रग विकसित की गई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जापान के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा एंटीबॉडी ड्रग बना लिया है जिसकी मदद से अडल्ट दांतों को टूटने के बाद फिर से उगाया जा सकता है।

यह दुनिया की पहली ऐसी दवा है जिसकी मदद से नेचुरल तरीके से दांतों को दोबारा उगाया जा सकेगा। अब तक इसके एनिमल ट्रायल पूरे हो चुके हैं और अब सितंबर 2024 से इस ड्रग का ह्यूमन ट्रायल शुरू होना है। बता दें कि क्योटो यूनिवर्सिटी एफिलिएटेड स्टार्टअप कंपनी टॉरेजेम बायोफार्मा द्वारा यह ड्रग विकसित की गई है।

अच्छी खबर

इसकी मदद से नेचुरल तरीके से दांतों को फिर से उगाया जा सकेगा

2 से 6 साल की उम्र के बच्चों पर होगा ट्रायल

टीम ने 2025 में 2 से 6 साल की उम्र के बच्चों के लिए दवा का क्लीनिकल परीक्षण करने की योजना बनाई है। ये वो बच्चे होंगे जिन्हें जन्म से अब तक दांत नहीं आए। बच्चों को ड्रग देने के लिए इंजेक्शन का इस्तेमाल किया जाएगा।

2030 तक यह दवा लोगों के लिए बाजार में उपलब्ध होगी

अब तक इसका क्लीनिकल ट्रायल पशुओं पर हो चुका है और सारे परीक्षण सफल भी रहे हैं। डॉ. कात्सु ताकाहाशी के नेतृत्व में किए गए इस शोध में चूहों सहित उन जानवरों पर परीक्षण किया गया जिनके दांतों के पैटर्न इंसानों के समान हैं। इसी सफलता को देखते हुए साल 2024 यानी कि इसी साल, सितंबर में ह्यूमन क्लीनिकल ट्रायल शुरू किए जाएंगे और इसके लिए सबसे पहले उन लोगों को चुना जाएगा जिनके दांत जन्म से नहीं हैं। संभावना है कि साल 2030 तक यह दवा लोगों के लिए बाजार में उपलब्ध हो सकती है।

कांग्रेस ने की प्रेस कांफ्रेंस

भाजपा से किया प्रज्वल को समर्थन नहीं देने का आग्रह

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी से कर्नाटक की हासन सीट से जनता दल (सेक्युलर) सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मामले में चुप्पी तोड़ने तथा यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि वे गिरफ्तार सांसद को अब किसी भी तरह का समर्थन न दें। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कई महिलाओं के साथ दुष्कर्म के मामले में मिली शिकायतों के बाद सांसद

को गिरफ्तार गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस गिरफ्तारी से सैकड़ों पीड़ित महिलाओं को न्याय मिलेगा। लांबा ने पीएम से चुप्पी तोड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि वे 'बेटी बचाओ का नारा' देते रहे लेकिन प्रज्वल पर अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी।

शेयर बाजार में 4 साल की तेजी ने बढ़ा दिया एसआईपी कल्चर

एमएफ के असेट में इक्विटी की हिस्सेदारी अप्रैल 2023 में 60 प्रतिशत तक पहुंची

- अब आम लोग भी जमकर कर रहे हैं निवेश
- कोरोना काल में लोगों ने घरों से काम किया
- इस दौरान स्टॉक मार्केट और म्यूचुअल फंड में निवेशकों की संख्या बढ़ी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आजकल शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जोरों पर है। कभी निवेशकों के करोड़ों रुपये डूब जाते हैं तो अगले ही दिन निवेशक करोड़ों रुपये कमा भी लेते हैं। पिछले चार साल में बाजार की चाल देखें तो बाजार की तेजी ने निवेशकों में एसआईपी कल्चर को बढ़ा दिया है। अब लोग म्यूचुअल फंड में जमकर निवेश कर रहे हैं। इसके लिए वे एसआईपी का सहारा ले रहे हैं। इसके कारण स्टॉक मार्केट और म्यूचुअल फंड में निवेशकों की संख्या बढ़ी है। कोविड के कारण लागू किए गए लॉकडाउन के चलते लाखों आम लोग दफ्तर जाने से बच गए। इस दौरान वर्क फ्रॉम होम का चलन बढ़ा। इसके साथ ही इसी दौरान सीधे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों की संख्या में बड़ी तेजी से इजाफा हुआ। ऐसे में भारत में हाउसहोल्ड सेविंग का इस्तेमाल कैसे किया जाता है, इसमें एक बड़ा बदलाव देखने को मिला।

शेयरों में निवेश बढ़िया विकल्प

आम लोग महंगाई से मुकाबला करने के लिए शेयरों में निवेश को सबसे अच्छा विकल्प मानने लगे। फ्रैंकलिन टेम्पलटन के आंकड़ों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड के कुल असेट में से इक्विटी की हिस्सेदारी अप्रैल 2023 में 60% तक पहुंच गई। यह दिसंबर 2020 में 39.2% थी। इसी अवधि में म्यूचुअल फंडों की कुल एयूएम 31.02 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 57.26 लाख रुपये करोड़ हो गई।

क्या कहते हैं बाजार के जानकार

बाजार के जानकारों का मानना है कि शेयर बाजार में निवेश करने वालों में अब आम लोगों की हिस्सेदारी बढ़कर 60% से अधिक हो गई है। लोग म्यूचुअल फंड के जरिए इक्विटी में निवेश कर रहे हैं और इसी वजह से शेयर बाजार में निवेश बढ़ रहा है। फाइनेंसियल प्लानर्स का कहना है कि हाल के दिनों में एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) का चलन बढ़ा है। इसका भी इक्विटी में निवेश बढ़ने में बड़ा योगदान है। एसआईपी के जरिए लोग धीरे-धीरे और लगातार शेयरों में निवेश करते हैं, जिससे वे अपने लॉन्ग टर्म गोल को पूरा कर सकें।

इक्विटी में बढ़ रहा लोगों का भरोसा

माना जा रहा है कि एसआईपी का चलन लोगों में बहुत ज्यादा पसंद किया जा रहा है। कई लोग एसआईपी के जरिए अपने इक्विटी में निवेश को बढ़ावा दे रहे हैं। धीरे-धीरे निवेश के माध्यम से वे अपने लॉन्ग टर्म के टारगेट को पूरा कर रहे हैं और अच्छा मुनाफा भी हासिल कर रहे हैं। 2019-20 में एसआईपी के जरिए निवेश 1 लाख करोड़ रुपये था। यह 2023-24 में बढ़कर 1.99 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह इक्विटी में लोगों के भरोसे को बताता है। जानकारों का मानना है कि कुछ लोग अपनी फिजिकल वेल्थ को बेच रहे हैं और उस पैसे का कुछ हिस्सा इक्विटी म्यूचुअल फंडों में निवेश कर रहे हैं। फाइनेंसियल प्लानर्स का कहना है कि डेट म्यूचुअल फंडों से इंडेक्सेशन बेनिफिट हटाने के बाद इसमें निवेश करने का टैक्स लाभ खत्म हो गया है। इस वजह से डेट फंडों में पैसा कम आ रहा है। इसलिए लोग अब इक्विटी की तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

लोगों में ऐसे बढ़ रहा निवेश का आकर्षण

फंड हाउसेज का मानना है कि पिछले चार वर्षों में शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी आई है। इस दौरान कोई बड़ी गिरावट नहीं देखी गई। इसी वजह से लोग शेयर बाजार में निवेश करने के लिए आकर्षित हुए हैं। दिसंबर 2020 से अप्रैल 2024 तक निफ्टी-50 में 72%, निफ्टी मिडकैप-150 में 151% और निफ्टी स्मॉलकैप-250 में 178% की वृद्धि हुई। शेयर बाजार में इतनी तेजी के चलते लोगों की म्यूचुअल फंडों में निवेश करने का रुझान बड़ी तेजी से बढ़ा है। बाजार की चाल ऐसी ही रही तो यह निवेश और बढ़ेगा। लोग महंगाई को मात देने के लिए इक्विटी में निवेश को सबसे बेहतर मानकर चल रहे हैं।

बैंकों में ब्याज दर

बैंक	ब्याज दर
एक्सिस बैंक	5.75%-7.00%
एसबीआईः	4.75%-6.50%
एचडीएफसी	4.50%-7.00%
आईसीआईसीआई	4.50%-6.90%
केनरा बैंक	5.50%-6.70%
बैंक ऑफ बड़ौदा	5.50%-6.50%
पीएनबी	4.50%-6.50%
आईडीबीआई	4.50%-4.80%
इंडियन बैंक	3-50%-6.10%
यस बैंक	4.75%-7.00%
डाकघर	6.90%-7.50%
आईडीएफसी	4.50%-7.00%

स्वीप-इन-एफडी, जब जरूरत हो निकालें रुपये व ब्याज भी बढ़िया

स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर किया जाता है, इसमें ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है

मनी मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर बात निवेश की आती है तो ट्रेडिशनल फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। एफडी की बात करें तो यह सेविंग्स अकाउंट से अधिक या तकरीबन डबल ब्याज देता है। बैंकों के सेविंग्स अकाउंट पर जहां 3.5 से 4 फीसदी सालाना के हिसाब से ब्याज मिल रहा है, वहीं फिक्स्ड डिपॉजिट पर 7 से 8 फीसदी ब्याज दर है। हालांकि एफडी में एक तय समय के लिए पैसा ब्लॉक हो जाने से तुरंत लिक्विडिटी की सुविधा नहीं मिलती है। इस वजह से बहुत से लोग सेविंग्स अकाउंट में पैसे पड़े रहने देते हैं। लेकिन अगर आप लिक्विडिटी के साथ हाई इंटरेस्ट रेट चाहते हैं तो आपके लिए स्वीप इन एफडी बेहद काम आ सकती है। स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसमें एफडी के बराबर ब्याज मिलता है।

लक्ष्य तक पहुंचाने में करेगी मदद

एफडी की स्वीप-इन सुविधा निवेशक को बैंक खाते में अतिरिक्त धनराशि को एफडी अकाउंट में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। कहने का मतलब है कि स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। यानी यह एक प्रकार का फिक्स्ड डिपॉजिट है जो निवेशकों को अपने बचत खाते से अतिरिक्त धनराशि को आटोमैटिक रूप से एफडी खाते में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। इसमें जहां एफडी के बराबर ब्याज मिलता है, वहीं इमरजेंसी में भी तुरंत आप अपने फंड तक पहुंच सकते हैं।

पैसे निकालने का नियम

आम तौर पर स्वीप-इन एफडी अपनी मैच्योरिटी से पहले स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते समय लास्ट इन फर्स्ट आउट (एलआईएफओ) मेथड का उपयोग करते हैं। मतलब है कि अगर बचत खाते में बैलेंस चेक या एसआईपी के भुगतान के लिए जरूरी धनराशि से कम है, तो एलआईएफओ मेथड से स्वीप-इन एफडी से राशि निकाल ली जाती है। यानी स्वीप-इन एफडी आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी प्रदान करता है। अगर आप अक्सर पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है। इसके माध्यम से एफडी में निवेश की गई राशि को पूरी एफडी तोड़े बिना निकाला जा सकता है।

तय करनी होती है लिमिट

स्वीप-इन-एफडी के लिए आपको पहले अपने अकाउंट के लिए एक थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करनी होगी। इस लिमिट से ज्यादा पैसे एक्स्ट्रा पैसे माने जाएंगे। वैसे तो बैंक ही स्वीप थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करना है, लेकिन अकाउंट होल्डर को जरूरत के हिसाब से इसे कस्टमाइज करने का विकल्प भी देता है। यह वह लिमिट होती है, जिससे अधिक पैसे होने पर वह अमाउंट खुद ही एफडी अकाउंट में ट्रांसफर हो जाता है। इस तरह से आपने जो लिमिट तय की है, उसे इमरजेंसी फंड के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं, वहीं एक्स्ट्रा फंड पर आपको एफडी वाला ब्याज मिलने लगेगा।

अवधि और कम से कम निवेश

स्वीप इन एफडी की अवधि 1 साल से 5 साल की होती है। वहीं, बैंक आम तौर पर बचत खाते से स्वीप-इन एफडी में 1 हजार रुपये के मल्टीपल में रकम ट्रांसफर करते हैं। कुछ बैंक निवेशकों के निर्देश के अनुसार 1 रुपये से 1000 रुपये की रेंज में ट्रांसफर की भी अनुमति देते हैं।

कितनी है ब्याज दरः स्वीप-इन एफडी खाते के लिए ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान होती है। यह निवेश की अवधि पर निर्भर करता है। जैसे एफडी में अलग-अलग अवधि के लिए अलग ब्याज दरें होती हैं।

एसआईपी पॉज वह सुविधा है, जिसमें अचानक फ्राइनेंशियल क्राइसिस आ जाए तो आपको एसआईपी बंद करने की बजाए, इसे कुछ दिन रोकने की सुविधा मिल जाती है। कुछ फंड हाउस ने इसे 6 महीने तक बढ़ा दिया है। इससे आपको अपने लक्ष्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी और आप पैसों की तंगी होने पर भी आपनी एसआई को चालू रख पाएंगे।

एसआईपी में पॉज सुविधा तंगी में करेगी बड़ी मदद

सुझाव
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लंबी अवधि के लिए निवेश करने का एक प्रभावी तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है। एसआईपी लंबी अवधि में दौलत बनाने का वह तरीका है, जहां एक बार में फंड ब्लॉक करने की बजाए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश करने की सुविधा मिलती है। अगर एसआईपी के जरिए अनुशासित रूप से रेगुलर निवेश किया जाए तो लंबी अवधि में बड़ा कॉर्पस बनाया जा सकता है, लेकिन कुछ मामलों में ऐसा भी हो सकता है कि अचानक से पैसों की तंगी आ जाए। यह कह सकते हैं परिस्थितियां अचानक बदल जाएं और एसआईपी करने की रकम का इंतजाम न हो पाए। इन्हीं परिस्थितियों के लिए म्यूचुअल फंड हाउस 'एसआईपी पॉज' की सुविधा देते हैं।

एसआईपी में क्या है 'पॉज' सुविधा

एसआईपी पॉज वह सुविधा है, जिसमें अगर आपके सामने अचानक फ्राइनेंशियल क्राइसिस आ जाए तो आपको एसआईपी बंद करने की बजाए, इसे कुछ दिन रोकने की सुविधा मिल जाती है। पहले यह सुविधा 1 से 3 महीने की थी, लेकिन अब कुछ फंड हाउस ने इसे 6 महीने तक बढ़ा दिया है। अगर आप 6 महीने के लिए एसआईपी 'पॉज' का विकल्प लेते हैं तो 6 महीने बाद एसआईपी की रकम आपके खाते से खुद ही कटने लगेगी। इस पर कोई अतिरिक्त ब्याज नहीं भी देना होगा। यानी आपकी एसआईपी बंद नहीं होगी, लक्ष्य पूरा हासिल करने के लिए आप इसे 6 महीने एक तरह से और एक्सटेंड कर देते हैं।

कब चुन सकते हैं विकल्प

फाइनेंशियल क्राइसिसः चुनौतीपूर्ण समय के दौरान, जैसे मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटना, या अचानक खर्च आने पर एसआईपी पॉज आपको वित्तीय रूप से राहत दे सकती है। इससे जो रकम बच रही है, उसका इस्तेमाल ज्यादा जरूरी मामलों के लिए कर सकते हैं।

करियर में बदलावः कई बार नौकरी में बदलाव करना पड़ता है, या नौकरी से कुछ महीने की रेस्ट लेकर हायर एजुकेशन का प्लान होता है, या कुछ नया बिजनेस शुरू करने का प्लान हो सकता है, जिससे खर्च बढ़ जाता है। इन कंडीशंस में भी एसआईपी पॉज का विकल्प ले सकते हैं।

व्यक्तिगत आवश्यकताएंः शादी विवाह, घर खरीदने या फैमिली से जुड़े अन्य किसी इवेंट पर खर्च बढ़ जाए तो एसआईपी पॉज से कुछ महीने वित्तीय रूप से कुछ राहत जरूर मिल सकती है।

क्या करना होगा

एसआईपी 'पॉज' की सुविधा लेना चाहते हैं तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी यानी एएमसी को मेल के जरिए जानकारी दे सकते हैं। कंपनी कितने दिनों की पॉज सुविधा देती है, उसी हिसाब से आपको 'पॉज' करने की रिक्वेस्ट डालनी होगी। यानी अगर कंपनी 1 से 6 महीने के लिए यह सुविधा दे रही है तो आप कम से कम 1 महीने और ज्यादा से ज्यादा 6 महीने के लिए ही एसआईपी पॉज कर सकते हैं। मेल में आपको अपने फोलियो नंबर की जानकारी देनी होगी, जिसके बाद कंपनी आपको यह सुविधा देगी। 'पॉज' पीरियड खत्म होने के बाद एसआईपी जारी हो जाएगा।

निवेश बंद करना समझदारी नहीं

अगर किसी तरह की वित्तीय परेशानी आए और आपको लगता है कि आगे चीजें सुधरेंगी तो एसआईपी बंद नहीं करना चाहिए। इसके बजाए आप एसआईपी पॉज की सुविधा ले सकते हैं। इससे आपके निवेश का लक्ष्य प्रभावित नहीं होता है। इसका एक उदाहरण कोविड 19 का दौर है, जब बहुत से लोगों को फाइनेंशियल क्राइसिस आई थी। उस दौरान जिन्होंने यह सुविधा लेकर बाद में फिर एसआईपी चालू किया, उन्हें जबरदस्त फायदा हुआ था। क्योंकि कोविड 19 के बाद बाजार में रिकवरी शुरू हुई तो यह बहुत लंबी चली।

ऑफर देख ललचाएं नहीं, हो सकता है बड़ा नुकसान

- नो कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में न पड़ें, जरूरत हो तो ही खरीदें सामान
- नो-कॉस्ट या जीरो-कॉस्ट ईएमआई के ऑफर बेहद लुभावने दिखते हैं
- ऐसे नो-कॉस्ट ऑफर्स के पीछे भी कई बार बड़ी लागत छिपी होती है

प्लान
बिजनेस डेस्क

बजार में जाएं तो पहले यह तय कर लें कि जो सामान आप खरीदने जा रहे हैं उसकी आपको जरूरत भी है या नहीं, जिस सामान की जरूरत हो उसे ही खरीदें। बाजार में ऑफर्स देखकर मन ललचाएं नहीं। वरना यह लालच आपको भारी पड़ सकता है। कई बार तो आपके आर्थिक संकट को बढ़ा देता है। नो-कॉस्ट ईएमआई या जीरो-कॉस्ट ईएमआई के ऑफर पहली नजर में बेहद लुभावने दिखते हैं। आमतौर पर ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान बैंकों या क्रेडिट कार्ड कंपनियों की तरफ से दिए जाने वाले ऐसे कई ऑफर आपने भी देखे होंगे। कई बार ऑफलाइन शॉपिंग में भी ऐसे ऑफर दिए जाते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि ऐसे ऑफर वाकई में उतने फायदेमंद हों, जितने आप समझ रहे हैं। ऐसा इसलिए कि ऐसे बहुत सारे ऑफर्स असल में पूरी तरह नो-कॉस्ट या जीरो कॉस्ट नहीं होते। सुनने में काफी आकर्षक लगने वाले ऐसे ऑफर्स के पीछे भी लागत छिपी होती है। गहराई से देखने पर पता चलता है कि इन ऑफर्स में भी दरअसल कई तरह की लागतें छिपी होती हैं। इसलिए अगर आप भी ऐसे किसी ऑफर का फायदा उठाकर खरीदारी करने की सोच रहे हैं, तो पहले इस बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें। इसके बाद ही कार्ड से खरीदी करें।

रेगुलर ईएमआई वर्सिज नो-कॉस्ट ईएमआई

जब आप कोई सामान ईएमआई के जरिए खरीदते हैं, तो दरअसल आप एक कर्ज ले रहे होते हैं, जिसे मासिक किस्त के रूप में चुकाना होता है। रेगुलर ईएमआई में इस किस्त का कुछ हिस्सा मूल धन का और बाकी ब्याज का होता है। इसके अलावा आपको शुरुआत में लोन प्रॉसेसिंग फीस भी देनी पड़ सकती है। साथ ही, हर बार ईएमआई का पेमेंट करते समय आपको गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) का भुगतान भी करना होता है। नो-कॉस्ट ईएमआई के मामले में भी आमतौर पर ग्राहक को ईएमआई के साथ ब्याज तो देना पड़ता है, लेकिन विक्रेता या ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल की तरफ से उतनी ही रकम आपको पहले ही डिस्काउंट के तौर पर दे दी जाती है। यानी ग्राहक ईएमआई के साथ जो ब्याज भरता है, उसकी भरपाई डिस्काउंट के तौर पर पहले कर दी जाती है।

नो-कॉस्ट ईएमआई की छिपी हुई लागत

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज के बराबर की रकम भले ही डिस्काउंट के तौर पर पहले से मिल जाती है, लेकिन ग्राहकों को बैंकों या फाइनेंसिंग कंपनियों को प्रॉसेसिंग फीस चुकानी पड़ सकती है। साथ ही ईएमआई के साथ जीएसटी का भुगतान भी करना होता है, जो ग्राहकों के नजरिये से एक लागत ही है। जीएसटी की रकम ब्याज के 18% के बराबर होती है। इसके अलावा प्री-क्लोजर फीस, प्री-पेमेंट पेनाल्टी, लेट पेमेंट चार्ज जैसे कई और खर्चे भी जुड़े हो सकते हैं, लेकिन बहुत सारे ग्राहक इन छिपी हुई लागतों पर ध्यान दिए बिना ही खरीदारी कर लेते हैं। इसलिए अगली बार आप जब भी नो-कॉस्ट-ईएमआई स्कीम के जरिए कोई खरीदारी करने के बारे में सोचें, तो इन छिपी हुई लागतों को भी जरूर ध्यान में रखें। इससे आपको निवेश करने में आसानी रहेगी।

जानकारी अगर आप एक नौकरीपेशा महिला हैं तो घर कैसे खरीदें, बनाना होगा प्लान

खुद का घर वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में सबसे बड़ा कदम

अधिक से अधिक महिलाएं घर की मालकिन बन रही 60% महिलाएं अब आवास को पसंदीदा निवेश मान रही

गौरव मोहता
सीएमओ, होमफर्स्ट

घर खरीदना हर किसी का सपना होता है। सभी चाहते हैं कि समय रहते घर खरीद लिया जाए। खुद के घर का मालिक होना जीवन में स्थिरता के साथ-साथ वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जाता है। इसलिए, वर्तमान युग में, अधिक से अधिक महिलाएं घर की मालकिन बन रही हैं और उन्हें इस पर गर्व है। मूलतः इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। मार्च 2024 में एनारॉक के एक उपभोक्ता सर्वेक्षण के अनुसार, 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं अब आवास को पसंदीदा निवेश परिसंपत्ति वर्ग के रूप में मानती हैं। वर्तमान रुझान यह भी संकेत देते हैं कि कम संख्या के बावजूद, कर्जदार महिलाएं अपने वित्तीय दायित्वों में बहुत नियमित हैं, और अपने दायित्वों को पूरा करने के बारे में अधिक सजग और इमानदार भी हैं। सफल और विश्वसनीय ग्राहकों के इस फैल रहे वर्ग को और बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक वित्तीय संस्थान महिलाओं के लिए विशेष ऑफर पेश कर रहे हैं।

महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण

उच्च ऋण पात्रता : यदि महिलाएं अपने पति या परिवार के किसी अन्य सदस्य के साथ सह-आवेदक के रूप में पंजीकरण कराती हैं तो वे बेहतर एलटीवी (मूल्य पर ऋण) के लिए अर्हता प्राप्त करती हैं। इसलिए, उन्हें बहुत कम डाउन पेमेंट देना पड़ता है और संपत्ति चयन में बहुत लचीले विकल्प उन्हें मिलते हैं।

कम ब्याज दर : महिलाएं अपनी वित्तीय प्रतिबद्धता के बारे में बहुत अनुशासित होती हैं और नियमित रूप से वित्तीय किश्तों का भुगतान करती हैं, यह बात विभिन्न अध्ययनों और बाजार के रुझानों से पता चला है। इसलिए, वित्तीय संस्थानों को उन्हे रियायती दरों पर ऋण देना बहुत सुविधाजनक लगता है।

आयकर लाभ

महिलाएं धारा 80 सी के तहत मूलधन पर 1.5 लाख रुपये तक और ब्याज पर 2 लाख रुपये तक आयकर लाभ का दावा कर सकती हैं। एक शादीशुदा जोड़ा ऋण भुगतान और उसी संयुक्त गृह ऋण पर भुगतान किए गए ब्याज पर कर कटौती प्राप्त कर सकता है।

यदि आप जल्द से जल्द अपने ऋण का भुगतान करने के लिए परेशानी मुक्त तरीके की तलाश कर रहे हैं, तो हम जल्द से जल्द कर्ज से छुटकारा पाने के लिए नीचे बताए गए सही तरीके से आपकी मदद कर रहे हैं।

ऋण का अवधि छोटी रखें

क्या आपने कभी यह कहावत सुनी है कि टाईम इज मनी? यही बात ऋण के लिए भी लागू होती है। यदि आप ऋण के लिए लंबी अवधि चुनते हैं, तो आप अपने बैंक, वित्तीय संस्थान को अधिक ब्याज दे रहे हैं। हालांकि शुरुआत में ईएमआई की राशि बड़ी और परेशान करने वाली लग सकती है, लेकिन जैसे-जैसे आपका नौकरी का अनुभव और आय बढ़ती है, समय के साथ इन अल्पकालिक ऋण किस्तों का भुगतान करना आपके लिए आसान हो जाएगा।

बड़ा अग्रिम भुगतान करें

हम दोहरे लाभ के साथ एक टिप दे रहे हैं। एक बड़ा अग्रिम भुगतान स्वचालित रूप से आपके वित्तीय संस्थान से आवश्यक ऋण राशि को कम कर देता है। यह आपके ऋणदाता को आपकी वित्तीय स्थिति के बारे में विश्वास जताता है और साथ-साथ आश्वस्त भी करता है। यह लाभ कम ब्याज दर शुल्क में तब्दील हो सकता है।

प्रीपेमेंट करते रहें, चाहे कितना भी छोटा हो

भले ही प्रीपेमेंट राशि एक छोटा सा हिस्सा हो, यह आपकी ईएमआई के साथसाथ एक अतिरिक्त राशि के रूप में भुगतान किया जाता है। जैसे ही आप अपनी मासिक ईएमआई का भुगतान करते हैं, प्रीपेड राशि पूरी तरह से आपके मूलधन से काट ली जाती है और इस प्रकार चुकाए जाने वाले ऋण की मूल राशि खुद ब खुद कम हो जाती है। वास्तव में उस कम हुए मूल राशि पर ब्याज लगता है। परिणामस्वरूप आपका ऋण जल्दी समाप्त हो जाता है। कुछ वित्तीय संस्थान, बैंक ऑटो प्रीपे सुविधा भी प्रदान करते हैं। यह एक ऑटो डेबिट सुविधा है और एक बार जब आप इसे हर महीने के लिए सक्रिय कर लेते हैं, तो अपने ऋण को चुकाने के लिए आपके खाते से प्रीपेमेंट के रूप में 1000 रुपये का छोटा भुगतान भी किया जा सकता है। यह छोटी सी रकम आपको लाखों रुपये बचाने में मदद कर सकती है।

आइए गणित को समझें

मान लीजिए कि पूजा नाम की एक महिला 10 प्रतिशत की ब्याज दर पर 20 साल के लिए 10,00,000 रुपये का ऋण लेती है। लोन की ईएमआई की गणना करने का फॉर्मूला $P \times r \times (1+r)^n/((1+r)^n-1)$ है। इस फॉर्मूले का उपयोग करके, पूजा के लिए ईएमआई की रकम 9,650 रुपये आती है। जब वह पहली ईएमआई कुल 9,650 रुपये का भुगतान करती है, तो उसमें से 1,317 रुपये कुल मूल राशि यानी ऋण की 10,00,000 रुपये से काट लिए जाते हैं और शेष 8,333 रुपये को ब्याज भुगतान के रूप में माना जाता है।

टी20 विश्व कप: अमेरिका का पलड़ा भारी, कनाडा के खिलाफ मैच आज

मैच का प्रसारण भारतीय समयानुसार आज सुबह 6 बजे

एजेंसी ▶▶| डलास

अमेरिका और कनाडा के बीच होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले में हाल में आईसीसी की पूर्ण सदस्य बांग्लादेश को हराने वाली मेजबान टीम जीत की दावेदार होगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दो जून को सुबह छह बजे होगा। आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज स्टुअर्ट लॉ अमेरिका के कोच हैं। टी20 विश्व कप में पदार्पण करने वाली टीम कुछ हैरानी भरे नतीजे हासिल कर सकती है। अमेरिका ने टूर्नामेंट की तैयारियों में पूर्ण सदस्य बांग्लादेश को 2-1 से हराकर साबित कर दिया कि उसे कमजोर नहीं आंका जा सकता। हाल में अमेरिका ने कनाडा को 4-0 से हराया था।

मोनांक करेंगे कप्तानी

न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी और 2015 विश्व कप फाइनल खेलने वाले कोरी एंडरसन भी टीम में हैं जिसकी अगुआई विकेटकीपर बल्लेबाज मोनांक पटेल करेंगे। गुजरात के आणंद में जन्में मोनांक आयु स्तर के क्रिकेट में अपनी घरेलू टीम के लिए खेले थे जिसके बाद वह 2016 में अमेरिका में बस गए। वह 2018 विश्व टी20 अमेरिका क्वालीफायर में छह पारियों में 208 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे थे और 2019 में उन्होंने अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था।

टीमें इस प्रकार हैं

अमेरिका: मोनांक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स (उपकप्तान), एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रलवकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर और शायन जहांगीर।

कनाडा : साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, रविंदरपाल सिंह, नवनीत धालीवाल, कलीम सना, दिलोन हेलीगर, जेरेमी गॉर्डन, निखिल दत्ता, परगट सिंह, निकोलस किरटन, रेयानखान पठान, जुनैद सिद्दीकी, दिलप्रीत बाजवा, श्रेयस मोव्वा और ऋषिव जोशी।

पापुआ न्यू गिनी से होगा वेस्टइंडीज का मुकाबला

जॉर्जटाउन। ईडन गार्डन्स में कार्लोस ब्रेथवेट के चार छक्कों से दूसरा टी20 विश्व खिताब जीतने के आठ से ज्यादा साल बाद वेस्टइंडीज की टीम रविवार को यहां जब नौवें चरण में घरेलू मैदान पर पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ उतरेगी तो उसकी कोशिश जीत से शुरुआत कर मजबूती हासिल करने की होगी। ब्रेथवेट ने तब बेन स्टोक्स पर अंतिम ओवर में लगातार चार छक्के जड़े थे जिससे वेस्टइंडीज दो बार टी20 विश्व कप खिताब जीतने वाली पहली टीम बनी थी। इससे पहले उन्होंने 2012 में खिताब जीता था। लेकिन इसके बाद टीम बदलाव के दौर में खुद को संभाल नहीं सकी और उसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 2021 में उन्हें पांच में से चार मैच में हार मिली जिससे टीम सुपर 12 से बाहर हो गई। इसके बाद तो हालत और खराब हो गये और आस्ट्रेलिया में 2022 चरण में वेस्टइंडीज कमजोर स्कॉटलैंड और आयरलैंड से हारकर मुख्य दौर के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर सकी।

दोनों टीमों के प्लेइंग-11

वेस्टइंडीज: रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसफ (उपकप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेस, शिमरोन हेटमायर, शाई होप, अकील हुसैन, शमर जोसफ, ब्रैंडन किंग, ओबेद मैककॉय, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड और रोमारियो शेफर्ड।

पापुआ न्यू गिनी: असादुल्ला वाला (कप्तान), एली नाओ, चाड सोपर, सीजे अमिनी, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, काबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा, लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ और टोनी उरा।

श्रीलंका ने आयरलैंड को हराया

एजेंसी ▶▶| लॉडरहिल

दासुन शनाका के ऑलराउंड प्रदर्शन की मदद से श्रीलंका ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच में आयरलैंड को 41 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद श्रीलंका का स्कोर एक समय 5 विकेट पर 82 रन था लेकिन ऑलराउंडर वनिन्दु हसरंगा (26), एंजेलो मैथ्यूज (32) और शनाका (23) के उपयोगी योगदान से वह 8 विकेट पर 163 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में पॉल स्टर्लिंग (21) और जॉर्ज डॉकरेल (17) ने आयरलैंड को आक्रामक शुरुआत दिलाई लेकिन शनाका (23 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने उसकी टीम 18.2 ओवर में 122 रन पर आउट हो गई।

55 रन से जीता अफगानिस्तान

एक अन्य अभ्यास मैच में अफगानिस्तान ने स्कॉटलैंड को 55 रन से हराया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए गुलबदीन नैब (69) और अजमतउल्लाह उमरजई (48) की शानदार पारियों की मदद से 8 विकेट पर 178 रन बनाए। स्कॉटलैंड की टीम इसके जवाब में 9 विकेट पर 123 रन ही बना पाई। उसकी तरफ से मार्क वाट ने सर्वाधिक 34 रन का योगदान दिया। अफगानिस्तान की तरफ से करीम जनत और मुजीब उर रहमान ने दो दो विकेट लिए।

खबर संक्षेप

नेपाल और नीदरलैंड कर सकते हैं उलटफेर

बारबडोस। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट का मानना है कि नेपाल और नीदरलैंड टी20 विश्व कप में बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी टीमों के खिलाफ चौंकाने वाले परिणाम दे सकते हैं। नेपाल और नीदरलैंड को बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। गिलक्रिस्ट का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के कारण नेपाल की टीम काफी मजबूत हो गई है। नीदरलैंड की टीम ने 2022 में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को हराकर उलटफेर किया था और गिलक्रिस्ट का मानना है कि इस टीम को हराना आसान नहीं होगा।

त्रिसा और गायत्री का सफर हार से खत्म

सिंगापुर। भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी का सिंगापुर ओपन में स्वप्निल सफर शनिवार को यहां सेमीफाइनल में नामी मातसुयामा और चिहारू शिडा की दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। इस हार से भारत का बीडब्लूएफ विश्व टूर सुपर 750 में भी अभियान खत्म हो गया। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य विजेता त्रिसा -गायत्री की जोड़ी जापान की खिलाड़ियों के आगे नहीं टिक सकीं जिन्होंने 47 मिनट में 23-21 21-11 से जीत हासिल की।

मुंबई के लिए तीन साल तक खेलेंगे फर्नांडिस

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने शनिवार को भारत के मिडफील्डर ब्रैंडन फर्नांडिस के साथ तीन साल का अनुबंध किया, जो 2015 में इंडियन सुपर लीग की इस टीम के साथ संक्षिप्त समय बिताने के बाद वापसी कर रहे हैं। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने इसके बाद सात साल तक एफसी गोवा का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने एफसी गोवा के लिए 130 मैचों में 17 गोल किए।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत ने टी-20 विश्वकप अभ्यास मैच में बांग्लादेश को 60 रन से हराया

भाषा ▶▶| न्यूयॉर्क

भारत ने शनिवार को यहां टी20 विश्व कप अभ्यास मैच में बांग्लादेश पर 60 रनों की जीत के दौरान हर विभाग में अपना दबदबा बनाया लेकिन ऋषभ पंत आक्रामक अर्धशतक लगाकर टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के विकल्प के पहली पंसद बन गये हैं। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 182 रन बनाने के बाद बांग्लादेश को नौ विकेट पर 122 रन पर रोक दिया। बांग्लादेश की ओर से महमूदुल्लाह (40) और शाकिब अल हसन (28) ने छठे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी कर टीम को बुरी हार से बचाया। भारत के लिए अर्शदीप सिंह और शिवम दुबे ने दो-दो जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट चटकाये। पंत दिसंबर 2022 में भयानक कार दुर्घटना के बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे है। वह धीमी पिच पर 32 गेंद की पारी में चार चौके और चार छक्के की मदद से 53 रन बनाकर रिटायर आउट हुए। इस पारी से टीम में

विकेटकीपर के दावेदार के तौर पर उन्होंने संजू सैमसन को पीछे छोड़ दिया। सैमसन ने कप्तान रोहित शर्मा (19 गेंद में 23 रन) के साथ पारी का आगाज किया था लेकिन वह छह गेंद में एक रन ही बना सके। विश्व कप के मुख्य मैचों में रोहित के साथ विराट कोहली के भारतीय पारी की आगाज करने की संभावना है लेकिन कोहली शुक्रवार को ही अमेरिका पहुंचकर टीम से जुड़े है। वह इस अभ्यास मैच का हिस्सा नहीं थे। पंत ने दूसरे विकेट के लिए 48 और सूर्यकुमार यादव (31) के साथ तीसरे विकेट के लिए 44 रन की अहम साझेदारी की। हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवरों में सहजता से कुछ बड़े शॉट खेल 23 गेंद में नाबाद 40 रन का योगदान दिया लक्ष्य का बचाव करते हुए अर्शदीप और सिराज ने टीम को शानदार शुरुआत दिलायी। वामहस्त तेज गेंदबाज अर्शदीप ने पहले ही ओवर में सौम्य सरकार को खाता खोले बगैर पवेलियन की राह दिखायी और फिर अपने अगले ओवर में लिटन दास (छह) को बोल्ड कर टीम को दूसरी सफलता दिला दी। अब बारी सिराज की थी जिन्होंने अपने पहले ओवर में ही नजमुल शंटो (शून्य) की पारी को हार्दिक के हाथों खत्म कराया। तौहिद हदोय और तंजिद हसन ने इसके बाद पारी संवारने की कोशिश की लेकिन अक्षर ने हदोय (13) तो वहीं हार्दिक ने तंजिद (17) को पवेलियन की राह दिखा दी जिससे बांग्लादेश ने नौवें ओवर में 41 रन पर पांच विकेट गंवा दिये।

भारत ने विश्व चैंपियन जर्मनी को दी शिकस्त

लंदन। भारत ने जर्मनी की कमजोर रक्षापंक्ति का फायदा उठाते हुए तीन गोल दागे जिससे हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने शनिवार को यहां एफआईएच प्रो हॉकी लीग में विश्व चैम्पियन को 3-0 से हराकर लंदन चरण में जीत से शुरुआत की। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत (16वें मिनट), सुखजीत सिंह (41वें मिनट) और गुरजंत सिंह (44वें मिनट) ने जर्मनी की युवा टीम के खिलाफ गोल दागे। जर्मनी ने शानदार शुरुआत की लेकिन अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी। विश्व की पांचवें नंबर की भारतीय टीम 13 मैचों में 24 अंक लेकर तीसरे स्थान पर बनी हुई है जबकि अर्जेंटीना 14 मैचों में 26 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। भारत ने प्रो लीग के एंटवर्प चरण में अर्जेंटीना को दो बार हराया था। नीदरलैंड 12 मैचों में 26 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है। भारतीय टीम अब आठ जून को फिर से जर्मनी से भिड़ेगी जिसके बाद उसका सामना दो और नौ जून को ग्रेट ब्रिटेन से होगा।

भाला फेंक

मनु ने ताइवान ओपन में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के डीपी मनु ने शनिवार को ताइपे में 81.58 मीटर थ्रो के साथ ताइवान ओपन 2024 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ने अपने आखिरी प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज किया। ताइवान ओपन विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य स्तर की प्रतियोगिता है। इसमें खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक भी मिलते हैं। मनु ने 78.32 मीटर थ्रो के साथ शुरुआत की, जबकि उनका दूसरा प्रयास 76.80 मीटर का रहा। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने तीसरे और पांचवें प्रयास में भाले को 80.59 मीटर और 81.52 मीटर दूर फेंककर अपने खेल के स्तर को ऊंचा किया। वह अपने चौथे प्रयास में वैध थ्रो नहीं कर सके। यह प्रदर्शन हालांकि मनु के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.35 मीटर से बहुत दूर था। मनु को अभी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना बाकी है, जिसके लिए क्वालीफिकेशन मार्क 85.50 मीटर है। चोपड़ा और किशोर जेना पहले ही ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

भारतीय महिला टीम को एफआईएच प्रो लीग में जर्मनी ने 3-1 से हराया

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम का एफआईएच प्रो लीग में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और वह शनिवार को यहां इंग्लैंड चरण के पहले मैच में जर्मनी से 1-3 से हार गयी। एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में यह भारत की लगातार पांचवीं हार थी, इस महीने की शुरुआत में एंटवर्प में बेल्जियम और अर्जेंटीना ने उसे दो-दो बार हराया था। स्टापेनहॉर्स्ट चार्लोट ने 13वें मिनट में मैदानी गोल करके जर्मनी का खाता खोला था। दीपिका ने 23वें मिनट में बराबरी हासिल कर ली लेकिन जिम्मरमैन सोनजा (24वें) ने एक मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर जर्मनी को फिर से आगे कर दिया। मध्यांतर के बाद लोरेंज नाइकी ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर मैच को भारत की पकड़ से दूर कर दिया। भारत रविवार को ब्रिटेन के खिलाफ खेलेगा।

जैस्मीन पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल करने के करीब

बैंकॉक। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लम्बोरिया यहां विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के 57 किग्रा क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड की एना मारिजा मिलिसिक पर शानदार जीत दर्ज करके पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने के करीब पहुंच गई हैं। भारत की इस 22 साल की खिलाड़ी ने अंतिम 16 मुकाबले में जजों के सर्वसम्मत निर्णय (5-0) से मिलिसिक को शिकस्त दी। क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में चार कोटा स्थान है। जैस्मीन को पेरिस खेलों में अपनी जगह पक्की करने और भारत के लिए 57 किग्रा कोटा पुनः प्राप्त करने के लिए रविवार को अपना क्वार्टर फाइनल जीतना होगा।

दिनेश कार्तिक ने अपने 39वें जन्मदिन पर लिया क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने दो दशक तक देश के लिए खेलने के बाद शनिवार को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के इंडियन प्रीमियर लीग एलिमिनेटर से बाहर होने के बाद उनका संन्यास लेना तय था। लेकिन कार्तिक ने अपने 39वें जन्मदिन पर आधिकारिक रूप से फैसला लिया। कार्तिक ने 'एक्स' पर लिखा, 'काफी सोच विचार के बाद मैंने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपने संन्यास की घोषणा करता हूं और आगे आने वाली नई चुनौतियों के लिए तैयार हूं।'

कार्तिक की उपलब्धि

तीनों प्रारूपों में भारत के लिए 180 मैच में प्रतिनिधित्व करते हुए कार्तिक ने एक शतक और 17 अर्धशतक से 3463 रन बनाए हैं। बतौर विकेटकीपर उन्होंने 172 खिलाड़ियों को आउट किया है। वह अंतिम बार भारत के लिए 2022 टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा की कप्तानी में खेले थे।

जताया आभार

वह देश के लिए राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली के नेतृत्व में भी खेल चुके हैं। उन्होंने लिखा, 'मैं अपने सभी कोच, कप्तानों, चयनकर्ताओं और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने मेरी लंबी यात्रा का खुशगवार और आनंददायक बनाया।'

तन्वी ने जीता बोन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट

बोन। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने शनिवार को यहां चीनी ताइपे की वांग पेई यु को दो गेम में पराजित कर बोन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट बीडब्ल्यूएफ फ्यूचर सीरीज का हिस्सा है। विश्व रैंकिंग पर 181वें स्थान पर काबिज तन्वी ने आधे घंटे से ज्यादा समय तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे की खिलाड़ी पर 21-19, 22-20 से जीत दर्ज की। पंजाब की 15 साल की तन्वी मलेशिया में सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद सुर्खियों में आयी थीं।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **निज़ाम उर्फ नज़ाउद्दीन, पुत्रः** श्री शेख कलीम तथा **मो. अफरोज़, पुत्रः** मो. ईसो, दोनों का **पताः** अंडर हिल रोड, धोबी घाट, सिविल लाइन्स, दिल्ली; दूसरा पताः गाँव झंझरी, जोतमनोहर, ग्वालपारा, मधेपुरा, बिहार ने **FIR No. 207/2022, U/s 323/341/506/34 IPC, थानाः सिविल लाईन्स, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निज़ाम उर्फ नज़ाउद्दीन** तथा **मो. अफरोज़** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निज़ाम उर्फ नज़ाउद्दीन** तथा **मो. अफरोज़** फरार हो गये हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 207/2022, U/s 323/341/506/34 IPC, थानाः सिविल लाईन्स, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **निज़ाम उर्फ नज़ाउद्दीन** तथा **मो. अफरोज़** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.07.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री गौरव गोयल
महानगर दण्डाधिकारी
कमरा नंबर 247, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/5992/N/2024
(Court Matter)

विश्व शतरंज चैंपियनशिप : गुकेश और लिरेन के बीच होगा मुकाबला

दिल्ली, चेन्नई, सिंगापुर मेजबानी की दौड़ में शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के डी गुकेश और चीन के डिंग लिरेन के बीच होने वाले विश्व शतरंज चैंपियनशिप के मुकाबले की मेजबानी की दौड़ में चेन्नई और सिंगापुर के बाद अब दिल्ली भी शामिल हो गया है। अखिल भारतीय शतरंज संघ ने दिल्ली की बोली का समर्थन किया है और तमिलनाडु सरकार पर चेन्नई की मेजबानी का एकतरफा फैसला करने का आरोप लगाया है।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के सीईओ एमिल सुतोव्स्की ने शनिवार को कहा कि तीनों शहरों ने अपनी बोली जमा कर दी हैं और वे 'मानदंडों को पूरा करते हैं।' सुतोव्स्की ने कहा कि नवंबर दिसंबर में होने वाले इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए चेन्नई ने सबसे पहले जबकि नई दिल्ली ने सबसे आखिर में बोली लगाई। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'फिडे विश्व चैंपियनशिप मैच 2024 की मेजबानी के लिए तीन शहरों चेन्नई, सिंगापुर और नई दिल्ली ने बोली लगाई है। तीनों शहर मानदंडों को पूरा करते हैं।' अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ की परिषद इस पर चर्चा करेगी और मेजबान की घोषणा इस महीने के आखिर में कर दी जाएगी।

पहली बार एक देश से दो बोली

चेन्नई की बोली तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण ने जबकि दिल्ली की बोली अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने लगाई है। फिडे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए किसी देश को बोली लगाने से नहीं रोकता लेकिन ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है जबकि एक ही देश के दो शहरों ने मेजबानी का दावा पेश किया हो। एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग ने कहा कि राष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने नई दिल्ली के लिए बोली लगाई है तथा इसके लिए उसने भारत सरकार से अनापत्ति प्रमाण पत्र ली है।' उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने अपनी बोली भेजने से पहले एआईसीएफ के साथ परामर्श नहीं किया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपक राज, निवासी– 268, गली नंबर 04, फेज नंबर 1, मंगोलपुरी, दिल्ली ने मुकदमा सं0 197/2019 धारा 377/498A/406/34 IPC अन्तर्गत थाना मयूर विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक राज** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक राज** फरार हो गया है (या उक्त वारटं के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **मुकदमा सं0 197/2019 धारा 377/498A/406/34 IPC अन्तर्गत थाना मयूर विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दीपक राज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.07.2024** को या इससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
सुश्री शहजादी हलीमा सादिया
महानगर दंडाधिकारी
महिला कोर्ट नं0–02, पूर्व
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6572/ED/2024 (Court Matter)

दमकल विभाग की टीम ने वनाग्नि के विकराल होने से पहले ही उसे नियंत्रित कर लिया

पौड़ी के जंगलों में भड़की आग, ऋषिकेश में धू-धूकर जल रहा मणिकूट पर्वत

वाल्मीकि मोहल्ले में पशुपालन अस्पताल के समीप चीड़ के जंगल में दोपहर को आग लग गई। जिससे पास के वाल्मीकि मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग लोनिवि कार्यालय के समीप जिला पंचायत के आवासीय परिसर तक पहुंच गई।

एजेंसी ▶▶ पौड़ी

उत्तराखंड के पौड़ी मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में आग की घटनाएं और तेज हो गई हैं। बीते 24 घंटों में मुख्यालय व आस पास के क्षेत्रों में वनाग्नि की पांच घटनाएं हुई। गनीमत है कि आग फिलहाल आरक्षित वनों तक नहीं पहुंच पाई। अमकोटी के जंगल धधक रहे हैं। मुख्यालय में वाल्मीकि मोहल्ले में पशुपालन अस्पताल के समीप चीड़ के जंगल में दोपहर को आग लग गई। जिससे पास के वाल्मीकि मोहल्ले में अफरा तफरी मच गई।

आग की चपेट में फार्म हाउस

देखते ही देखते आग लोनिवि कार्यालय के समीप जिला पंचायत के आवासीय परिसर तक पहुंच गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने वनाग्नि के विकराल होने से पहले ही उसे नियंत्रित कर लिया। वहीं पालिका क्षेत्र के गडोली के जंगल में भी आग भड़क उठी। जिससे यहां बने फार्म हाउस भी आग की चपेट में आ गया। हालांकि फार्म हाउस खाली था। वन विभाग के कार्मिकों ने समय रहते बुझा लिया। उज्याड़ी गांव के जंगल व पौड़ी-श्रीनगर हाईवे पर धनक व अमकोटी गांव के जंगलों में आग लगी रही। हालांकि सुबह होते होते आग स्वतः ही बुझ गई।

आगे बुझाने 140 कर्मचारी लगाए

मसूरी वन प्रभाग के पांच रेंजों में नौ अलग-अलग स्थानों पर जंगल में आग लग गई। आग इतनी भीषण है कि उसे बुझाने के लिए वन विभाग ने 140 कर्मचारी लगाए हैं। आग से कई हेक्टेअर जंगल राख हो चुका है। वन विभाग की टीम को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

पौड़ी के बाल संरक्षण गृह तक पहुंची आग

तल्ली गडोली क्षेत्र के जंगलों में लगी आग पौड़ी- श्रीनगर हाईवे पर बाल संरक्षण गृह के समीप तक पहुंच गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत कर आग को बुझाने में कामयाबी पाई। सिविल एवं सोयम रेंजर मनोज रावत ने बताया कि टीम ने समय रहते ही बाल संरक्षण गृह श्रीनगर रोड व तल्ली गडोली के दो आवासीय भवनों में पहुंचने वाली आग को समय रहते ही बुझा लिया। शहर के तिमली बैंड पर डाले जा रहे कूड़े में फिर से आग लगने की भ्रामक सूचना दमकल विभाग को दे रहे हैं। फायर मैन सोनू कुमार ने बताया कि शुक्रवार दोपहर को कूड़े में आग लगने की सूचना मिली।

25 से 30 हेक्टेयर वन संपदा नष्ट हो चुकी है

गौहरी रेंज अधिकारी राजेश जोशी ने बताया कि वन कर्मचारी मणिकूट पर्वत पर लगी आग को बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। रेंज के बिंध्यवासिनी, गौहरीघाट, कुनांऊ, लक्ष्मणझूला और धमांद में क्रू स्टेशन बने हैं। वन कर्मचारी फायर उपकरण ब्लोवर, फायर रैक, पाठल आदि साथ में लेकर चल रहे हैं। दिन में आग बुझाने में परेशानी हो रही है। शाम ढलते ही वनकर्मी आग बुझाने में तेजी ला रहे हैं। बताया कि लपटों में करीब 25 से 30 हेक्टेयर वन संपदा नष्ट हो चुकी है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में वनाग्नि के आठ मामले सामने आए। इनमें सर्वाधिक सात मामले मसूरी वन प्रभाग के हैं। वन विभाग के मुताबिक इन मामलों में कुल 5.75 हेक्टेयर जंगल प्रभावित हुआ है। अब तक वनाग्नि के 1175 मामलों में 1605 हेक्टेयर जंगल प्रभावित हो चुका है। 438 वन अपराध दर्ज किए गए हैं।

ग्रामीण भी कर रहे आग बुझाने का प्रयास

राजाजी टाइगर रिजर्व के गौहरी रेंज के मणिकूट पर्वत में 30 मई से आग लगी है। लगातार दूसरे दिन भी चार रेंजों के कर्मचारी आग पर नियंत्रण नहीं कर पाए। दो दिन से जल रहे मणिकूट पर्वत में कई हेक्टेयर वन संपदा नष्ट हो चुकी है। आग पर नियंत्रण पाने के लिए गौहरी, चीला, हरिद्वार और मोतीचूर रेंज के वन कर्मचारी समाचार लिखे जाने तक ग्रामीण के लोगों ने भी आग बुझाने के प्रयास में जुटे रहे। भीषण गर्मी के बीच मणिकूट पर्वत पर लगी आग नियंत्रित नहीं हो पा रही है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि इस युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया

युद्ध विराम का यही सही समय, इजराइल के ऐसे प्रस्ताव को अमेरिका ने 'स्वीकारा'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हमास से गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए एक नए इजरायली प्रस्ताव को स्वीकार करने का आग्रह किया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, कि इस युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है। इजराइल ने जो प्रस्ताव दिया है, वो तीन हिस्सों का है।

> गाजा पट्टी में चल रही लड़ाई को खत्म करने की जिम्मेदारी अब हमास के पाले में आ गई है, क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने युद्ध खत्म करने के इजराइली प्रस्ताव का ऐलान कर दिया है।

इजराइल का पहला प्रस्ताव क्या है ?

प्रस्ताव के पहले चरण की शुरूआत 6 हफ्तों से युद्धविराम से होता है और इसके तहत इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) गाजा के आबादी वाले क्षेत्रों से हट जाएगा। इसके अलावा, इस दौरान गाजा में मानवीय सहायता भेजे जाने की रफ्तार को बढ़ा दिया जाएगा और इजराइल, हमास के कब्जे से इजराइली नागरिकों की रिहाई के बदले हमास के आतंकवादियों को छोड़ने के लिए भी तैयार हो गया है।

गाजा पट्टी में 36 हजार से ज्यादा लोग मारे गए

आपको बता दें, कि गाजा पट्टी के हमास नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है, कि पिछले साल 7 अक्टूबर को इजराइली हमला शुरू होने के बाद से अभी तक गाजा पट्टी में 36 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। वहीं, इजराइल के शांति प्रस्ताव को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट लिखकर इस घटनाक्रम का स्वागत किया। उन्होंने कहा, कि दुनिया ने गाजा में बहुत अधिक पीड़ा और विनाश देखा है।

युद्ध विराम के बाद शत्रुता का स्थायी रूप से अंत करना

इजराइल के प्रस्ताव पर हमास ने कहा है, कि वह प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से देखता है। व्हाइट हाउस में बोलते हुए, राष्ट्रपति दो बाइडेन ने कहा, कि प्रस्तावित योजना के पहले चरण में 'पूर्ण और संपूर्ण युद्ध विराम', आबादी वाले क्षेत्रों से कऊत्र्ह बलों की वापसी और फिलिस्तीनी कैदियों के लिए बंधकों का आदान-प्रदान शामिल होगा। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक निर्णायक क्षण है।

युद्धविराम का दूसरा चरण

युद्धविराम के दूसरे चरण में इजराइली बंधकों के साथ-साथ बंधक बनाए गये इजराइली सैनिकों की भी वापसी है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने भी हमास से युद्धविराम समझौते को मानने की अपील की है और उन्होंने एक्स पर कहा, कि समूह को इस समझौते को स्वीकार करना चाहिए ताकि हम लड़ाई में विराम देख सकें। डेविड कैमरन ने कहा, कि हम लंबे समय से युद्धविराम की अपील कर रहे हैं और हम सभी सही कदम उठाने के लिए तैयार हैं।

भारत के साथ मजबूत सहयोग बढ़ाएंगे: राष्ट्रपति मार्कोस

नई दिल्ली। फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने शनिवार को मनीला में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) शांगरी-ला डायलॉग के 21 वें संस्करण के लिए मुख्य भाषण देने वाले फिलीपींस के पहले नेता बन गए। आसियान के लिए फिलीपींस की प्रतिबद्धता इसकी विदेश नीति का एक मुख्य तत्व बनी रहेगी।

यात्रियों में खुशी की लहर, संबंधित जिलाधिकारियों से बातचीत करने के बाद सरकार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया

चारधाम यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन फिर से शुरू

एजेंसी ▶▶ देहरादून

चारधाम यात्रा करने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शनिवार से एक बार फिर शुरू हो गए हैं। चारों धामों में अत्यधिक भीड़ होने के कारण, व्यवस्था न बनने और यात्रियों को हो रही परेशानी को देखते हुए 15 से 31 मई तक के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन बंद किये गये थे। आज जो रजिस्ट्रेशन यात्रियों को मिला है, वह तत्काल यात्रा करने का रजिस्ट्रेशन है। हरिद्वार पंजीकरण केंद्र को 1500 के स्लॉट अलॉट किये गये हैं। यानी कि हर धाम के लिए 1500 लोगों का रजिस्ट्रेशन हो सकेगा। जिला पर्यटन अधिकारी सुरेश यादव ने बताया कि जितने लोग रजिस्ट्रेशन कराने आएंगे, उनका प्रयास होगा कि सभी का रजिस्ट्रेशन हो जाए।

सीएम धामी खुद कर रहे यात्रा की मॉनिटरिंग

चारधाम यात्रा को लेकर इस बार रजिस्ट्रेशन हुए और श्रद्धालुओं में यात्रा के प्रति जोश देखा गया। उसके हिसाब से उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार यह आंकड़ा काफी बढ़ सकता है। इस बार 75 लाख के करीब यात्री चार धाम की यात्रा कर सकते हैं। राज्य सरकार चार धाम यात्रा को सुचारू और व्यवस्थित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। यात्रा पर आने वाले तमाम यात्रियों के स्वास्थ्य से लेकर उनके सुरक्षा के इंतजामों के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है।

लॉरेंस बिश्नोई के चार शूटर गिरफ्तार

सलमान खान की कार को घेरकर हमले का था प्लान

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिल्म अभिनेता सलमान खान पर एक बार हमला करने की कोशिश को मुंबई पुलिस ने नाकाम कर दिया है। नवी मुंबई पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया है जो पनवेल में अभिनेता सलमान खान की कार पर हमला करने की योजना बना रहे थे। इसके लिए पाकिस्तानी हथियार सप्लायर से हथियार मंगवाने की योजना थी। गिरफ्तार चारों आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य हैं।

14 अप्रैल को सलमान के घर पर हुई थी फायरिंग

बता दें कि इसी साल 14 अप्रैल को लॉरेंस गैंग के दो शूटर्स ने सलमान के घर पर फायरिंग की थी। आज सुबह बांद्रा में सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर दो अज्ञात लोगों ने हवा में तीन से चार राउंड फायरिंग की। दोनों शूटर बाइक पर आए और फिर हवाई फायरिंग करते हुए भाग निकले। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सकी। गोलियों के ये निशान सलमान के अपार्टमेंट के बाहर भी मिले थे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109